शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मंदिर में बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी: सीएम @नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 26 अप्रैल, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-114

पहलगाम अटैक का मास्टरमाइंड 'असीम मुनीर'

आदिल राजा का सनसनीखेज खुलासा, बेनकाब हुई पाक आर्मी

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां) ।

भारत एक बार फिर पाकिस्तान की खूनी साजिश का शिकार हुआ है और इस बार खुद पाकिस्तान के अंदर से ही इसकी पुष्टि हो हुई है। यह खुलासा किसी भारतीय एजेंसी ने नहीं बल्कि पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार आदिल राजा ने किया है। उन्होंने बताया कि कैसे जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए नरसंहार के पीछे पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर का हाथ है। जिसके पीछे की वजह अपनी कुर्सी (जनरल का पद) बचाना है।

आदिल राजा ने अपने सोशल मीडिया फेसबुक पोस्ट में दावा किया है कि मुनीर ने खुद इस हमले को अंजाम देने के आदेश दिए थे, ताकि अपने खिलाफ चल रही आलोचनाओं और जांचों से ध्यान भटकाया जा सके। उन्होंने साफ कहा है कि ये हमला जानबूझकर, सुनियोजित और मजहबी कट्टरता से प्रेरित था।

आदिल के मुताबिक मुनीर ने पहले विदेशी पाकिस्तानियों को बुलाकर भड़काऊ बयान दिया और फिर इस तरह का हमला करवाया। आदिल के अनुसार मुनीर के इस गलती का खामियाजा पूरे पाकिस्तानी भुगतेंगे। उन्होंने कहा- शहबाज तुरंत मुनीर को हटाएं नहीं तो मामला और बिगड़ेगा।आदिल राजा ने लिखा- पाकिस्तानी खुफिया समुदाय के वरिष्ठ सूत्रों ने पुष्टि की है कि ▶10पर

पहलगाम अटैक का जवाब

48 घंटे में पाकिस्तानी नागरिकों को निकालो सभी राज्यों को अमित शाह का स्पष्ट निर्देश

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों से टेलीफोन पर बात की है।सूत्रों ने बताया कि चर्चा के दौरान अमित शाह ने सभी मुख्यमंत्रियों से अपने-अपने राज्यों में सभी पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने और उनकी शीघ्र पाकिस्तान वापसी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने को कहा है।

उल्लेखनीय है कि पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर भारत ने 23 अप्रैल को सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) की बैठक में किए

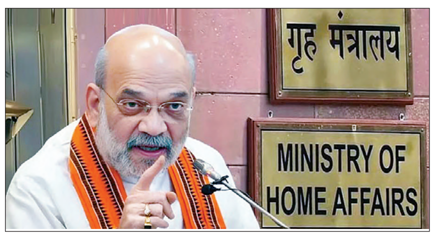

गए निर्णयों के क्रम में भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का निर्णय किया है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी मौजूदा वैध वीजा 27 अप्रैल से रद्द कर दिए गए हैं। पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए मेडिकल वीजा केवल 29 अप्रैल तक वैध रहेंगे। वर्तमान में भारत में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को संशोधित वीजा की अवधि समाप्त होने से पहले भारत छोड़ना होगा। इसी क्रम में पाकिस्तान में रह रहे भारतीयों को जल्द से जल्द स्वदेश लौटने को कहा गया है।

विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को पाकिस्तान की यात्रा करने से बचने की सख्त सलाह दी है। साथ ही वर्तमान में पाकिस्तान में मौजूद भारतीय नागरिकों को भी जल्द से जल्द भारत लौटने की सलाह दी है।

जम्मू-कश्मीर में सेना प्रमुख और कमांडर्स की अहम बैठक, आतंकवाद पर चोट की तैयारी

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत आतंकवाद के बुनियादी ढांचे और उसके पारिस्थितिकी तंत्र को कुचलने के लिए सटीक कदम उठा रहा है। इसी दिशा में सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर पहुंचे और स्थिति की समीक्षा तथा भविष्य की कार्रवाई पर एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में सेना प्रमुख और उपराज्यपाल के अलावा सेना की उत्तरी कमान के चीफ, लेफ्टिनेंट जनरल एम.वी. सुचिंद्र कुमार, सेना के उपप्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा और 15 कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल प्रशांत श्रीवास्तव शामिल हुए। इसमें सुरक्षा तंत्र, विभिन्न ▶10पर

अमेरिका का बड़ा ऐलान : पहलगाम अटैक के आतंकियों को दबोचने में करेगा भारत की मदद

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत को समर्थन मिल रहा है. इस क्रम में अमेरिका ने बड़ा ऐलान किया है । अमेरिका ने कहा है कि वह पहलगाम हमले के आतंकियों को दबोचने में भारत की मदद करेगा । इसकी घोषणा ट्रंप प्रशासन में राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने की । उन्होंने इस भयावह हमले की कड़े शब्दों में निंदा की और भारत के लोगों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। तुलसी गबार्ड ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट करते हुए लिखा, इस भयावह इस्लामी आतंकी हमले के बाद ▶10पर

आतंक का नेटवर्क

पहलगाम हमले से फिर उजागर हुए हमास-पाक संबंध

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां) ।

आतंकवादी संगठन हमास और पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के बीच घातक गठबंधन, पहलगाम आतंकी हमले के बाद एक बार फिर उजागर हुआ।

खुफिया अधिकारियों ने पहलगाम हमले में चार हमलावरों (जिनमें से दो पाकिस्तान से थे) की रणनीति और अक्टूबर 2023 में इजरायल में हमास के बड़े अटैक में आश्चर्यजनक समानताएं पाई हैं।

सूत्रों से पता चला है कि सभी चार आतंकवादियों को पीओके में ट्रेनिंग मिली थी। इस इलाके में हमास ने आतंकी समूहों जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के शिविरों में एक ट्रेनिंग मॉड्यूल स्थापित किया, जिसे पूरी तरह से आईएसआई का समर्थन हासिल है।

फरवरी में, इजरायल की कैद से रिहा किए गए हमास नेताओं ने इस्लामाबाद के न्योते पर पाकिस्तान का दौरा किया था और उन्हें लश्कर और जैश आतंकवादियों से मिलने के लिए पीओके ले जाया गया था। हमास नेताओं को रावलकोट की सड़कों पर घोड़ों पर सवार करके मुक्तिदाताओं के रूप में घुमाया गया।

हमास के प्रवक्ता खालिद अल-कद्दौमी और नाजी जहीर के अलावा हमास नेता मुफ्ती आजम और बिलाल अलसलात रावलकोट रैली में मौजूद थे। ▶10पर

आतंकी साजिश नाकाम

पाकिस्तान बॉर्डर पर बोरियों में आरडीएक्स और हैंड ग्रेनेड, क्या पहलगाम के बाद पंजाब है टारगेट?

अमृतसर (पंजाब), 25 अप्रैल (एजेंसियां) ।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर उबाल अभी ठंडा नहीं हुआ है। पाकिस्तान की इक कायराना हरकत से जहां पूरे देश में आक्रोश और गुस्सा है, वहीं अब पंजाब के अमृतसर से हैरान परेशान करने देने वाली घटना सामने आई है। अमृतसर के अजनाला क्षेत्र के अंतर्गत भारत-पाक सीमा पर गांव साहोवाल के पास भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री (आरडीएक्स) और हथियार बरामद हुए हैं। इतनी बड़ी मात्रा में आरडीएक्स मिलने से हड़कंप मच गया है। यह विस्फोटक सामग्री से भरी दो बोरियां मिली है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि इतनी बड़ी मात्रा में आरडीएक्स और हथियार देश की सीमा पर भेजने के पीछे किसकी नापाक ▶10पर

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया जवाब बताया वक्फ कानून में बदलाव क्यों जरूरी

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

वक्फ संशोधन कानून को लेकर चल रही बहस के बीच केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपना विस्तृत जवाब दाखिल कर दिया। केंद्र सरकार ने साफ किया है कि वक्फ कानून में बदलाव क्यों जरूरी था। सरकार ने बताया कि 1923 से वक्फ बाय यूजर प्रावधान के तहत रजिस्ट्रेशन जरूरी होने के बावजूद इसका दुरुपयोग कर निजी और सरकारी संपत्तियों को वक्फ घोषित किया जाता रहा, जिसे रोकना जरूरी था।

केंद्र सरकार ने कहा कि वक्फ बाय यूजर की व्यवस्था खत्म होने से मुस्लिम समुदाय का वक्फ करने का अधिकार नहीं छीना

गया है, बल्कि कानून के दुरुपयोग पर लगाम लगाई गई है। सरकार ने यह भी आरोप लगाया कि इस कानून को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ता अदालत को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) को 5 सितंबर 2024 को दी गई जानकारी के अनुसार, 5,975 सरकारी संपत्तियों को वक्फ घोषित किया जा चुका था। सरकार का कहना है कि पुराने कानून के तहत वक्फ बाय यूजर एक सुरक्षित स्वर्ग बन गया था, जहां से सरकारी और निजी संपत्तियों को हथियाया जा सकता था।सरकार ने अदालत से कहा कि यह सेटेड लीगल पोजिशन है कि कोर्ट को संसद द्वारा बनाए गए कानूनों पर बिना विस्तृत सुनवाई के रोक नहीं लगानी चाहिए। ▶10पर

हिंदू कभी धर्म पूछकर नहीं मारते, दिखानी होगी शक्ति : मोहन भागवत

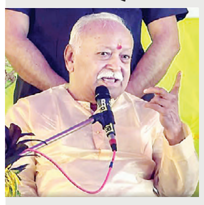

मुंबई, 25 अप्रैल (एजेंसियां) ।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने निर्दोष नागरिकों से उनके धर्म के बारे में पूछताछ करने के बाद उनकी हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि एक हिंदू कभी ऐसा कृत्य नहीं करेगा। उन्होंने सरकार से पहलगाम आतंकी हमले पर कड़ी प्रतिक्रिया देने का आग्रह किया, जिसमें 26 लोग, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे, बंदूकधारियों द्वारा मारे गए थे। आरएसएस प्रमुख ने मुंबई में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि लोगों से उनका धर्म पूछा गया और उन्हें मार दिया गया। हिंदू ऐसा कभी नहीं करेंगे। भागवत ने कहा कि अभी जो लड़ाई चल रही है, वह संप्रदाय और धर्म के बीच नहीं है। इसका आधार संप्रदाय और धर्म है, बल्कि यह लड़ाई 'धर्म' और 'अधर्म' के बीच है। हमारे सैनिकों या हमारे लोगों ने कभी किसी को उसका धर्म पूछकर नहीं मारा। जो कट्टरपंथी लोगों ने लोगों को उनका धर्म पूछकर मारा, हिंदू ऐसा कभी नहीं करेंगे। इसलिए देश को मजबूत होना चाहिए। ▶10पर

वीर सावरकर पर टिप्पणी को लेकर राहुल गाँधी को सुप्रीम कोर्ट की फटकार, कहा

आपकी दादी भी करती थीं तारीफ

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां) ।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गाँधी द्वारा स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर पर की गई टिप्पणी को लेकर कड़ी आपत्ति जताई। राहुल गाँधी ने 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान कहा था कि सावरकर अंग्रेजों के सहयोगी थे और उन्हें उनसे पेंशन मिलती थी। इस पर न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और मनमोहन की पीठ ने नाराज़गी जाहिर करते हुए कहा कि ऐसे बयान स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान के खिलाफ हैं और पूरी तरह गैर-जिम्मेदाराना हैं। पीठ ने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में राहुल गाँधी इस प्रकार के बयान देंगे, तो न्यायालय स्वतः संज्ञान लेते हुए उचित कार्रवाई करेगा। कोर्ट ने कहा, हमारे स्वतंत्रता सेनानियों पर एक शब्द भी नहीं। उन्होंने हमें आज़ादी दिलाई और क्या हम उनके साथ ऐसा व्यवहार करेंगे? कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि विवादास्पद बयानों के चलते मजिस्ट्रेट कोर्ट द्वारा जारी किए गए समन आदेश पर फिलहाल रोक लगाई जाती है। ▶10पर

अंतरिक्ष वैज्ञानिक के. कस्तूरीरंगन का निधन, मोदी ने जताया शोक

बेंगलुरु/नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रख्यात अंतरिक्ष वैज्ञानिक और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. के. कस्तूरीरंगन का शुक्रवार को बेंगलुरु में निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। डॉ कस्तूरीरंगन ने शुक्रवार सुबह 10:43 बजे अपने निवास पर अंतिम स्वास ली। परिवारिक सूत्रों के अनुसार उनके पार्थिव शरीर को रविवार को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक आम दर्शन के लिए रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट (आरआरआई) में रखा जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. कस्तूरीरंगन के निधन पर गहरा दुःख प्रकट करते हुए राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को याद किया है। उन्होंने महान वैज्ञानिक के परिवार, उनके विद्यार्थियों, वैज्ञानिक साथियों तथा अनगिनत प्रसंशकों के प्रति दुख की इस घड़ी में संवेदना व्यक्त की है। श्री मोदी ने कहा, भारत नयी शिक्षा नीति (एनईपी) का मसौदा तैयार करने में डॉ. कस्तूरीरंगन की भूमिका का सदैव ऋणी रहेगा।

हर एक भारतीय एकजुट हो

सरकार जो कदम उठाएगी, हम साथ हैं : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां) ।

विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आज जम्मू-कश्मीर दोरे पर हैं। उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले के घायलों और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से भी उन्होंने श्रीनगर में मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने कहा कि पूरे जम्मू-कश्मीर ने आतंकवादी हमले की निंदा की, राष्ट्र का पूरा समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मैंने कुछ घायलों से मुलाकात की, मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि एकजुट विपक्ष इस कार्रवाई की निंदा करता है; जो भी कार्रवाई की जाएगी हम उसका समर्थन करते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि यह जरूरी है कि सभी भारतीय एकजुट हों, ताकि हम आतंकवादियों और उनके इरादों को ▶10पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 79,801.43
-315.06 -0.39% ↓
एनएसई :24,246.70
-82.25 (-0.34%) ↓

मौसम विजयवाड़ा

अधिकतम : 39^0
न्यूनतम : 27^0

भारत सरकार कान खोलो : जम्मू कश्मीर की मांग सुनो

सिंधु जल संधि खत्म करने का ऐलान हो

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 25 अप्रैल।

भारत ने पहलगाम में हुए नरसंहार के बाद सिंधु जल संधि स्थगित करने का ऐलान किया है न कि समाप्त करने का। लेकिन जम्मू कश्मीर की जनता को उम्मीद है कि भारत, पाकिस्तान के साथ की गई सिंधु जल संधि पूरी तरह से समाप्त कर देगा। इस संधि के खत्म होने से भारत से बहने वाली नदियों का पानी पाकिस्तान की ओर जाने से रुक जाएगा। इसका नतीजा होगा पाकिस्तान में पानी के लिए हाहाकार मचना। इससे पाकिस्तान सरकार पर पाकिस्तानी अवाम का इतना दबाव बढ़ेगा कि उसे आतंकवाद को पालने-पोसने की नीति छोड़नी पड़ेगी। जल संधि समाप्त

होने से जम्मू कश्मीर राज्य में खुशहाली और हरियाली लौटेगी। साथ ही आतंकवाद का भी स्थायी खात्मा हो सकेगा।

वर्ष 1960 के सितंबर महीने में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के सैनिक शासक फील्ड मार्शल अय्यूब खान के बीच यह जल संधि हुई थी। इस जलसंधि के मुताबिक, भारत को जम्मू कश्मीर में बहने वाले तीन दरियाओं सिंध, झेलम और चेनाब का पानी रोकने का अधिकार नहीं होगा। यानि, जम्मू कश्मीर के लोगों के शब्दों में, जवाहर लाल नेहरू ने जम्मू कश्मीर राज्य के लोगों के भविष्य को पाकिस्तान के हाथ में गिरवी रख दिया था। यह कड़वी सच्चाई भी है। इन तीनों दरियाओं का पानी अधिक मात्रा में राज्य के लोग इस्तेमाल नहीं कर सकते। इससे अधिक बदनसीबी क्या होगी कि इन दरियाओं पर बनाए जाने वाले बांधों के लिए पहले पाकिस्तान की अनुमति लेनी पड़ती है। असल में जनता का ही नहीं, बल्कि अब तो नेताओं का भी मानना है कि इस जलसंधि ने जम्मू कश्मीर ▶10पर

पानी रोकने में लगेंगे बरसों, खर्च होंगे अरबों

जम्मू, 25 अप्रैल (ब्यूरो)।

भारत सरकार द्वारा 1960 से जारी सिंधु जल संधि को स्थगित करने की घोषणा से भारतीय जनता में खुशी का माहौल है। लेकिन इस घोषणा का कड़वा पक्ष यह भी है कि पाकिस्तान जा रहे पानी को रोकने में बरसों लगेंगे और अरबों खर्च होंगे। पूरा पानी रोकने और उसे अपने इस्तेमाल में लाने के लिए भारत सरकार को जितने बांध बनाने होंगे, उनमें काफी समय लगेगा और काफी खर्च लगेगा।

पुलवामा हमले के बाद भारत सरकार ने पंजाब में बहने वाली तीन नदियों का पानी पाकिस्तान जाने से रोकने का फैसला लिया था। लेकिन वह फैसला कोई नया नहीं था, क्योंकि शाहपुर कंडी बांध और उझ बांध की मंजूरी पुलवामा हमले के एक साल पहले ही दी जा चुकी थी। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद और भाजपा ने किया विशाल प्रदर्शन

श्रद्धांजलि सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों द्वारा 26 निर्दोष नागरिकों की निर्मम हत्या के विरोध में शुक्रवार को केआर पुरम स्थित बीबीएमपी कार्यालय के सामने एक विशाल विरोध प्रदर्शन एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन भाजपा, बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों की संख्या में देशभक्त नागरिक, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग सम्मिलित हुए और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद व जिहादी मानसिकता के खिलाफ अपना आक्रोश प्रकट किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ भाजपा नेता सचिदानंद मूर्ति ने की। मंच पर आर एस एस के प्रकाश, भाजपा अध्यक्ष मानेगौड़ा, पूर्व बीबीएमपी सदस्य श्रीकांत, निर्वाचन क्षेत्र के भाजपा महासचिव के. श्रीरामुलु, हाईटेक एक्स-सर्विसमैन संगठन के संस्थापक अनिल सिंह सिकरवार सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि अब समय आ गया है जब देश को एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कदम उठाना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में मोमबत्ती जलाकर शहीदों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। हम चुप नहीं बैठेंगे, ये बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा इस उद्घोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

अणुव्रत संगठन यात्रा का आयोजन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु तेरापंथ भवन में अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के अंतर्गत अणुव्रत संगठन यात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश बोराणा एवं संगठन मंत्री राजेश चावत और कर्नाटक राज्य प्रभारी सुरेश देरासरिया ने अणुव्रत से मानवता का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ महासभा सदस्य विमल पितलिया ने मधुर स्वर के साथ अणुव्रत गीत के संगान से किया। तत्पश्चात मैसूरु अणुव्रत समिति के उपाध्याक्ष अनिता कटारिया ने अतिथियों का स्वागत किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश ने अणुव्रत के नियमों का वाचन किया एवं संगठन मंत्री राजेश ने अणुव्रत और एसीसी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अणुव्रत मानवता के लिए आशा का किरण है। इस हिंसा के युग में अणुव्रत शांति का मिशाल लेकर चल रहा है।

इस मौके पर मैसूरु सभा अध्यक्ष प्रकाश दक, स्थानकवासी संघ अध्यक्ष सुभाष दरड़ा, मूर्ति पूजक संघ अध्यक्ष भेरुलाल राठोड़, तेयुप अध्यक्ष विक्रम पितलिया, सुमितनाथ नवयुवक मंडल अध्यक्ष जयकुमार सालेचा, स्थानकवासी युवा संगठन अध्यक्ष नवरत्नमल दरला, टीपीएफ अध्यक्ष प्रकाश दक, लक्ष्मी भटेवरा, अणुव्रत समिति के मंत्री आनंद मांडोत, भारतीय जैन संगठना मैसूरु चैप्टर अध्यक्ष राजेंद्र बागमर, जीतो चेयरमैन विनोद बाकीवाल, जेसीआई अध्यक्षा स्वरूपा भटवेरा, जीतो चेयरपर्सन मोना भटवेरा, मदन मारू, शांतिलाल नोलखा, मनीष बोहरा, मोहित बोहरा, विशाल नोलखा, मुस्कान नोलखा आदि अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थति रहि। महावीर देरासरिया ने आभार ज्ञापित किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *कर्नाटक प्रेस क्लब द्वारा कन्नड़ा भवन के नयना सभागार में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। पालनहल्ली मठाधीश श्री सिद्धराजू स्वामी, प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री श्रुति, विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बाल कलाकारों ने मनभावन सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जिससे श्रोता मंत्र मुग्ध हो गए। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सेवा देने वाले साधकों को क्लब के रमेश एवं अतिथियों ने पुरस्कृत किया।*

मुनि पुलकित कुमार जी एवं साध्वी सोमयशा जी के दर्शन वंदन का लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) को बिड़दी स्थित मुनि पुलकित कुमार जी एवं बेंगलूरु के भिक्षु धाम में विराजित साध्वी सोमयशा जी के पावन सान्निध्य का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस मौके पर टीपीएफ की टीम ने न केवल दर्शन-सेवा का लाभ प्राप्त किया, बल्कि संगठन की विचारधारा, उद्देश्यों एवं योजनाओं को साझा करते हुए आध्यात्मिक मार्गदर्शन भी प्राप्त किया। टीपीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत माण्डोत के नेतृत्व में दक्षिण आंचल अध्यक्ष विक्रम कोठारी, मंत्री भरत भंसाली, टीपीएफ बेंगलूरु सेंट्रल अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा सहित प्रतिनिधिमंडल ने मुनि की सेवा की। इस दौरान मुनि ने टीपीएफ की गतिविधियों की सराहना करते हुए युवाओं को आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों पर आधारित जीवन जीने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी यदि संयम, सेवा और साधना के मार्ग पर चले, तो समाज और राष्ट्र दोनों की दिशा सुधर सकती है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *डॉ. शिवराज कुमार और डॉ. पुनीत राजकुमार युवक संघ द्वारा बेंगलूरु के वीरेश थिएटर के निकट फिल्म अभिनेता डॉ. राजकुमार के 97वें जन्म दिवस के उपलक्ष में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने डॉ. राजकुमार की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर कर्नाटक सिनेमा जगत में उनके योगदान को याद किया। साथ ही अन्नदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया।*

राष्ट्रीय एवं जोन के पूर्व सदस्यों की रेलवे डीआरएम से भेंट

राजस्थान के लिए एक अतिरिक्त ट्रेन का संचालन के साथ अन्य महत्वपूर्ण मांगे रखी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राष्ट्रीय रेलवे उपभोक्ता सलाहकार परिषद के पूर्व सदस्य भरत कुमार जैन एवं दक्षिण पश्चिम रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य सिद्धार्थ बोहरा ने बेंगलूरु मंडल के नव नियुक्त प्रबंधक आशुतोष के. सिंह से भेंट कर यात्रियों की सुविधा हेतु विभिन्न मांगे रखीं।

भरत कुमार जैन ने यात्रियों की अधिकता को देखते हुए डीआरएम से राजस्थान के लिये एक दैनिक अतिरिक्त ट्रेन के संचालन की मांग रखी। साथ ही उन्होंने जैन धर्म की भावनाओं को समझते हुए धर्म के प्रमुख तीर्थ पालीताणा हेतु सीधी ट्रेन की मांग भी पुरजोर रूप से रखी। सिद्धार्थ बोहरा ने बेंगलूरु स्टेशन पर यात्रियों के बैठने की सुविधा बढ़ाने के साथ धूप व बारिश से बचाव हेतु सभी प्लेटफार्म पर पूर्ण रूप से छत की मांग रखी। सलाहकार समिति के दोनों पूर्व सदस्यों ने यशवंतपुरम से बाड़मेर के लिये संचालित साप्ताहिक ट्रेन 14805/06 को प्रतिदिन संचालित करने की मांग भी रखी तथा सिटी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 9 पर पिछले कई महीनों से खराब पड़ी स्वचालित सीढ़ियों को ठीक कराने का अनुरोध किया। व्यापारियों के लिये अनिवार्य बेंगलूरु मुंबई रूट पर एक्सप्रेस कॉरिडोर बनाने की मांग प्रमुख रूप से रखी गई। बेंगलूरु रेलवे मंडल प्रबंधक ने सभी मांगों को गौर से सुना तथा सकारात्मकता कार्यवाही का आश्वासन दिया। सदस्यों द्वारा मंडल प्रबंधक का सत्कार किया गया। इस अवसर पर बेंगलूरु रेलवे मंडल के वरिष्ठ परिचालन प्रबंधक डा. ए एम कृष्णा रेड्डी भी मौजूद थे।

इसरो के पूर्व अध्यक्ष के कस्तूरीरंगन का निधन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। इसरो के पूर्व अध्यक्ष और महत्वाकांक्षी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की मसौदा समिति के अध्यक्ष के कस्तूरीरंगन का शुक्रवार को बेंगलूरु में निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। अधिकारियों ने बताया कस्तूरीरंगन का सुबह बेंगलूरु में उनके आवास पर निधन हो गया। 27 अप्रैल को रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट (आरअ-रआई) में उनके अंतिम संस्कार की व्यवस्था की जाएगी। एनईपी में शिक्षा सुधारों के पीछे के व्यक्ति के रूप में जाने जाने वाले कस्तूरीरंगन ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और कर्नाटक ज्ञान आयोग के अध्यक्ष के रूप में भी काम किया था। उन्होंने राज्यसभा के सदस्य (2003-09) और भारत के योजना आयोग के सदस्य के रूप में भी काम किया है। कस्तूरीरंगन अप्रैल 2004 से 2009 तक नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, बेंगलूरु के निदेशक थे।

रक्तदान शिविर में 209 यूनिट रक्त एकत्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा ने गुरुवार को सरजापुर स्थित कृपानिधि कॉलेज में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें 209 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। यह कार्यक्रम समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना और निस्वार्थ सेवा के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इस अवसर पर मंच के अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल, सचिव सनी जैन तथा रक्तदान संयोजक शुभम लोहिया उपस्थित रहे। उन्होंने सभी रक्तदाताओं, स्वयंसेवकों और सहयोगी संगठनों का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस शिविर को सफल बनाने में नारायणा हृदयालय ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर कॉलेज प्रशासन और रक्तदान करने वाले सभी व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया गया।

हाथी के हमले में किसान की मौत

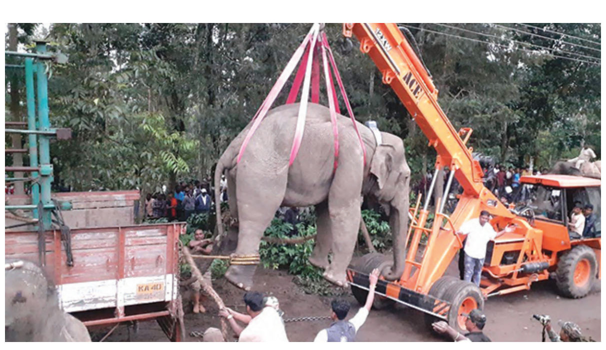

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के सकलेशपुर तालुक के बैकेरे के पास शुक्रवार को एक जंगली हाथी ने एक किसान को कुचलकर मार डाला। कॉफी बागान मालिक अमृतेश के 36 वर्षीय बेटे शानमुखा का अपने खेत में काम करते समय हाथी से सामना हुआ। इस घटना ने आस-पास के गांवों के निवासियों को सदमे में डाल दिया है।

इस साल की शुरुआत में हासन जिले में इसी तरह की घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई थी। स्थानीय लोगों ने जिले के सभी जंगली हाथियों को पकड़ने और उन्हें दूसरे स्थानों पर बसाने की मांग को लेकर कई विरोध प्रदर्शन किए। मार्च में वन विभाग ने जंगली हाथियों को पकड़ने के लिए एक अभियान चलाया। विभाग ने तीन हाथियों को पकड़ा। उनमें से दो को हाथी शिविरों में भेज दिया गया, जबकि एक को रेडियो कॉलर लगाकर दूसरे स्थान पर भेज दिया गया। इसके अलावा, अधिकारियों ने दो और हाथियों को रेडियो कॉलर पहनाए।

देवेगौड़ा ने बिदादी होबली क्षेत्र में टाउनशिप के निर्माण का कड़ा विरोध किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने रामनगर जिले के बिदादी होबली क्षेत्र में टाउनशिप निर्माण के लिए ग्रेटर बेंगलूरु विकास प्राधिकरण द्वारा किसानों की भूमि अधिग्रहण किए जाने का कड़ा विरोध किया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि जानकारी मिली है कि सरकार ने टाउनशिप परियोजना के निर्माण के लिए ग्रेटर बेंगलूरु विकास प्राधिकरण से बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र के बिदादी होबली के बैरमंगला और कांचुगरनहल्ली ग्राम पंचायतों के अंतर्गत 24 गांवों में विभिन्न सर्वेक्षण नंबरों में लगभग 10,000 एकड़ भूमि अधिग्रहण करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। राज्य सरकार ने पहले ही रामनगर जिले के रामनगर और कनकपुरा तालुकों में औद्योगिक विकास के लिए किसानों की हजारों एकड़ भूमि अधिग्रहित कर औद्योगिक विकास क्षेत्र की स्थापना की है। गौड़ा ने कहा कि चूंकि रामनगर जिला बेंगलूरु शहर से सटा हुआ है, इसलिए कई उद्यमियों ने निजी उद्योग स्थापित किए हैं। शेष कृषि भूमि पर किसान अपनी आजीविका के लिए डेयरी फार्मिंग, रेशम, बागवानी और कृषि पर निर्भर हैं। अधिकांश किसान बहुत छोटे और सीमांत किसान हैं और गरीब परिवारों से हैं। किसानों ने अपनी जमीन पर और उसके आसपास लाखों पेड़-पौधे उगाए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि टाउनशिप परियोजना के लिए इस तरह के क्षेत्र का अधिग्रहण किया जाता है, तो पर्यावरण को भारी नुकसान होगा। हजारों परिवारों की आजीविका प्रभावित होती है और किसान परिवारों के युवा बेरोजगार और बेघर होते हैं। कृषि भूमि इन गरीब किसानों की आजीविका का आधार है। इसके अलावा, कर्नाटक गृह बोर्ड और अन्य सरकारी प्राधिकरण रामनगर जिले के बिदादी के आसपास कई आवासीय परियोजनाएं तैयार कर रहे हैं, किसानों की जमीन का अधिग्रहण कर रहे हैं और परियोजनाओं को लागू कर रहे हैं। उन्होंने पत्र में कहा मैं मांग करता हूं कि राज्य सरकार गरीब किसानों के हित में ग्रेटर बेंगलूरु विकास प्राधिकरण द्वारा बनाई जा रही टाउनशिप परियोजना के लिए अधिग्रहित की जा रही किसानों की जमीन को भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया से हटा दे।

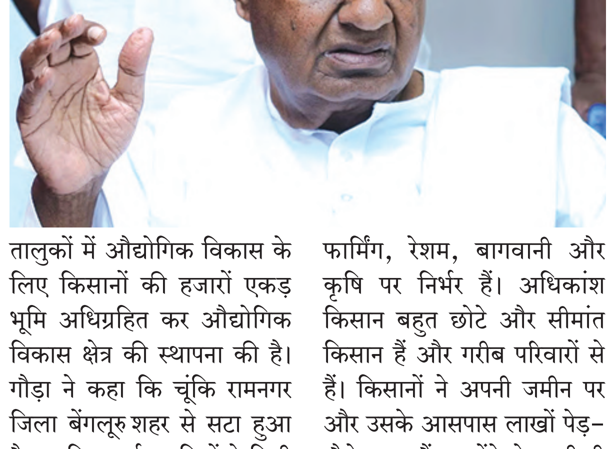

डॉ. राजकुमार का जन्मदिन मनाया

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिला प्रशासन, जिला पंचायत, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग तथा जिला कन्नड़ साहित्य परिषद के संयुक्त तत्व-ावधान में गुरुवार को बीदर, कलबुर्गी और बल्लारी में कन्नड अभिनेता डॉ. राजकुमार का 97वां जन्मदिन उनके भावचित्र और मूर्ति पर माला पहनाकर विशेष तरीके से मनाया गया। कलबुर्गी समारोह में कन्नड़ साहित्य परिषद के जिला अध्यक्ष विजयकुमार तेगलतिप्पी ने भावचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डी.सी. कार्यालय के शिष्टाचार तहसीलदार पम्पैया, कन्नड़ और संस्कृति विभाग के सहायक निदेशक दत्तप्पा सागनूर, सूचना और जनसंपर्क विभाग के सूचना सहायक डी.के. राजरत्न और अन्य लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर किरण पाटिल और कावेरी हीरेमठ ने गीत गाकर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

कार्यक्रम से पहले जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले में जान गंवाने वालों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा गया।

एम एम हिल्स को शराब मुक्त क्षेत्र घोषित किया गया

मंदिर में बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी: सीएम

चामराजनगर/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि माले महादेश्वर स्वामी क्षेत्र विकास प्राधिकरण की बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि एम एम हिल्स को शराब मुक्त क्षेत्र बनाया जाएगा, साथ ही मंदिर के पास बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने को भी प्राथमिकता दी जाएगी। वे शुक्रवार को सुत्तुर मठ का दौरा करने के बाद पहाड़ी की चोटी पर मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे। गुरुवार को वर्ष की ऐतिहासिक 9वीं कैबिनेट बैठक आयोजित करने के बाद सीएम एम एम हिल्स में रात भर रुके। इस क्षेत्र पर विशेष ध्यान देने और चामराजनगर के पिछड़े जिले के टैग को हटाने के लिए विशेष कैबिनेट बैठक यहां आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा यह अशुभ था कि चामराजनगर आने वाले लोग सत्ता खो देंगे। यह सच नहीं है। इस तरह के अंधविश्वास समाज की प्रगति में बाधा बन रहे हैं। मैं करीब 20 बार चामराजनगर जिले का दौरा कर चुका हूं और दूसरी बार सीएम बना हूं। गुरुवार को माले महादेश्वर विकास प्राधिकरण की बैठक हुई। परिसर में साफ-सफाई और स्वच्छता बनाए रखने की जरूरत है। पहाड़ी के ऊपर शराब पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए कि मंदिर में दिया जाने वाला लड्डू प्रसाद अच्छी गुणवत्ता का हो और भक्तों को कम कीमत पर बेचा जाए। महादेश्वर मंदिर क्षेत्र के आसपास बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने का भी फैसला किया गया है। विधायक विनय कुलकर्णी के घर पर ईडी की छापेमारी के बारे में पूछे जाने पर सिद्धरामैया ने कहा केंद्र सरकार राजनीतिक प्रतिशोध के लिए प्रवर्तन निदेशालय का इस्तेमाल कर रही है। भाजपा नेताओं पर ईडी की छापेमारी क्यों नहीं की जा रही है? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस बयान पर कि वे कश्मीर में आतंकवादी हमले का मुंहतोड़ जवाब देंगे, उन्होंने कहा कि इस हमले में केन्द्रीय खुफिया विभाग की विफलता स्पष्ट दिखाई देती है। इससे पहले कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने गुरुवार को कहा था कि राज्य में धार्मिक स्थलों के विकास के लिए केवल कांग्रेस सरकार ने ही काम किया है।

चामराजनगर जिले में माले महादेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने यह टिप्पणी की। यह मंदिर हिंदू तीर्थस्थल के रूप में प्रसिद्ध है। शिवकुमार ने बताया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में प्रमुख धार्मिक स्थलों के लिए विकास प्राधिकरण स्थापित किए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि पिछली भाजपा और जेडीएस सरकारों ने ऐसा कदम नहीं उठाया। उन्होंने सौंदत्ती येल्लम्मा विकास प्राधिकरण के गठन और माले महादेश्वर तथा चामुंडी हिल्स के लिए पहले से स्थापित प्राधिकरणों पर प्रकाश डाला। उनके अनुसार, बुनियादी ढांचे और पहुंच दोनों के मामले में माले महादेश्वर मंदिर का परिवर्तन सभी के लिए स्पष्ट है। शिवकुमार ने कहा हम केवल एक समुदाय के कल्याण पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहे हैं, बल्कि सभी समुदायों के विकास के लिए प्रयास कर रहे हैं। हमारा ध्यान भक्तों को प्रार्थना के लिए शांतिपूर्ण और अनुकूल वातावरण प्रदान करने पर है। इसके अलावा, शिवकुमार ने चामराजनगर जिले की प्रगति पर चर्चा की और कहा कि सड़कों के सुधार से गांवों से पहाड़ियों तक यात्रा का समय काफी कम हो गया है। उन्होंने यह भी बताया कि मेकेदातु परियोजना के तहत एलिवेटेड सड़कों का निर्माण किया जा सकता है, जिसका उद्देश्य मंदिर तक पहुंच को बढ़ाना है।

सरकारी बस में महिला का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में कंडक्टर निलंबित

मंत्री ने बर्खास्तगी का आदेश दिया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केएसआरटीसी के एक बस कंडक्टर पर एक युवती का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगा है, जिसके बाद राज्य सरकार ने इस मामले में तुरंत कार्रवाई की है। घटना को गंभीरता से लेते हुए राज्य के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने मामले की त्वरित जांच के निर्देश दिए हैं और कंडक्टर को सेवा से बर्खास्त करने का आदेश दिया है। एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर, कोनाजे पुलिस ने आरोपी प्रदीप नायकर (35) को गिरफ्तार किया, जो बागलकोट का निवासी है।

केएसआरटीसी ने उसे तुरंत ड्यूटी से निलंबित कर दिया। 22 अप्रैल को मुदिपु और स्टेट बैंक के बीच चलने वाली केएसअ-ारटीसी की एक बस के आरक्षित महिला सेक्शन में दो युवतियां बैठी थीं। उनमें से एक यात्रा के दौरान सो गई थी। कंडक्टर कथित तौर पर सो रही महिला के पास गया और उसके साथ अनुचित व्यवहार किया, जिससे उसका यौन उत्पीड़न हुआ। इस घटना को ड्राइवर के पास बैठे एक यात्री ने मोबाइल पर कैद कर लिया और बाद में सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया, जहां यह तेजी से वायरल हो गया। घटना के वीडियो ने नेटिजन्स के बीच व्यापक आक्रोश पैदा कर दिया, जिन्होंने कंडक्टर के व्यवहार की निंदा की। जनता की प्रतिक्रिया को गंभीरता से लेते हुए, केएसआरटीसी अधिकारियों ने तत्काल निलंबन आदेश जारी किया। इसके बाद, मंत्री रामलिंगा रेड्डी को सूचित किया गया, और उन्होंने केएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक को जांच शुरू करने और कंडक्टर को सेवा से बर्खास्त करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया। इस घटना को घृणित और अक्षम्य अपराध बताते हुए, मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने आदेश दिया कि आरोपी को सेवा से हटा दिया जाए। उन्होंने कहा हर महिला यात्री के साथ सम्मान से पेश आना चाहिए। जनता का केएसआरटीसी ड्राइवरों और कंडक्टरों पर गहरा भरोसा है। कुछ व्यक्तियों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार से पूरे संगठन की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचता है। बिना देरी के जांच शुरू की जानी चाहिए और उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। मेंगलूरु के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने पुष्टि की कि आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 74 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) और 75 (यौन उत्पीड़न) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मैं कर्नाटक में पाकिस्तानी नागरिकों को निर्वासित करूंगा: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद राज्य में आधिकारिक रूप से रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले के कारण केंद्र सरकार ने कुछ निर्णय लिए हैं। इसके परिणामस्वरूप पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए गए हैं।

इसलिए राज्य में आधिकारिक रूप से रह रहे पाकिस्तानियों की जांच की जा रही है। उनके वीजा रद्द कर उन्हें वापस भेजने की कार्रवाई की जा रही है। केंद्रीय विदेश मंत्रालय द्वारा उठाए गए कदमों में राज्य पुलिस सहयोग करेगी। अभी यह निर्णय केवल पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ लिया गया है। अवैध रूप से रह रहे लोगों के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं है। इसकी जांच की जानी चाहिए। अगर वे अवैध रूप से रह रहे हैं तो उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। यह स्पष्ट है कि कश्मीर में हुए हमले में केंद्रीय खुफिया तंत्र की विफलता है। वे अक्सर हमारी राज्य पुलिस को जानकारी देते हैं। वे हमसे भी जानकारी लेते हैं। चूंकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है, इसलिए केंद्र सरकार को कर्नाटक समेत सभी जगहों पर मौजूद सेल की जानकारी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को कई ऐसी चीजों की जानकारी है, जिनकी जानकारी हमारे राज्य को नहीं है। अगर राज्य पुलिस को कोई सूचना मिलती है, तो वह केंद्रीय खुफिया और राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सूचित करेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें समन्वय से काम करती हैं। इसरो और डीआरडीओ ने हर जगह विशेष सुरक्षा व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि राज्य पुलिस ने इसके लिए जरूरी सहयोग दिया है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से केंद्र सरकार ने कूटनीतिक तौर पर कुछ फैसले लिए हैं। हम मांग कर रहे हैं कि आगे और सख्त कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि वे आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए सख्त कार्रवाई की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि कलबुर्गी में सड़क किनारे पाकिस्तानी झंडा लगाए जाने की उन्हें जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि वे अधिकारियों से इस बारे में जानकारी लेंगे।

कर्नाटक सीईटी विशेष श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए दस्तावेज सत्यापन 5 मई से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। खेल, एनसीसी और रक्षा जैसे विशेष श्रेणियों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवारों के साथ-साथ सीईटी आवेदन में खंड बी से जेड तक के उम्मीदवारों के लिए दस्तावेज सत्यापन 5 मई से बेंगलूरु में कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण (केईए) कार्यालय में आयोजित किया जाएगा। केईए के कार्यकारी निदेशक एच. प्रसन्ना ने कहा कि दो दिनों के भीतर केईए की वेबसाइट पर एक लिंक जारी किया जाएगा, जिससे उम्मीदवार सत्यापन प्रक्रिया के लिए अपनी पसंदीदा तिथि और समय पहले से बुक कर सकेंगे।

पहले, सीईटी रैंक की घोषणा के बाद दस्तावेज सत्यापन किया जाता था। हालाँकि, इस बार, दस्तावेजों का पहले से सत्यापन किया जाएगा ताकि उम्मीदवार परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद विकल्प प्रविष्टि के साथ आगे बढ़ सकें। लगभग 10,000 उम्मीदवारों ने विशेष श्रेणियों और विभिन्न खंडों के तहत आवेदन किया है। उन सभी को पात्रता स्थापित करने के लिए 10 दिनों की अवधि में सत्यापन के लिए दस्तावेज जमा करने का अवसर दिया जाएगा। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे सत्यापन के लिए अपने दावे से संबंधित सभी मूल दस्तावेज साथ लाएँ। अभ्यर्थियों को पहले से बुक की गई तिथि और समय पर सत्यापन के लिए उपस्थित होना होगा। प्रतिदिन 1,000 अभ्यर्थियों के दस्तावेजों के सत्यापन की व्यवस्था की गई है। जो अभ्यर्थी सत्यापन के बाद अपने आवेदन में सुधार करते हैं, उन्हें दोबारा सत्यापन प्रक्रिया से गुजरना होगा। अन्यथा, उनके सुधार या दावे वैध नहीं माने जाएंगे। आवेदन में त्रुटियों को संपादित करने की अंतिम तिथि 2 मई है। 16,000 से अधिक अभ्यर्थी पहले ही सुधार कर चुके हैं। उन्होंने सलाह दी कि ऐसे सभी अभ्यर्थियों को अपने आवेदन को दोबारा सत्यापित कराने के लिए अपने संबंधित पीयू कॉलेज या निकटतम सरकारी पीयू कॉलेज में जाना चाहिए। खेल, एनसीसी और रक्षा जैसे विशेष श्रेणियों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवारों के साथ-साथ सीईटी आवेदन में खंड बी से जेड तक के उम्मीदवारों के लिए दस्तावेज सत्यापन 5 मई से बेंगलूरु में कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण (केईए) कार्यालय में आयोजित किया जाएगा। केईए के कार्यकारी निदेशक एच. प्रसन्ना ने कहा कि दो दिनों के भीतर केईए की वेबसाइट पर एक लिंक जारी किया जाएगा, जिससे उम्मीदवार सत्यापन प्रक्रिया के लिए अपनी पसंदीदा तिथि और समय पहले से बुक कर सकेंगे। पहले, सीईटी रैंक की घोषणा के बाद दस्तावेज सत्यापन किया जाता था। हालाँकि, इस बार, दस्तावेजों का पहले से सत्यापन किया जाएगा ताकि उम्मीदवार परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद विकल्प प्रविष्टि के साथ आगे बढ़ सकें। लगभग 10,000 उम्मीदवारों ने विशेष श्रेणियों और विभिन्न खंडों के तहत आवेदन किया है। उन सभी को पात्रता स्थापित करने के लिए 10 दिनों की अवधि में सत्यापन के लिए दस्तावेज जमा करने का अवसर दिया जाएगा। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे सत्यापन के लिए अपने दावे से संबंधित सभी मूल दस्तावेज साथ लाएँ। अभ्यर्थियों को पहले से बुक की गई तिथि और समय पर सत्यापन के लिए उपस्थित होना होगा। प्रतिदिन 1,000 अभ्यर्थियों के दस्तावेजों के सत्यापन की व्यवस्था की गई है।

ईडी की टीम ने ऐश्वर्या गौड़ा के घर पर छापा मारा

दस्तावेजों की जांच की जा रही है

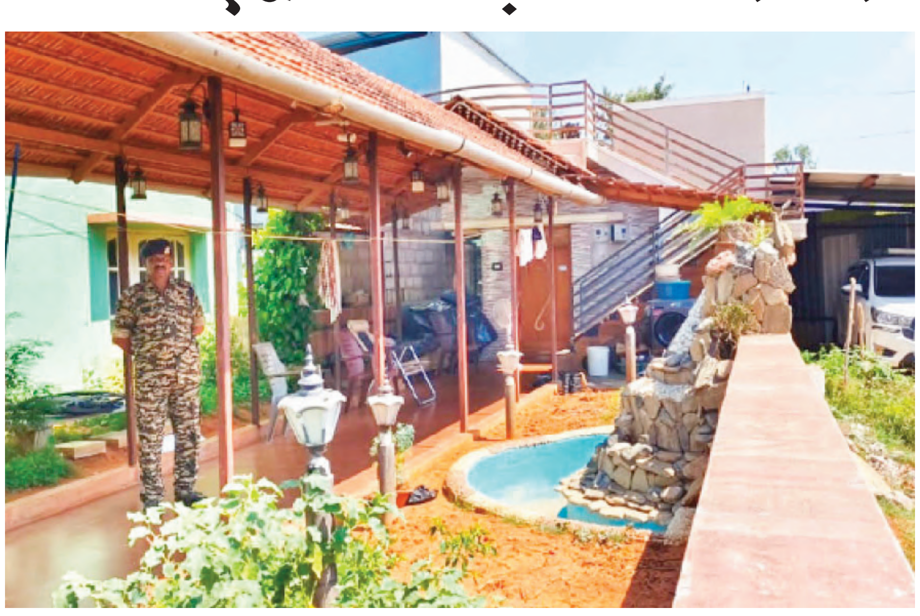

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सोने के आभूषणों की धोखाधड़ी के मामले में मुकदमे का सामना कर रही ऐश्वर्या गौड़ा के घर पर ईडी अधिकारियों की एक टीम ने विभिन्न पुलिस थानों में शिकायत दर्ज कराने के बाद तालुक के किरुगावल्लू गांव में छापेमारी की, उसे हिरासत में लिया और पूछताछ की। गुरुवार सुबह करीब नौ बजे तीन कारों में किरुगावल्लू गांव पहुंचे ईडी अधिकारियों की एक टीम ने ऐश्वर्या के गृहनगर समेत गांव के विभिन्न बैंकों में उनके बैंक खातों की जांच की। सीआरपीएफ की दो महिला कर्मियों समेत चार कर्मियों के साथ करीब 12 अधिकारियों की एक टीम ने सबसे पहले ऐश्वर्या गौड़ा की मां के घर पर छापेमारी की। उन्होंने घर में मौजूद उनकी मां, भाई और भाई की पत्नी के मोबाइल फोन जब्त कर लिए और उनसे जांच में सहयोग करने को कहा। फिर घर के हर कोने की तलाशी लेकर वहां मिले दस्तावेजों को जब्त कर लिया। दोपहर में एक टीम कार से रवाना हुई, जबकि बाकी तीन अधिकारी कावेरी ग्रामीण बैंक और गांव के अन्य बैंकों में गए और ऐश्वर्या गौड़ा और उनके परिवार के नाम से खातों में हुए वित्तीय लेन-देन की जानकारी हासिल की। बताया जाता है कि दूसरी टीम ने ऐश्वर्या गौड़ा के किरुगावल्लू गांव स्थित घर की शाम चार बजे तक तलाशी ली और रवाना होने से पहले कुछ फाइलें जब्त कीं। ईडी अधिकारियों को लाने वाले एक कार चालक द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार ईडी अधिकारियों ने बेंगलूरु ट्रैवल्स से 25 इनोवा कारें किराए पर ली थीं और तीन कारों में गांव आए थे। एक चालक ने बताया कि बाकी कारें कहां गईं, इसका पता नहीं है। ऐश्वर्या गौड़ा के खिलाफ बेंगलूरु और मांड्या समेत राज्य के विभिन्न पुलिस थानों में मामला दर्ज किया गया है, जिन पर 9 करोड़ रुपये के सोने के आभूषणों की धोखाधड़ी का आरोप है। मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मी ऐश्वर्या गौड़ा की शादी उनके पैतृक गांव के हरीश से हुई थी। उनके पति मैसूरु की एक निजी कंपनी में कर्मचारी थे। आरोप है कि उसने मांड्या, मैसूरु और चन्नपट्टना में आम लोगों को तरह-तरह के लालच देकर ठगा। इसके बाद उसने बेंगलूरु के प्रतिष्ठित राजराजेश्वरी नगर इलाके में आलीशान बंगला, करोड़ों रुपये की कारें और अंगरक्षकों के साथ आलीशान जिंदगी जी। मामले की जांच कर रही पुलिस को उसके कई राजनीतिक हस्तियों से संबंध और आलीशान जीवनशैली का पता चला तो वह हैरान रह गई। उसके वित्तीय लेन-देन पर नजर रखने वाली आर्थिक खुफिया एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी उसकी कुंडली खंगालने के लिए अचानक छापेमारी कर रहे हैं।

पूर्व मंत्री विनय कुलकर्णी की गिरफ्तारी की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। करोड़ों रुपये के सोने की धोखाधड़ी के मामले में फंसे विधायक और पूर्व मंत्री विनय कुलकर्णी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) किसी भी समय गिरफ्तार कर सकता है। गुरुवार से विनय कुलकर्णी के बेंगलूरु के डॉलर रासा कॉलोनी स्थित आवास पर छापेमारी कर रहे ईडी अधिकारियों ने कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए हैं।

जांच शुक्रवार को भी जारी रही और ईडी सूत्रों ने बताया कि ईडी अधिकारी उन्हें आगे की पूछताछ के लिए गिरफ्तार कर सकते हैं, क्योंकि यह स्पष्ट है कि विनय कुलकर्णी इस मामले में शामिल हैं। गुरुवार को ईडी अधिकारियों ने मामले की कथित सरगना ऐश्वर्या गौड़ा को गिरफ्तार कर लिया और बाद में उसे अदालत में पेश कर 14 दिनों की हिरासत में भेज दिया। रिकॉर्ड से पता चलता है कि विनय कुलकर्णी का ऐश्वर्या गौड़ा के साथ सोने और कुछ अन्य कारोबार में लेन-देन था। उनके आवास पर मिले दस्तावेजों से पता चला है कि उन्होंने बेनामी कारोबारी लेन-देन में करोड़ों रुपये कमाए हैं। इस संदर्भ में ईडी अधिकारी विनय कुलकर्णी को भी गिरफ्तार करने की तैयारी में हैं। गुरुवार को ईडी ने विधायक विनय कुलकर्णी के बेंगलूरु स्थित घर पर छापेमारी की। ऐश्वर्या गौड़ा पर पूर्व सांसद डी.के. सुरेश और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के नाम पर स्वर्ण व्यापारियों, डॉक्टरों और रियल एस्टेट उद्यमियों समेत कई लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी करने के आरोप में चार मामले दर्ज किए गए हैं। पूछताछ के दौरान पुलिस को आरोपी ऐश्वर्या गौड़ा और उसके पति की चल-अचल संपत्ति मिली थी।

ग्रेटर बेंगलूरु टाउनशिप में दिल्ली और चंडीगढ़ जैसे व्यापक मार्ग होंगे: शिवकुमार

भारत के लिए एक आदर्श शहर होगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
ग्रेटर बेंगलूरु टाउनशिप की स्थापना के लिए बिदादी में भूमि अधिग्रहण के पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के विरोध को खारिज करते हुए उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि इसे पूरे देश के लिए एक आदर्श शहर के रूप में विकसित किया जाएगा। मैसूरु में शुक्रवार को पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने बताया कि जब जे.डी.(एस) नेता एच.डी. कुमारस्वामी कर्नाटक के मुख्यमंत्री थे, तब भूमि का अधिग्रहण पहले ही किया जा चुका था।

उन्होंने कहा मैं इसे गैर-अधिसूचित करने के लिए तैयार नहीं हूं। क्योंकि, जब भी भूमि गैर-अधिसूचित की जाती है, तो भ्रष्टाचार के आरोपों की झड़ी लग जाती है। मैंने इसका अनुभव किया है। उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी ने मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान सात टाउनशिप स्थापित करने का फैसला किया था और इसके लिए बिदादी, सथानूर और नंदगुडी में भूमि अधिग्रहित की थी। जब कुमारस्वामी दो बार कर्नाटक के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने भूमि को अधिसूचित क्यों नहीं किया? उन्होंने कहा कि सरकार 10,000 एकड़ भूमि पर ग्रेटर बेंगलूरु टाउनशिप परियोजना को आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित ग्रेटर बेंगलूरु टाउनशिप मौजूदा बेंगलूरु शहर से बेहतर होगी। उन्होंने कहा यह दिल्ली और चंडीगढ़ की तर्ज पर होगा और इसमें व्यापक रास्ते होंगे। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ पहले ही विचार-विमर्श किया जा चुका है, जिन्हें उनकी जमीन के लिए अच्छा मुआवजा देने का आश्वासन दिया गया है। उन्होंने कहा किसानों को टाउनशिप परियोजना के लिए अधिग्रहित की गई जमीन के बदले में या तो पैसा मिलेगा या विकसित जमीन। शिवकुमार ने रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण जिला करने का भी भरोसा जताया।

उन्होंने दावा किया कि उन्हें पता है कि नाम कैसे बदला जाता है। प्रस्तावित 'कावेरी आरती' के लिए स्थल का निरीक्षण करने के लिए केआरएस जलाशय पर जाने से पहले, शिवकुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम एक धार्मिक मामला है।

उन्होंने कहा कि कावेरी नदी कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल के लिए जीवन रेखा है। यह नदी बेंगलूरु शहर के लिए पीने के पानी के अलावा पीने, सिंचाई और औद्योगिक उद्देश्यों के लिए पानी उपलब्ध कराती है। इसलिए, धार्मिक बंदोबस्ती, कन्नड़ और संस्कृति, पर्यटन, सिंचाई विभाग के साथ-साथ बेंगलूरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) कावेरी आरती कार्यक्रम का आयोजन कर रहे थे।

उप लोकायुक्त दावणगेरे में पत्थर खदानों के खिलाफ स्वप्रेरणा से मामला दर्ज करेंगे

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।
उप लोकायुक्त बी. वीरप्पा ने कहा है कि कर्नाटक लोकायुक्त द्वारा दावणगेरे जिले में पत्थर खदान की जांच के लिए स्वप्रेरणा से मामला दर्ज किया जाएगा, क्योंकि संदेह है कि वाणिज्यिक गतिविधि कानूनी रूप से नहीं की जा रही है। उप लोकायुक्त ने गुरुवार को दावणगेरे तालुक में कुर्की और हेब्बाल के पास हिरे तोगालेरी और पंजेनहल्ली वन क्षेत्रों से सटे पत्थर खदान स्थलों का औचक दौरा करने के बाद यह बयान दिया।

न्यायमूर्ति बी. वीरप्पा ने कहा कि कुर्की के पास 'पट्टा' भूमि पर खनन किया जा रहा था, लेकिन बफर जोन नहीं छोड़ा गया था और अनुमत क्षेत्र से अधिक क्षेत्र में खनन किया जा रहा था। उन्होंने कहा अतिक्रमण स्पष्ट है। बफर जोन बनाए बिना गहरी खदानों के कारण आस-पास के इलाकों में भूस्खलन होगा। इससे प्रकृति को अपूरणीय क्षति होगी। अधिकारियों को नियमित रूप से जांच करनी चाहिए कि परमिट के अनुसार खदानें हो रही हैं या नहीं।

हिरे तोगालेरी में 100 से अधिक साइटों पर गहरी पत्थर की खदानों के होने का उल्लेख करते हुए उप लोकायुक्त ने अधिकारियों से जानना चाहा कि यदि खदानें इतनी गहरी हैं तो साइटों को कैसे भरा जा सकता है। पत्थर की खदानों में किए जा रहे विस्फोटों का उल्लेख करते हुए उन्होंने जानना चाहा कि क्या गांव में घरों को हुए किसी नुकसान के बारे में जानकारी एकत्र की गई है।

उन्होंने जानना चाहा कि पूरी तरह से विस्फोटों के माध्यम से किए जा रहे उत्खनन के कारण होने वाले किसी भी नुकसान के लिए कौन जिम्मेदार होगा, और अधिकारियों को पूरी तरह से जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि परमिट की शर्तों के अनुसार कानूनी रूप से उत्खनन किया जाता है तो कोई समस्या नहीं होगी। लेकिन यदि उल्लंघन होता है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। पंजेनहल्ली में उप लोकायुक्त ने पाया कि कोई जीर्णोद्धार कार्य नहीं किया गया था, और अधिकारियों को पत्थर खदान के मालिक से भूमि की जीर्णोद्धार करवाने का निर्देश दिया।

अधिकारियों ने उप लोकायुक्त को बताया कि जिले में कुल 270.12 एकड़ क्षेत्र में 128 स्थानों पर पत्थर उत्खनन परमिट दिए गए थे। 'पट्टा' भूमि पर दिए गए 75 परमिटों में से 21 निष्क्रिय हो गए थे, और केवल 54 सक्रिय थे। उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि पर दिए गए 53 परमिटों में से केवल 32 ही सक्रिय थे। उप लोकायुक्त के साथ दौरे के दौरान जिले के वरिष्ठ अधिकारी भी थे।

राज्य सरकार का समर्थन बंद करने की मांग

एमके हॉस्टल के खिलाफ वक्फ नोटिस पर लड़ेंगे कानूनी लड़ाई: डी.एस. अरुण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधान परिषद सदस्य और भाजपा के राज्य सचिव डी.एस. अरुण ने कहा कि मैसूरु में एमके हॉस्टल की जमीन पर उस समय पुरानी तारीख वाला नोटिस चिपका दिया गया, जब वहां कोई नहीं था। नोटिस में कहा गया कि यह वक्फ बोर्ड का है। इसके खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि गुरुवार को एक वक्फ संगठन ने यह नोटिस चिपकाया। इस पर तारीख 3 अप्रैल बताई गई।

वक्फ अधिनियम को राज्यसभा में 4 अप्रैल को मंजूरी दी गई। उन्होंने इस पर आपत्ति जताई कि यह सब व्यवस्थित तरीके से किया गया। यह वह जगह है, जहां से हजारों छात्रों को लाभ मिला है। यह निंदनीय है कि वक्फ बोर्ड इसे निगल रहा है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार इसका समर्थन बंद करे।

उन्होंने कहा कि उन्होंने ट्रस्टियों, विधायकों और पूर्व विधायकों से इस संघर्ष पर चर्चा की है। उन्होंने सवाल उठाया कि पुरानी तारीख वाला नोटिस देना कितना सही है। वक्फ संशोधन अधिनियम को राज्यसभा में 4 तारीख को मंजूरी दी गई थी। लोकसभा में इसे पेश करने की तारीख 3 बताई गई थी। उन्होंने 9 मई तक जवाब देने को कहा। नोटिस हाथ में नहीं दिया गया था। उन्होंने पूछा कि जब वे कल आए थे तो कोई भी मौजूद नहीं था, तो इसे चिपकाना कितना सही था।

उन्होंने आरोप लगाया कि पुरानी तारीख एक व्यवस्थित साजिश है। छात्रावास का क्षेत्रफल लगभग 3,300 वर्ग फीट है। पीछे लिंगायत भूमि को लेकर विवाद था। 3 अप्रैल की तारीख वाला एक नोटिस चिपकाया गया था जिसमें कहा गया था कि पिछली जमीन और छात्रावास की जमीन शामिल है। उन्होंने कहा कि यह बेंगलूरु के वक्फ जांच अधिकारी का नोटिस है। मन्नार परिवार ने 1916 में यहां एक छात्रावास शुरू किया था। उन्होंने समझाया कि मैं, मेरा भाई और मेरे रिश्तेदार यहीं रहे और इसी छात्रावास में पढ़ाई की। 1954, 95 और 2013 में कानून में संशोधन किया गया। उन्होंने आपत्ति जताई कि अब एमके हॉस्टल को भी निगलने का काम शुरू कर दिया गया है।

पहलगाम नरसंहार का समर्थन करने वाले फेसबुक पेज के खिलाफ मामला दर्ज

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पहलगाम में हाल ही में हुए क्रूर हत्याकांड को उचित ठहराने के आरोप में 'निच्चु मेंगलूरु' नामक फेसबुक पेज के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उल्लाल के सतीश कुमार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर कोनाजे पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शिकायत बीएनएस धारा 192 और 353(1)(बी) के तहत दर्ज की गई है। अधिकारी वर्तमान में उक्त फेसबुक पेज की डिस्प्ले पिक्चर (डीपी) में दिखाए गए व्यक्ति की पहचान करने और उसका पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। आरोपी, जो कोनाजे पुलिस स्टेशन की सीमा का निवासी माना जाता है, ने कथित तौर पर पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए गए बर्बर कृत्य को उचित ठहराते हुए सामग्री पोस्ट की थी। पोस्ट में दावा किया गया था कि ये हत्याएं 2023 में महाराष्ट्र के पालघर में हुई एक पिछली घटना की प्रतिक्रिया थी, जहां कथित तौर पर तीन मुसलमानों की हत्या कर दी गई थी, लेकिन आरोपी चेतन सिंह को सार्वजनिक रूप से दंडित नहीं किया गया था। फेसबुक पोस्ट ने सुझाव दिया कि पहलगाम नरसंहार पालघर की घटना के प्रतिशोध के रूप में धर्म के आधार पर किया गया था। सार्वजनिक मंच पर इस तरह की चरमपंथी हिंसा को उचित ठहराए जाने से सोशल मीडिया पर व्यापक आक्रोश फैल गया है। पुलिस जांच जारी है और निच्चु मेंगलूरु पेज चलाने वाले व्यक्ति की पहचान करने और उसका पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कर्नाटक में नमी बढ़ने तक बारिश नहीं होने की संभावना

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के कई इलाकों में हल्की बारिश हुई है, जिससे गर्मी से कुछ समय के लिए राहत मिली है। हालांकि, आगे की गर्मियों की बारिश के लिए, भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि वायुमंडलीय नमी में उल्लेखनीय वृद्धि आवश्यक है। अभी तक, कम दबाव के गठन या चक्रवाती गतिविधि के कोई संकेत नहीं हैं। आईएमडी के अनुसार, गर्मियों की बारिश तभी संभव है जब सापेक्ष आर्द्रता 70 प्रतिशत को पार कर जाए। वर्तमान में, पहले हुई बारिश के कारण, आरएच का स्तर लगभग 40 प्रतिशत तक पहुँच गया है। जब आर्द्रता 40 प्रतिशत से 70 प्रतिशत के बीच रहती है, तो आमतौर पर बारिश की संभावना नहीं होती है। केवल तभी जब यह सीमा पार हो जाती है, तब बारिश की उम्मीद की जा सकती है। बेंगलूरु में, आरएच के 50 प्रतिशत से अधिक होने पर बारिश हो सकती है। जबकि तटीय क्षेत्र को एक मैदानी क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किया गया है, आईएमडी के अधिकारी वायुमंडलीय व्यवहार के संदर्भ में बेंगलूरु को एक हिल स्टेशन के समान मानते हैं। मौसम विशेषज्ञ साई शेखर ने कहा गर्मियों की बारिश कुछ और दिनों तक जारी रह सकती है। तटीय, मलनाड और राज्य के अधिकांश अन्य हिस्सों में अगले चार से पांच दिनों में बारिश हो सकती है। अगर हिंद महासागर में कोई कम दबाव या चक्रवाती गतिविधि नहीं होती है, तो इस साल मानसून सामान्य से पहले भी आ सकता है। तापमान में और वृद्धि होने की उम्मीद है। जिन क्षेत्रों में 30 डिग्री सेल्सियस से 34 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया था, वहां जल्द ही 38 डिग्री सेल्सियस से 40 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया जा सकता है। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है, वैसे-वैसे वायुमंडलीय नमी भी बढ़ती है, जिससे गर्मियों में और बारिश के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ बनती हैं। आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रसाद ए डी ने कहा कि आंतरिक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि देखी जा सकती है। तटीय जिलों में, सुलिया, सुब्रह्मण्य और कडाबा जैसे ग्रामीण इलाकों में शाम के समय गरज और बिजली के साथ मध्यम से भारी बारिश हुई। इस बीच, शहरी इलाकों में कुछ भारी बारिश के बाद तेज धूप निकली। शहरी क्षेत्रों में बादल छाए रहने के बावजूद ज्यादा धूप दिख रही है, जबकि ग्रामीण इलाकों में धूप और बारिश के मिश्रण के कारण ज्यादा संतुलित और सुखद जलवायु का आनंद मिल रहा है। पिछले दो दिनों में, दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों के कई हिस्सों में अचानक सुबह-सुबह धुंध (स्थानीय रूप से इसे 'वन धुआँ' कहा जाता है) देखी गई है। जिन इलाकों में पहले भारी बारिश हुई थी, उसके बाद धूप निकली, वहाँ अगली सुबह नमी के बढ़ते स्तर के कारण कोहरा छाया हुआ है। आईएमडी वैज्ञानिकों के अनुसार, यह धुंध सर्दियों का कोहरा नहीं है, बल्कि विशिष्ट परिस्थितियों का परिणाम है, जो तापमान और आर्द्रता दोनों को बढ़ा सकता है।

राज्य भाजपा ने सीईटी में धार्मिक पक्षपात का आरोप लगाया

जनेऊ विवाद को लेकर एनएचआरसी का दरवाजा खटखटाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा की कर्नाटक इकाई ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) से संपर्क किया है, जिसे वह कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) के दौरान धार्मिक भेदभाव का मामला बताती है, जहां कथित तौर पर पवित्र धागे (जनिवारा) पहनने वाले हिंदू छात्रों को परीक्षा केंद्रों में प्रवेश से वंचित कर दिया गया था, जबकि अन्य समुदायों के छात्रों को कथित तौर पर अपनी धार्मिक पोशाक बनाए रखने की अनुमति दी गई थी। एनएचअ-रसी को अपनी औपचारिक शिकायत में, कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि कर्नाटक सरकार ने राज्य भर में कई सीईटी परीक्षा केंद्रों पर हिंदू छात्रों को जनिवारा और शिवदार जैसे पारंपरिक प्रतीकों को हटाने के लिए मजबूर करके व्यक्तिगत धार्मिक विश्वासों का उल्लंघन किया है। अशोक ने कहा मैंने गुरुवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में कर्नाटक सरकार द्वारा व्यक्तिगत आस्थाओं के उल्लंघन की घटनाओं के बारे में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें छात्रों को राज्य भर में कई केंद्रों पर कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) परीक्षा के दौरान जनेउ, शिवदार आदि जैसे अपने पवित्र धार्मिक प्रतीकों को हटाने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने एनएचआरसी से छात्रों की गरिमा और अधिकारों को बनाए रखने के लिए तत्काल और उचित उपाय शुरू करने की अपील की। उन्होंने तर्क दिया कि इस तरह की प्रथाएं न केवल संवैधानिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करती हैं, बल्कि युवा परीक्षार्थियों पर अनुचित तनाव भी डालती हैं। अशोक ने अपनी शिकायत में कहा मैं आपको कर्नाटक राज्य में हाल ही में सामने आई परेशान करने वाली घटनाओं की एक श्रृंखला के बारे में गहरी चिंता के साथ लिख रहा हूं, जिसने हिंदू समुदाय के बीच व्यापक संकट पैदा किया है और हमारे विचार में, बुनियादी मानवीय और धार्मिक अधिकारों का स्पष्ट उल्लंघन है। अशोक ने बताया कि हिंदू छात्रों के साथ किए जाने वाले व्यवहार के विपरीत, हिजाब पहनने वाली मुस्लिम लड़कियों को अपने धार्मिक वस्त्र उतारे बिना सीईटी में शामिल होने की अनुमति दी गई, जिसे उन्होंने नियमों के भेदभावपूर्ण प्रवर्तन के रूप में वर्णित किया।

सभी केपीएससी छात्रों के लिए दोबारा परीक्षा हो: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने मांग की है कि सभी लगभग 70,000 केपीएससी परीक्षार्थियों को पर्याप्त समय दिया जाए और दोबारा परीक्षा आयोजित की जाए। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री को उच्च सदन में किए गए वादे के अनुसार मदद करनी चाहिए।

कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) में अनियमितताओं को लेकर छात्र लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं। उनका संघर्ष उनके साथ हुए अन्याय, कन्नड़ का अपमान, प्रश्नपत्रों में त्रुटियों जैसे कई मुद्दों पर था। उन्होंने कहा कि हमने भी छात्रों का समर्थन किया है और सदन में और बाहर उनके मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया है।

सरकार ने कहा था उनके साथ अन्याय हुआ है। हमने इसे ठीक करने का काम भी किया है। इसीलिए उन्होंने कहा कि दोबारा परीक्षा आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि दोबारा परीक्षा में भी वही गलतियाँ दोहराई गईं। हमने जब सरकार का ध्यान आकर्षित किया तो मुख्यमंत्री ने हमारी बातों पर सहमति जताते हुए कहा कि वे छात्रों की समस्या का समाधान करेंगे। उन्होंने पहले ही कहा था कि फैसला आना चाहिए क्योंकि वे कोर्ट गए थे। अब कोर्ट का फैसला आ गया है। कोर्ट गए 32 छात्रों ने अपनी दलीलें रखी थीं। कोर्ट ने सिर्फ इन 32 लोगों के लिए परीक्षा आयोजित करने का आदेश दिया है।

छात्रों ने मांग की थी कि जिन लोगों के साथ अन्याय हुआ है, उन सभी के लिए परीक्षा आयोजित की जाए। इसका मतलब है कि आयोग में गलती हुई है। सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए और जो गलती हुई है उसे सुधारना चाहिए। 70 हजार से ज्यादा छात्रों की जान खतरे में है। उन्होंने मांग की कि इन सभी के लिए दोबारा परीक्षा आयोजित की जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सरकार छात्रों के पक्ष में नहीं है। अगर ऐसा है तो सरकार को कोर्ट को आवेदन देकर बताना चाहिए था कि वह अन्याय को सुधारेगी। हालांकि, उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि सरकार ने ऐसा नहीं किया।

सिक्किम में भूस्खलन में फंसे 1400 से ज्यादा पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया

गंगटोक, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

सिक्किम के गंगटोक में मूसलाधार बारिश के बाद भूस्खलन और चट्टानों के गिरने से फंसे 1400 से ज्यादा पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

सिक्किम पुलिस की ओर से जारी बयान के मुताबिक बारिश के कारण गंगटोक से करीब 110 किलोमीटर दूर लाचेन और लाचुंग के ऊपरी इलाकों में हुए भूस्खलन और चट्टानों के गिरने के कारण ये पर्यटक वहां फंस गए थे। इनमें से अधिकतर पर्यटक पश्चिम बंगाल के हैं। प्रशासन ने इन्हें सलाह दी है कि वे तब तक अपने-अपने होटलों में रुकें जब तक कि संबंधित एजेंसियों द्वारा प्रभावित सड़कों को साफ नहीं कर दिया जाता।

बयान में कहा गया है कि हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन से चुंगथांग-लाचुंग और चुंगथांग-लाचेन मार्ग को काफी नुकसान पहुंचा है जिससे उत्तरी सिक्किम के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों से संपर्क टूट गया है। इस बीच कम ऊचांई वाले चुंगथांग में शरण लेने वाले पर्यटक भी गंगटोक लौट आए हैं।

बयान में कहा गया है किलाचेन में करीब 600 पर्यटक और करीब 100 वाहन मौजूद हैं जबकि लाचुंग में करीब 800 पर्यटक और 150 वाहन मौजूद हैं। स्थानीय पुलिस ने होटल मालिकों और पर्यटकों को निर्देश दिया है कि वे सड़कें साफ होने तक अपने ठहरने के स्थान पर ही रूके रहें।

इस बीच जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और सड़कों के मरम्मत कार्य में तेजी लाने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे है। क्षेत्र में भारी भूस्खलन और लगातार बारिश के बाद अधिकारियों ने उत्तरी सिक्किम के लिए 'यात्रा ना करने की सलाह' जारी की है।

मंगन जिला पुलिस अधीक्षक सोनम देचू भूटिया ने कहा कि लगातार हो रही बारिश के कारण उत्तरी सिक्किम के कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं जिससे सड़क संपर्क और आवाजाही पर गंभीर असर पड़ा है। इन घटनाक्रमों को देखते हुए उत्तरी सिक्किम की यात्रा के लिए परमिट अभी जारी नहीं किए जाएंगे और पहले जारी किए गए सभी परमिट आधिकारिक तौर पर रद्द कर दिए गए हैं। सभी टूर ऑपरेटरों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे किसी भी पर्यटक को उत्तरी सिक्किम न भेजें। लाचेन और लाचुंग के पर्यटकों को अलग-अलग गंतव्यों पर ही रुकने के लिए कहा गया है।

गांवों को विकसित और स्वावलंबी बनाने का आह्वान किया शिवराज ने

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वावलंबी और विकसित गांव बनाने के प्रयास का आह्वान करते हुए शुक्रवार को कहा कि लगभग 1500 कलस्टर में लाखों किसानों तक प्राकृतिक खेती को ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

श्री चौहान ने आज यहां स्वदेशी शोध संस्थान के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को लाइन संबोधित करते हुए कहा कि सिर्फ आर्थिक रूप से संपन्नता को समृद्धि नहीं माना जा सकता।

उन्होंने प्रचीन काल के कई उदाहरण देते हुए कहा,जब पश्चिम के लोग अपने शरीर को पत्तों और छालों से ढ़का करते थे तो हमारे यहां मलमल बन गया था। हमारे ऋषियों ने कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम् यानी सारी दुनिया एक परिवार है।

श्री चौहान ने कहा कि देश में खाद्यान्न का उत्पादन लगातार बढ़ता जा रहा हैं। जलवायु परिवर्तन के खतरों के बावजूद, बढ़ते हुये तापमान और अनिश्चित मौसम के बावजूद भी देश के खाद्यान्न बढ़ाया है।

कई देशों को अन्न का निर्यात किया है।दलहन और तिलहन का उत्पादन भी बढ़ाया जा रहा हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि लगभग 15 सौ कलस्टर में साढ़े सात लाख किसानों तक प्राकृतिक खेती को ले जाने का प्रयास है ताकि ये किसान अपने खेत के एक हिस्से में प्राकृतिक खेती को प्रारम्भ करें।सभी को धरती को भी कीटनाशकों से बचाना होगा।

कीटनाशकों के कारण कई पक्षियों का नामोनिशान ही मिट गया है और नदियां भी प्रदूषित हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गांवों को स्वावलंबी और विकसित बनाने

के प्रयास करने होंगे। सड़कों का नेटवर्क, गांव में बुनियादी सुविधाएं, पक्का मकान, शुद्ध पीने का पानी, पंचायत भवन, सामुदायिक भवन, स्थानीय बाजार और गांव के लिए जरुरी चीजें गांव में ही उत्पादित की जानी चाहिए।

राजा इक़बाल मेयर और जय भगवान डिप्टी मेयर चुने गए

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

भाजपा के राजा इक़बाल सिंह दिल्ली के मेयर और जय भगवान यादव डिप्टी मेयर चुने गए।

दिल्ली नगर निगम के मेयर और डिप्टी मेयर के आज हुए चुनाव में श्री राजा इक़बाल ने मेयर पद के कांग्रेस के उम्मीदवार श्री मनदीप सिंह को 125 वोटो से हराया। मेयर पद के निर्वाचन के लिए कुल 142 वोट डाले गए जिसमें से एक वोट अवैध घोषित किया गया। श्री राजा इक़बाल को 133 मत प्राप्त हुए वहीं श्री मनदीप सिंह ने आठ मत हासिल किये। इससे पहले श्री राजा इकबाल सिंह दिल्ली नगर निगम में विपक्ष के नेता रहे है और और मुखर्जी नगर, वार्ड संख्या-13 से पार्षद हैं। वहीं श्री मनदीप सिंह नांगलोई, वार्ड संख्या-47 से पार्षद है।

डीआरडीओ को बड़ी सफलता, स्क्रैमजेट इंजन का 1000 सेकेंड तक हुआ टेस्ट, हाइपरसोनिक मिसाइल में होगा इस्तेमाल

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तान से चल रहे तनाव के बीच रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) को बड़ी सफलता मिली है. इसमें स्क्रैमजेट इंजन की 1000 सेकेंड तक सफल टेस्टिंग हुई है. ये इंजन हाइपरसोनिक मिसाइल में इस्तेमाल होगा.

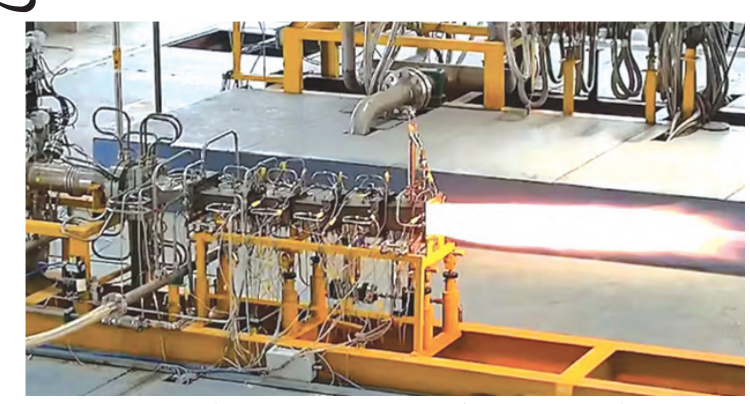

बता दें कि डीआरडीओ की हैदराबाद स्थित रक्षा अनुसंधान और विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) ने स्क्रामजेट इंजन का 1000 सेकेंड से अधिक समय तक सफल ग्राउंड टेस्ट किया है. लिहाजा डीआरडीएल ने हाइपरसोनिक हथियार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

जानकारी के मुताबिक डीआरडीएल ने 25 अप्रैल 2025 को हैदराबाद में नवनिर्मित अत्याधुनिक स्क्रैमजेट कनेक्ट टेस्ट फैसिलिटी (एससीपीटी) में इस लंबी अवधि वाली एक्टिव कूल्ड स्क्रैमजेट सबस्केल कॉम्बस्टर की ग्राउंड टेस्टिंग की। इसमें स्क्रैमजेट इंजन को 1000 सेकेंड से अधिक अवधि के लिए टेस्ट किया गया।

यह जमीनी परीक्षण जनवरी 2025 में 120 सेकंड के लिए किए गए पहले परीक्षण का ही एक हिस्सा है. डीआरडीओ ने कहा कि आज के सफल परीक्षण के साथ यह प्रणाली जल्द ही पूर्ण पैमाने पर उड़ान-योग्य कम्बस्टर परीक्षण के लिए तैयार हो जाएगी।

बता दें कि इस इंजन का इस्तेमाल हाइपरसोनिक मिसाइल में होगा. हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल (एचसीएम) एक ऐसा हथियार है, जो ध्वनि की गति से पांच गुना अधिक गति पर लगातार उड़ान भरने में सक्षम है. हाल ही में किए गए परीक्षण के बाद ये बात साबित होती है कि लंबी अवधि के स्क्रैमजेट कॉम्बस्टर के डिजाइन और इससे जुड़ी दूसरी चीजें ठीक हैं. डीआरडीओ के मुताबिक यह उपलब्धि डीआरडीओ प्रयोगशालाओं, उद्योग भागीदारों और शैक्षणिक संस्थानों के सहयोगात्मक प्रयास का परिणाम है और भारत के हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल विकास कार्यक्रम को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

मनोज सिन्हा ने 28 अप्रैल को जम्मू में विधानसभा सत्र बुलाया

जम्मू, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 18 (1) के तहत केन्द्रशासित प्रदेश विधानसभा का सत्र 28 अप्रैल को बुलाने को फैसला लिया है।

उपराज्यपाल के शुक्रवार को यहां जारी आदेश के अनुसार विधानसभा सोमवार (28 अप्रैल) को पूर्वाह्न 10:30 बजे जम्मू में बैठक करेगी।

श्री सिन्हा ने कहा, मैं, मनोज सिन्हा, जम्मू और कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश के लेफ्टिनेंट गवर्नर, जम्मू- कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 18(1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जम्मू-कश्मीर विधानसभा को 28 अप्रैल, 2025 को सोमवार को जम्मू में प्रातः 10:30 बजे बैठक के लिए आहूत करता हूं।

सचिव जम्मू-कश्मीर विधान सभा द्वारा जारी आदेश में कहा, इसके अनुसार, जम्मू-कश्मीर विधान सभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियमों के नियम तीन के अनुसार, सभी सदस्यों से अनुरोध है कि वे नियत तिथि, समय और स्थान पर विधान सभा के सत्र में उपस्थित हों।

गौरतलब है कि करीब एक महीने तक चलने वाला विधानसभा सत्र इससे पहले नौ अप्रैल, 2025 को समाप्त हो गया था।

पहलगाम कांड में शामिल स्थानीय आतंकियों के घर ध्वस्त किए गए

जम्मू, 25 अप्रैल (ब्यूरो)।

पहलगाम नरसंहार में शामिल लश्कर ए तैयबा के दो स्थानीय आतंकियों के घर शुक्रवार को ध्वस्त कर दिए गए। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के त्राल में आसिफ शेख और बिजबिहाड़ा इलाके में आदिल थोकर के घर वहां रखे आईईडी में विस्फोट कराके उड़ा दिए गए। बैसरन पहलगाम घटना में उनकी भूमिका सामने आने के बाद पुलवामा जिले के त्राल में आसिफ शेख और बिजभेरा अनंतनाग में आदिल थोकर के घरों को विस्फोट के जरिए जमीन पर गिरा दिया गया।

उधर, एलओसी पर भारतीय सेना पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी का माकूल जवाब दे रही है। भारत द्वारा पाकिस्तान से अपने संबंध तोड़ लिए जाने और सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिए जाने के दो दिन बाद ही पाक सेना ने एलओसी पर गोलीबारी शुरू कर दी। भारतीय सेना भी इसका करारा जवाब दे रहा है। कश्मीर में एलओसी के इलाकों में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गई है।

इस बीच जम्मू कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शुक्रवार को आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में सुरक्षा बल के दो जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद बांदीपोरा जिले के कुलनार बाजीपुरा में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि छिपे हुए आतंकवादियों द्वारा सुरक्षा बलों पर गोलीबारी करने के बाद तलाशी अभियान मुठभेड़ में बदल गया। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों की गोलीबारी में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए।

लश्कर-ए-तैयबा का कमांडर अल्ताफ लाली मारा गया

सुरक्षाबलों का दावा, पहलगाम नरसंहार में शामिल था

जम्मू, 25 अप्रैल (ब्यूरो)।

सुरक्षाबलों ने तीन दिनों की अथक मेहनत के बाद बांदीपोरा में मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के शीर्ष कमांडर अल्ताफ लाली को मार गिराया है। सुरक्षाबलों का दावा है कि लाली भी पहलगांव के नरसंहार का एक हिस्सा था।

शुक्रवार की सुबह, आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बांदीपोरा में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया। सुरक्षा बलों द्वारा पीछा किए जा रहे आतंकवादियों में से एक शुरुआती गोलीबारी के दौरान घायल हो गया था। उसी मुठभेड़ में, दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। उधमपुर जिले के जंगलों में सुरक्षा बल तलाशी अभियान चला रहे हैं, जहां आतंकवादियों के छिपे होने की आशंका है। इसके अलावा किश्तवाड़, कठुआ, राजौरी और पुंछ के इलाकों में भी सुरक्षा बलों की मौजूदगी है। एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि सेना, पुलिस और सीआरपीएफ के विशेष बलों द्वारा डुडू-बसंतगढ़ में तलाशी अभियान जारी है। भाग रहे आतंकवादियों को पकड़ने के लिए अभियान जारी है। किश्तवाड़ के छारू इलाके, राजौरी जिले के त्रियाठ इलाके, कठुआ जिले के लखनपुर और पुंछ जिले के लसाना के आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान जारी है।

जुमे की नमाज के बाद पाकिस्तान मुर्दाबाद-हिंदुस्तान जिंदाबाद के लगे नारे

हमें बॉर्डर पर भेजिए मोदी जी

मुंगेर, 25 अप्रैल (ब्यूरो)।

बेगूसराय में पाकिस्तान के खिलाफ लगातार प्रदर्शन हो रहा है। एक तरफ जहां हिंदूवादी संगठनों द्वारा लगातार प्रदर्शन और कैंडल मार्च निकाला जा रहा था। वहीं, अब इस कड़ी में मुसलमानों ने भी अपना रुख स्पष्ट कर दिया गया है। दरअसल, यह पूरा वाकया मंसूरचक प्रखंड से सामने आया है। जहां जुमे के नवाज के बाद मुसलमानों ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। साथ ही बॉर्डर पार आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने की मांग केंद्र सरकार से की। बता दें कि कश्मीर के पहलगाम में भारतीय पर्यटकों की हत्या के बाद देशभर में गुस्सा है। बेगूसराय के मंसूरचक प्रखंड में जुमे की नमाज के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का पुतला फूंका। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार से मांग की कि उन्हें बॉर्डर पर भेजा जाए। कहा, हम 100 प्रतिशत नहीं, 200 प्रतिशत रिजल्ट देंगे। लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से पाकिस्तान पर तुरंत कार्रवाई की मांग की है। कहा कि पहले पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद सुरक्षा बलों को निशाना बनाता था। अब पर्यटकों पर हमला कर रहा है। यह कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भारत सरकार को पाकिस्तान को उसकी औकात दिखानी चाहिए।

आतंकी हमले के विरोध में सड़क पर उतरे इंडिया गठबंधन के नेता

तेजस्वी यादव बोले- हमलोग सरकार के साथ

पटना, 25 अप्रैल (ब्यूरो)।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले के विरोध में शुक्रवार देर शाम पटना में इंडिया गठबंधन के नेताओं और कार्यकर्ताओं सड़क पर उतरे। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में विपक्ष के सभी नेताओं ने कैंडल मार्च निकाला। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम, वीआईपी अध्यक्ष मुकेश सहनी, शकील अहमद, अब्दुल बारी सिद्दीकी, राजेश राम सहित अन्य नेताओं ने प्रदर्शन किया।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि आतंकवादियों ने जिस प्रकार से हमारे भाइयों पर गोलियां चलाकर उनकी जिंदगी छीनी है, वह काफी दुखद है। अपने शहीद भाइयों को श्रद्धांजलि देने के लिए इंडिया गठबंधन एकजुट हुआ है।

हमलोगों ने इनकम टैक्स से डाक बंगला चौराहा तक कैंडिल मार्च निकाला। आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए सरकार जो भी कदम उठाएगी हमलोग उनके साथ है। इस वक्त पूरा देश एकजुट हैं। जो कार्रवाई भारत सरकार करेगी, हमलोग उसका समर्थन करेंगे।

तेजस्वी यादव ने कहा कि आतंकवादियों को सरकार मुंहतोड़ जवाब दे।

इस पर हमलोग कोई राजनीति नहीं करना चाहते हैं। देश की सुरक्षा को लेकर हमलोग चिंतित हैं। आगे इस मुद्दे पर हमलोगों टिप्पणी नहीं करना है। हमलोग सेना और केंद्र सरकार के साथ हैं।

तेजस्वी यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन के सभी साथियों को हमलोग धन्यवाद देते हैं कि आपलोग आतंकी हमले के खिलाफ इतनी बड़ी संख्या में एकजुट हुए।

माफिया से मिली मुक्ति तो फिर लौटा पुराना गौरव

- यूपीएससी में प्रयागराज की शक्ति ने टॉपर बनकर पेश की मिसाल
- इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में महक जायसवाल ने भी नाम किया रौशन

प्रयागराज, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रयागराज अब सिर्फ कुंभ, संगम या इलाहाबाद विश्वविद्यालय के नाम से नहीं जाना जा रहा, बल्कि 'माफिया मुक्त, शिक्षा युक्त' नए मॉडल के रूप में उभर रहा है। यह बदलाव एक दिन में नहीं आया, बल्कि यह सशक्त राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक पारदर्शिता और जन सहयोग का परिणाम है।

प्रयागराज, जो कभी देश के सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक और सांस्कृतिक केंद्रों में शुमार होता था, बीते कुछ दशकों में अपराध, माफियागीरी और असुरक्षा की चपेट में आ गया था। शहर का वह गौरवशाली अतीत, जिसमें यहां से निकलने वाले छात्र यूपीएससी, पीसीएस, जेईई और एनईईटी जैसी परीक्षाओं में टॉप करते थे, माफिया के बढ़ते दबदबे के चलते कहीं दब सा गया था। लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। माफिया के खिलाफ सीएम योगी के मार्गदर्शन में जो कदम उठाए गए उसके परिणाम आज सबके सामने हैं।

प्रयागराज जो कभी आईएएस की फैक्ट्री कहा जाता था लेकिन कुछ दशकों में उसकी यह पहचान धूमिल हो चुकी थी। हाल ही में यूपीएससी में टॉपर बनीं शक्ति दुबे ने प्रयागराज की प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच पर फिर से स्थापित किया। शक्ति दुबे कहती हैं कि शिक्षा के लिए वातावरण का भी योगदान रहता है।

पहले भी सिविल सर्विसेज के लिए अभ्यर्थी तैयारी करते थे लेकिन इसके लिए उपयुक्त वातावरण की जरूरत थी। अच्छे वातावरण में प्रतिभाएं आगे आ रही हैं। वहीं, इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में महक जायसवाल की सफलता ने यह सिद्ध किया कि सुरक्षित वातावरण में बेटियाँ भी सपने पूरे कर सकती हैं। प्रयागराज के बच्चा राम यादव इंटर कालेज की छात्रा महक जायसवाल ने 97.20 फीसदी अंक के साथ इंटर में पहला स्थान हासिल किया है।

महक के पिता शिव प्रसाद जायसवाल कौशाम्बी में एक छोटी सी चाय की दुकान चलाते हैं। महक का कहना है कि पहले लड़कियों को अपने गांव से दूर पढ़ने जाने में डर लगता था। मां बाप भी तैयार नहीं होते थे लेकिन सुरक्षित वातावरण होने की वजह से मेरे माता पिता ने मुझे मेरे गांव कनैती से गांव से दूर मेरे विद्यालय भेजा। सुरक्षित माहौल में पढ़ाई की और अब कामयाब भी हो गए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रयागराज में माफिया राज पर करारी चोट की गई। कुख्यात माफिया की अवैध संपत्तियों पर बुलडोज़र चला, अपराधियों को जेल भेजा गया और जनता को यह भरोसा दिलाया गया कि अब कानून का राज चलेगा, किसी बाहुबल का नहीं। इस बदले हुए माहौल ने प्रयागराज की शैक्षिक पहचान को फिर से जीवित कर दिया। शिक्षा के जानकार भी इस बात को स्वीकार करते हैं। यूपीएससी टॉपर शक्ति दुबे की दसवीं और बारहवीं की पढ़ाई प्रयागराज के एसएमसी घूरपुर से हुई। शक्ति के कॉलेज के प्रिंसिपल आशीष रंजन कहते हैं कामयाबी के लिए मानसिक तौर पर छात्राओं को तैयार करने के लिए उनके मन में बिना दबाव के निर्णय लेने की क्षमता भी जरूरी है। यह तभी आती है जब उन्हें और उनके परिजनों को सपने देखने में डर न लगे। बदले हालात ने सपने देखने की छूट दी है, कामयाबी आपके सामने है।

महक जायसवाल प्रयागराज के फूलपुर के भुलई का पूरा गांव के बच्चा राम यादव इंटर कॉलेज की छात्रा है।

कॉलेज की प्रिंसिपल मनोरमा यादव कहती हैं कि कम से कम संसाधनों में अनुशासन और बच्चे भय मुक्त समाज में खुद को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं तो उनकी प्रतिभा निखरकर सामने आती है। महक में कामयाबी की ललक थी । आर्थिक तंगी के बावजूद लगन और सुरक्षित वातावरण से उसने अपनी काबिलियत साबित कर दी।

उत्तर प्रदेश सरकार का नया चोंचला

अब बनेगा आउटसोर्स सेवा निगम

लखनऊ, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने आउटसोर्सिंग के नाम पर कर्मचारियों के शोषण की इंतिहा कर रखी है। उनकी सेवा में कोई सुधार नहीं कर रही और आउटसोर्सिंग कंपनियां मालामाल हो रही हैं। अब एक नया चोंचला शुरू हुआ है प्रदेश में आउटसोर्सिंग निगम की स्थापना का। कर्मचारियों के लिए तो कुछ हुआ नहीं, अब निगम के नाम पर बड़े अधिकारियों की नियुक्तियां होंगी और वे ऐश करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में कार्यरत आउटसोर्सिंग कार्मिकों की सेवा, श्रम अधिकारों एवं पारिश्रमिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के नाम पर उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के गठन का निर्देश दिया है। शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि राज्य सरकार आउटसोर्सिंग कार्मिकों के श्रम के सम्मान व जनहित में किए जा रहे कार्यों की सराहना करती है और उनकी सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में आउटसोर्सिंग एजेंसियों के माध्यम से कार्यरत कार्मिकों को वेतन में कटौती, समय से भुगतान न होना, ईपीएफ/ईएसआई जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ न मिल पाना, पारदर्शी चयन प्रक्रिया का अभाव, उत्पीड़न आदि शिकायतें प्राप्त होती हैं। ऐसे में व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किया जाना आवश्यक है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर बनने जा रहे इस निगम के माध्यम से तीन पक्षीय समझौते के तहत विभाग, निगम व आउटसोर्सिंग एजेंसी के बीच समन्वित रूप से सभी प्रक्रियाएं संचालित होंगी। पारदर्शी चयन प्रक्रिया, जेम पोर्टल से एजेंसियों का चयन, मेरिट आधारित भर्ती, आधुनिक तकनीकों का प्रयोग, ईपीएफ/ईएसआई की समयबद्ध जमा व निगरानी तथा आरक्षण नियमों का पालन सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि निगम एक सुगठित ढांचा के तहत कार्य करेगा, जिसमें बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स, सलाहकार समिति, राज्य व जिला स्तरीय कमेटियां गठित होंगी।

बिजली उपभोक्ताओं को योगी सरकार ने दी बड़ी राहत

विद्युत भार वृद्धि की प्रक्रिया अब पूरी तरह ऑनलाइन

लखनऊ, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विद्युत भार वृद्धि (लोड बढ़ाने) की प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया है। उपभोक्ताओं की सुविधा को सर्वोपरि रखने की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने शक्ति भवन में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान यह घोषणा की। उन्होंने निर्देशित किया है कि लोड बढ़ाने की प्रक्रिया में उपभोक्ता को कोई परेशानी न हो। तत्काल लोड बढ़ाया जाए।

अब लोड बढ़ाने के लिए उपभोक्ताओं को विभागीय काउंटर पर जाने की जरूरत नहीं होगी। वहां कोई आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। लोड बढ़ाने के लिये ऑनलाइन अप्लाई करना होगा। आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध लोड परिवर्तन अनुरोध लिंक के माध्यम से कोई भी उपभोक्ता आवेदन कर सकेगा। जन सुविधा केंद्रों से भी यह प्रक्रिया संभव है।

उपभोक्ता किसी भी सीमा और किसी भी श्रेणी में लोड बढ़ाने का आवेदन ऑनलाइन कर सकते हैं। इसके लिए जरूरी दस्तावेज जैसे बंध पत्र, बीएंडएल फॉर्म, विद्युत सुरक्षा निदेशालय द्वारा निर्गत अनापत्ति प्रमाण पत्र, अनुबंध पत्र ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। अब बहुमंजिला इमारतों एवं कालोनियों के इंफ्रास्ट्रक्चर हेतु बल्क लोड की स्वीकृति की प्रक्रिया भी ऑनलाइन कर दी गयी है।

यह आगामी 1 मई से प्रारम्भ हो जाएगी।बहुमंजिला इमारतों एवं कालोनियों के इंफ्रास्ट्रक्चर हेतु बल्क लोड की स्वीकृति हेतु पोर्टल का निर्माण किया गया है, जिसे शीघ्र ऑनलाइन किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, प्रोसेसिंग शुल्क भुगतान, समस्त प्रपत्र अपलोड, प्राक्कलन धनराशि का भुगतान एवं भार स्वीकृति सहित सभी प्रक्रिया ऑनलाइन ही स्वीकार की जाएगी। फुल डिपॉजिट एवं सुपरविजन दोनों के प्रावधान उपलब्ध रहेंगे। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन अध्यक्ष डॉ आशीष गोयल का कहना है कि लोड बढ़ाने की प्रक्रिया को ऑनलाइन करने से उपभोक्ताओं को आवश्यकता अनुसार बिना कार्यालय के चक्कर लगाए अपना लोड बढ़ाने की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। इसके माध्यम से समयबद्ध, पारदर्शी और सरल सेवा सुनिश्चित की जा सकेगी।

43 दिन में घोषित हुए यूपी बोर्ड के परिणाम

हाईस्कूल का परिणाम 90.11% और इंटर का 81.15% रहा

हाईस्कूल में यश प्रताप और इंटर में महक जायसवाल टॉप

लखनऊ/प्रयागराज, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने शुक्रवार को वर्ष 2025 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम घोषित कर दिया। योगी सरकार की सक्रियता और पारदर्शी व्यवस्था के चलते इस बार सिर्फ 43 दिनों में परीक्षा परिणाम घोषित कर नया कीर्तिमान स्थापित किया गया। हाईस्कूल के समस्त परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 90.11 रहा, जबकि इंटरमीडिएट का उत्तीर्ण प्रतिशत 81.15 रहा। इंटरमीडिएट में महक जायसवाल, बच्चा राम यादव इंटर कॉलेज, भुलाई का पूरा (प्रयागराज) ने 97.20% अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वहीं, हाई स्कूल में यश प्रताप सिंह, स्व. श्रीमती रसकेंद्री देवी इंटर कॉलेज, उमरी (जालौन) ने 97.83% अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। हर बार की तरह इस बार भी लड़कियों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। हाई स्कूल में बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत बालकों के उत्तीर्ण प्रतिशत से 7.21 अधिक है। वहीं, इंटरमीडिएट में बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत बालकों के उत्तीर्ण प्रतिशत से 9.77 अधिक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को बधाई दी हैं और उनको बेहतर भविष्य के लिए शुभकामना दी है।

शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) महेंद्र देव एवं सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद भगवती सिंह ने रिजल्ट की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 24 फरवरी 2025 से 12 मार्च 2025 के मध्यम सम्पन्न हुईं। मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर यूपी बोर्ड द्वारा कुल 8140 परीक्षा केंद्रों पर 13 कार्यदिवसों में परीक्षाएं नकलविहीन और शुचितापूर्ण के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न कराई गईं। उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 19 मार्च से 2 अप्रैल के मध्य निर्धारित कुल 261 मूल्यांकन केंद्रों पर सम्पन्न हुआ। हाईस्कूल के मूल्यांकन में 92,594 परीक्षकों की भागीदारी रही, जबकि इंटर के मूल्यांकन में 56,066 परीक्षकों की भूमिका रही। इंटर की प्रयोगात्मक परीक्षाएं दो चरणों में 1 से 21 फरवरी के मध्य सम्पन्न हुईं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी बोर्ड ने तकनीकी और प्रशासनिक सुधारों के माध्यम से परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी और विश्वसनीय बनाया है।

विभिन्न जेलों में निरुद्ध बंदी परीक्षार्थी भी हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं में उत्तीर्ण हुए। हाईस्कूल में कुल मिलाकर ऐसे 94 परीक्षार्थियों ने बोर्ड एग्जाम दिए, जिनमें से 91 उत्तीर्ण हुए। उत्तीर्ण प्रतिशत 96.81 प्रतिशत रहा। इसी तरह, इंटरमीडिएट में कुल 105 बंदी परीक्षार्थी एग्जाम में बैठे, जिनमें 91 उत्तीर्ण हुए। उत्तीर्ण छात्रों का कुल प्रतिशत 86.67 प्रतिशत रहा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सख्त निर्देश

कड़ी समीक्षा के बाद ही मिलेगी मदरसों को मान्यता

मदरसा शिक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की जरूरत: योगी

लखनऊ, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मदरसा शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधारों की आवश्यकता जताई है। शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश की मदरसा शिक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि मदरसा, महज मजहबी शिक्षा के केंद्र बनकर न रह जाएं। वहां अध्ययनरत विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा के सभी आयामों का लाभ मिलना चाहिए। मदरसा शिक्षा को पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और रोजगारपरक बनाया जाना चाहिए। हर एक विद्यार्थी का भविष्य उज्ज्वल हो, यह सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल सुधार नहीं, बल्कि नवाचार और समावेशिता के माध्यम से मदरसा शिक्षा को मुख्यधारा में लाना है, जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर और समुचित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मदरसा बोर्ड की कामिल (स्नातक) व फाजिल (परास्नातक) स्तर की डिग्रियों को असंवैधानिक घोषित कर दिये जाने से चुनौतियां उत्पन्न हुई हैं। इसी प्रकार, मान्यता के मानक एवं शर्तों को शिक्षा विभाग के स्कूलों के समरूप बनाने हेतु तथा नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप मदरसों के पाठ्यक्रम में बदलाव और पाठ्यक्रम के अनुरूप शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मियों की अर्हता में परिवर्तन आवश्यक है। यही नहीं, शिक्षकों की चयन प्रक्रिया को भी निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने की जरूरत है। यही नहीं, वर्तमान व्यवस्था में मदरसों में शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया भी पुनरीक्षण की आवश्यकता है। ऐसे में निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण, उ.प्र. की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया जाए, जिसमें बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, वित्त, न्याय एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभागों के विशेष सचिव सदस्य हों। यह समिति मदरसों के सुचारू संचालन और शिक्षकों की सेवा-सुरक्षा तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक बदलावों पर अपनी संस्तुति देगी।

इससे पहले बैठक में अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ विभाग द्वारा एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मदरसों की वर्तमान स्थिति, प्रमुख चुनौतियाँ तथा भावी कार्ययोजना पर विस्तृत जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि प्रदेश में वर्तमान समय में कुल 13,329 मान्यता प्राप्त मदरसे संचालित हैं, जिनमें 12,35,400 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। इन मदरसों में 9,979 प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 8) तथा 3,350 माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर (कक्षा 9 से 12) के हैं। इनमें से 561 मदरसे राज्य सरकार से अनुदानित हैं, जिनमें कुल 2,31,806 छात्र पंजीकृत हैं। अनुदानित मदरसों में कार्यरत शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की कुल संख्या क्रमशः 9889 और 8367 है। इन कर्मियों को सातवें वेतन आयोग की संस्तुतियों के अनुसार 1 जनवरी 2016 से वेतन और भत्ते प्राप्त हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि मदरसा पोर्टल की शुरुआत अगस्त 2017 में की गई थी, जिससे मदरसा शिक्षा परिषद की समस्त कार्यप्रणाली ऑनलाइन हो गई है। इस पोर्टल पर कुल 19,123 मदरसों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 13,329 सत्यापित होकर लॉक हो चुके हैं। पोर्टल के माध्यम से परीक्षाएं, प्रमाणपत्र, वेरिफिकेशन, यू-डाइस कोड से एकीकरण आदि की व्यवस्था लागू की गई है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हुई है। हालांकि, बोर्ड परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले छात्रों की संख्या में पिछले वर्षों में लगातार गिरावट आई है। वर्ष 2016 में यह संख्या 4,22,627 थी, जो वर्ष 2025 में घटकर मात्र 88,082 रह गई है। मुख्यमंत्री ने इसे विचारणीय बताते हुए सुधार की आवश्यकता बताई। अधिकारियों ने यह भी बताया कि मदरसा शिक्षा परिषद अब केवल मौलवी/मुंशी (सेकेंडरी) और आलिम (सीनियर सेकेंडरी) स्तर की परीक्षाएं आयोजित कर रही है। शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने हेतु वर्तमान में डउएठढ का पाठ्यक्रम लागू किया गया है। वर्ष 2025-26 से यह व्यवस्था पूरी तरह क्रियान्वित हो चुकी है। वहीं कक्षा 9 से 12 तक भी माध्यमिक शिक्षा परिषद के अनुरूप पाठ्यक्रम लागू किए जाने की कार्यवाही प्रगति पर है। पाठ्यक्रम में धार्मिक विषयों जैसे धर्मशास्त्र, अरबी और फारसी के साथ-साथ गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, हिंदी और अंग्रेज़ी जैसे आधुनिक विषयों को भी समाहित किया गया है।

अटल पेंशन योजना में यूपी नंबर वन

1.20 करोड़ लोग करा चुके हैं नामांकन

लखनऊ, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं को धरातल पर उतारने में यूपी आज अन्य राज्यों के लिए एक प्रेरणा बनकर उभरा है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश ने अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के तहत एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। योजना के तहत राज्य ने अबतक 1 करोड़ 20 लाख लोगों को नामांकित कर लिया है, जो देश में सर्वाधिक है। यह आंकड़ा केंद्र सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को धरातल पर उतारने में योगी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को मिशन मोड में लागू करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अटल पेंशन योजना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया है। उनके नेतृत्व में न केवल ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में योजना का प्रचार-प्रसार किया गया, बल्कि बैंकों और अन्य स्टेक होल्डर्स को भी इस अभियान से जोड़ा गया। नतीजतन, यूपी ने योजना के तहत बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले बैंकों और अन्य स्टेक होल्डर्स को पुरस्कृत किया। इतना ही नहीं, पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) द्वारा आयोजित एक विशेष अभियान में भी उत्तर प्रदेश ने बीते वित्तीय वर्ष में 15.83 लाख नामांकन लक्ष्य के सापेक्ष 21.49 लाख नामांकन के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया है। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय बैंकर्स कमेटी (एसएलबीसी) को अवार्ड ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप से सम्मानित किया गया है।

बता दें कि भारत के 8 लीड बैंक सहित कुल 60 स्टेक होल्डर्स के जरिए अटल पेंशन योजना स्कीम को संचालित किया जा रहा है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा और इंडियन बैंक द्वारा क्रमशः सर्वाधिक एपीवाई नामांकन हुआ है। वहीं प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, फतेहपुर और कानपुर नगर भी क्रमशः सर्वाधिक एपीवाई नामांकन कराने वाले जिले हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से न केवल अटल पेंशन योजना जैसी योजनाओं को गति मिली है, बल्कि प्रदेश की जनता को भविष्य में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में भी एक ठोस कदम उठाया गया है। सीएम योगी की यह पहल उन लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है, जो असंगठित क्षेत्रों में कार्यरत हैं और जिनके पास रिटायरमेंट के बाद आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं होता।

अटल पेंशन योजना भारत सरकार की एक सामाजिक सुरक्षा योजना है, जो 2015 में शुरू की गई थी, ताकि असंगठित क्षेत्र के लोगों को रिटायरमेंट के बाद 1,000 से 5,000 रुपए मासिक पेंशन प्रदान की जा सके। इसमें मासिक, त्रैमासिक या अर्धवार्षिक आधार पर छोटी राशि जमा करनी होती है, जो बैंक खाते से स्वचालित रूप से डेबिट होती है। कम उम्र में शुरू करने पर योगदान कम होता है। यदि खाताधारक की मृत्यु हो जाए तो पेंशन जीवनसाथी को मिलती है और दोनों की मृत्यु के बाद जमा राशि नामांकित व्यक्ति को दी जाती है। इसके लिए आवेदन बैंक, डाकघर या ऑनलाइन किया जा सकता है।

संपादकीय

आगजनी और हिमाचल

प्रतिवर्ष गर्मियों के मौसम में हिमाचल में आगजनी की घटनाएं बढ़ जाती हैं। आग से उठने वाले जहरीले धुएं से पर्यावरण संतुलन गड़बड़ा जाता है। इससे मौसम के घटनाक्रम पर भी विपरीत असर पड़ता है। जंगलों में आग लगने से करोड़ों रुपयों की वन-संपदा, सरकारी एवं निजी संपत्ति का नुकसान होता है। कई लोग जिंदा अपने ही आशियाने में झुलस कर भगवान को प्यारे हो जाते हैं तथा हजारों वन्य प्राणी तड़प-तड़प कर स्वाहा हो जाते हैं। असंख्य जंगली जानवरों के बच्चे एवं पक्षियों के अंडे धू-धू कर जलते हैं। कई बार जंगल की आग बस्तियों तक भी पहुंच जाती है। इससे निजी संपत्ति का नुकसान भी करोड़ों में होता है। गर्मियों के दिनों में कडक़ड़ाती धूप के चलते तापमान बढ़ जाता है, जमीन पर नमी न रहने के कारण अनेक वनस्पतियां सूख जाती हैं। कई पेड़ों के पत्ते झड़ जाते हैं तथा जमीन में उगी घास सूख जाती है। चारों ओर खेतों व घासनियों में नाममात्र की हरियाली रह जाती है। एक बार कहीं आग लग गई तो उस पर काबू पाना बहुत मुश्किल होता है। वैशाख महीने में जब रवि की फसल कटने के बाद किसान अगली फसल की बुआई की तैयारी करते हैं, अपने खेतों और घासनियों में उगी झाड़ियों की काट-छांट करते हैं, फिर उनमें आग लगाई जाती है। खेतों से कटी झाड़ियों व घास-फूस को तो वहीं जलाया जाता है। इससे आग के फैलने का कम ही खतरा रहता है, लेकिन घासनियों में लगी आग पर काबू पाना मुश्किल हो जाता है। कई बार यही आग जंगल तक फैल जाती है। लोक में एक कहावत है कि 'कोई अफवाह जंगल की आग की तरह फैल गई।' अर्थात जंगल की आग बहुत तेजी से फैलती है। उसके बाद उस पर काबू पाना मुश्किल हो जाता है। विशेषकर चीड़ के जंगल में धधकती आग तब तक नहीं बुझती जब तक सारा जंगल राख में बदल नहीं जाता है। चीड़ की सूखी पत्तियां तो आग में घी का काम करती हैं। इससे उठने वाली लपटों से छोटे पौधे तो सदा के लिए मुरझा जाते हैं, लेकिन बड़े पेड़ झुलसने के कई सालों के बाद ही अपने असली रूप में आ पाते हैं। जबकि बहुत से पेड़ सूख जाते हैं। विभिन्न प्रजातियों के जानवरों व पक्षियों के प्रजनन का समय गर्मियों के दिनों में होता है। प्रजनन से पहले मादा जंगली जानवर घनी झाड़ियों में सुरक्षित स्थान तलाश कर वहीं अपना आशियाना बनाती है तथा वहीं बच्चे देती है। इस तरह मादा पक्षी भी पेड़ों की टहनियों पर अपने घौंसले बनाते हैं तथा वहीं अंडे देकर उन्हें सेहती हैं। अंडे देने के बाद मादा पक्षी करीब दो सप्ताह से अधिक समय तक अपने अंडों पर बैठी रहती हैं। जंगल में आग लगने के बाद बहुत कम जानवर व पक्षी बच पाते हैं। जंगलों की आग से वायुमंडल प्रदूषित हो जाता है तथा धरती का तापमान बढ़ जाता है। तेज गर्मी पडऩे से लू का खतरा बढ़ जाता है। इससे अनेक बीमारियां फैलने का अंदेशा हो जाता है। मौसम का घटनाक्रम प्रभावित होने से समय पर बारिश नहीं होती। सूखा पडऩे से फसलें बर्बाद हो जाती हैं। सरकार का वन विभाग, अग्निशमन विभाग एवं अनेक स्वयंसेवी संस्थाएं जंगलों को आग से बचाने के लिए विभिन्न उपाय करते हैं, लेकिन फिर भी कमियां रह जाती हैं, जिन्हें दुरुस्त करना होगा।

> आग से उठने वाले जहरीले धुएं से पर्यावरण संतुलन गड़बड़ा जाता है। इससे मौसम के घटनाक्रम पर भी विपरीत असर पड़ता है। जंगलों में आग लगने से करोड़ों रुपयों की वन-संपदा, सरकारी एवं निजी संपत्ति का नुकसान होता है। कई लोग जिंदा अपने ही आशियाने में झुलस कर भगवान को प्यारे हो जाते हैं तथा हजारों वन्य प्राणी तड़प-तड़प कर स्वाहा हो जाते हैं। असंख्य जंगली जानवरों के बच्चे एवं पक्षियों के अंडे धू-धू कर जलते हैं। कई बार जंगल की आग बस्तियों तक भी पहुंच जाती है। इससे निजी संपत्ति का नुकसान भी करोड़ों में होता है। गर्मियों के दिनों में कडक़ड़ाती धूप के चलते तापमान बढ़ जाता है, जमीन पर नमी न रहने के कारण अनेक वनस्पतियां सूख जाती हैं। कई पेड़ों के पत्ते झड़ जाते हैं तथा जमीन में उगी घास सूख जाती है। चारों ओर खेतों व घासनियों में नाममात्र की हरियाली रह जाती है। एक बार कहीं आग लग गई तो उस पर काबू पाना बहुत मुश्किल होता है। वैशाख महीने में जब रवि की फसल कटने के बाद किसान अगली फसल की बुआई की तैयारी करते हैं, अपने खेतों और घासनियों में उगी झाड़ियों की काट-छांट करते हैं, फिर उनमें आग लगाई जाती है।

सुप्रीम कोर्ट ने दीवानी मामले में आपराधिक कानून लगाने पर उत्तरप्रदेश (यूपी) पुलिस को फटकार लगाई

अदालतों से फटकार खाकर भी नहीं सुधर रही देश की पुलिस

योगेन्द्र योगी

> पुलिस का आचरण और व्यवहार आजादी के बाद भी सामंती बना हुआ है। अपराध रोकने की जिम्मेदारी निभाने वाली पुलिस के अपराधियों की तरह आचरण करने से वर्दी दागदार हो रही है। पुलिस राज्यों के अधिकार क्षेत्रों में होने के कारण सत्तारुढ़ दलों के इशारों के बगैर काम नहीं करती है। ऐसे ही हालात पुलिस पर पक्षपात करने के जिम्मेदार हैं। अधिनस्थ से लेकर देश की शीर्ष अदालत कई बार पुलिस की कारगुजारियों को उजागर किया है। इसके बावजूद पुलिस के रवैये में कोई खास बदलाव नहीं आया है।

नेताओं की हाथों की कठपुतली बनी पुलिस प्रणाली देश के आम लोगों का विश्वास जीतने में पूरी तरह नाकाम रही है। पुलिस का आचरण और व्यवहार आजादी के बाद भी सामंती बना हुआ है। अपराध रोकने की जिम्मेदारी निभाने वाली पुलिस के अपराधियों की तरह आचरण करने से वर्दी दागदार हो रही है। पुलिस राज्यों के अधिकार क्षेत्रों में होने के कारण सत्तारुढ़ दलों के इशारों के बगैर काम नहीं करती है। ऐसे ही हालात पुलिस पर पक्षपात करने के जिम्मेदार हैं। अधिनस्थ से लेकर देश की शीर्ष अदालत कई बार पुलिस की कारगुजारियों को उजागर किया है। इसके बावजूद पुलिस के रवैये में कोई खास बदलाव नहीं आया है। सुप्रीम कोर्ट ने दीवानी मामले में आपराधिक कानून लगाने पर उत्तरप्रदेश (यूपी) पुलिस को फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि यूपी पुलिस की ओर से दीवानी मामलों में दर्ज की गईं प्राथमिकियों पर गौर करने से पता चलता है कि राज्य में कानून का शासन पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। पुलिस के कुकृत्यों सिर्फ मनमर्जी तक सीमित नहीं है, बल्कि पुलिस अपराधियों को पकडऩे के बजाए कई मामलों खुद अपराधी बन बैठी है। पंजाब के चर्चित मोगा सेक्स स्कैंडल में मोहाली स्थित कोर्ट ने 4 पुलिस अधिकारियों को सजा सुनाई है। मोगा सेक्स स्कैंडल साल 2007 में सुर्खियों में आया। उस समय पंजाब में अकाली-भाजपा गठबंधन की सरकार थी। इस स्कैंडल में कई हाई प्रोफाइल राजनेता और सीनियर पुलिस अधिकारी शामिल थे। ये सब मिलकर अमीर लोगों को देह व्यापार में फंसाते थे। पुलिस की कारगुजारियों का पर्दाफाश सुप्रीम कोर्ट ने एक मृत्युदंड के मामले में भी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने हत्या के आरोप में निचली अदालत से मौत की सजा प्राप्त एक युवक को बरी करते हुए पुलिस प्रक्रिया पर तीखी टिप्पणियां की। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सभी फोरेंसिक और गवाहों की रिपोर्टों की बारीकी से समीक्षा की और पाया कि आरोपी के खिलाफ कोई विश्वसनीय सबूत नहीं था। इस तरह एक निर्दोष व्यक्ति ने 10 साल फांसी की सजा के साए में जेल में बिताए, जबकि पुलिस और न्यायिक व्यवस्था की नाकामी साफ नजर आई। सुप्रीम कोर्ट पुलिस और सत्तारुढ़ दलों के नापाक गठजोड़ को कई बार उजागर कर चुका है। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश रहे एनवी रमना ने एक मामले में कहा था कि देखा जा रहा है कि पुलिस के अधिकारी सत्ता में मौजूद राजनीतिक पार्टी का फेवर करते हैं और सत्ता पक्ष के विरोधियों के खिलाफ कार्यवाही

करते हैं। बात यहीं खत्म नहीं होती जब विरोधी पक्ष के लोग सत्ता में आते हैं तो उन्हीं पुलिस अफसरों पर कार्यवाही करते हैं। देश में इस तरह का जो ट्रेंड दिख रहा है वह काफी परेशान करने वाला है। मुख्य न्यायाधीश रमना ने कहा था कि इसके लिए पुलिस विभाग को ही जिम्मेदार ठहराना चाहिए। पुलिस को चाहिए कि वह कानून के शासन पर टिके रहें। वह सत्ता और विपक्ष किसी के साथ न होकर स्वतंत्र रूप से काम करें। सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणी छत्तीसगढ़ के निलंबित अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक गुरजिंदर पाल सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए की थी। पाल के खिलाफ पुलिस ने सत्तारुढ दल के इशारे पर आय से अधिक सम्पत्ति और राजद्रोह का मामला दर्ज किया था। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ का हिस्सा रहे न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला ने कोलकाता चिकित्सक के बलात्कार-हत्याकांड की सुनवाई के दौरान कहा था कि कोलकाता पुलिस ने इस मामले को जिस तरह से संभाला, वह कुछ ऐसा है जो उन्होंने अपने जीवन के 30 वर्षों में नहीं देखा। शीर्ष अदालत ने अप्राकृतिक मौत के मामले के पंजीकरण में देरी की आलोचना की। पुलिस की मौजूदा कार्यप्रणाली को लेकर देश में कई सुधार करने के प्रयास हुए हैं, किन्तु सत्तारुढ़ दलों के नेताओं ने ऐसे प्रयासों को नाकाम करने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी। स्वतंत्रता के बाद से ही, इस व्यवस्था में सुधार की मांग उठती रही है, क्योंकि यह भ्रष्टाचार, अकुशलता और जनता में अविश्वास का कारण बनी हुई है। पुलिस सुधारों के लिए कई आयोगों और समितियों का गठन किया गया। राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1977-1981) और वर्ष 1971 में बनी गोर समिति की रिपोर्ट की सिफारिशें धूल खा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी वर्ष २००६ में प्रकाश सिंह मामले में पुलिस सुधारों पर कई निर्देश दिए। जिनमें यह भी शामिल था कि राज्य पुलिस प्रमुखों का दो वर्ष का निश्चित कार्यकाल होगा। निर्देशों में राज्य सुरक्षा आयोगों की स्थापना, वरिष्ठ अधिकारियों के लिये निश्चित कार्यकाल और कानून एवं व्यवस्था से जाँच को अलग करना शामिल था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की भी राज्यों ने पालना नहीं की। इसे देश के सभी राज्यों ने या तो लागू नहीं किया या फिर निर्देशों को आधे-अधूरे तरीके से लागू किया गया ताकि पुलिस में सत्तारुढ़ दलों का हस्तक्षेप पूरी तरह से बना रह सके। इन सिफारिशों को लागू नहीं करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। दिल्ली की वर्ष 2019 की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 72 प्रतिशत पुलिस अधिकारियों ने मामलों की जाँच करते समय राजनीतिक दबाव का अनुभव किया है। पुलिस प्रायः अत्यधिक बल का प्रयोग करती है, विशेषकर विरोध प्रदर्शनों और नागरिक अशांति से निपटने में। अप्रैल, 2017 से मार्च, 2022 तक पिछले पाँच वर्षों में देश भर में पुलिस हिरासत में मौत के कुल 669 मामले दर्ज किये गए। इसके अलावा, भारत में अपराध विज्ञान के क्षेत्र में इतने सारे अवसर होने के बावजूद, प्रति 0.1 मिलियन जनसंख्या पर केवल 0.33 फोरेंसिक वैज्ञानिक हैं, जबकि विदेशों में प्रति 0.1 मिलियन जनसंख्या पर 20 से 50 वैज्ञानिक हैं। पुलिस अधिकारियों का अपर्याप्त प्रशिक्षण इस मुद्दे को और भी गंभीर बना देता है। एक रिपोर्ट में पाया गया कि देश में 11 राज्य पुलिस कर्मियों के लिये केवल एक कंप्यूटर/लैपटॉप था, जबकि कुछ बड़े राज्यों में वर्ष 2022 में 30 या उससे अधिक कर्मियों के लिये केवल एक प्रणाली थी। केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं की संख्या बढ़ाने के लगातार प्रयासों के बावजूद देश में पुलिस बलों में केवल 11.75 प्रतिशत महिलाएँ हैं। प्रतिनिधित्व की यह कमी महिलाओं को अपराधों की रिपोर्ट करने से हतोत्साहित करती है और लिंग आधारित हिंसा के मामलों को ठीक से नहीं निपटा पाती। पुलिस अधिकारी कानून प्रवर्तन से लेकर चुनाव ड्यूटी तक अनेक भूमिकाएँ निभाते हैं, लेकिन उन्हें पर्याप्त आराम या उचित पारिश्रमिक नहीं मिलता। कम वेतन से व्यावसायिकता हतोत्साहित होती है और भ्रष्टाचार की संभावना बढ़ती है, जिससे जनता का विश्वास प्रभावित होता है। पुलिस कार्यों में राजनीतिक हस्तक्षेप ने व्यावसायिकता और स्वतंत्रता को समाप्त कर दिया है। बार-बार स्थानांतरण, राजनीतिक विरोधियों के विरुद्ध कार्रवाई करने का दबाव और जाँच एजेंसियों के दुरुपयोग ने कानून प्रवर्तन की विश्वसनीयता को कमज़ोर कर दिया है।

दृष्टि कोण

ईमानदार लोगों को सौंपें पंचायतों की डोर

भारत में स्थानीय एवं ग्राम स्तर पर पंचायत प्रणाली का बड़ा पुराना इतिहास रहा है। पंचायत में पंच शब्द का अर्थ है पांच और आयत का अर्थ है सभा। इसलिए पंचायत शब्द का अर्थ है पांच लोगों की सभा या पांच लोगों का संगठन। भारत में पंचायती राज मंत्रालय द्वारा 24 अप्रैल 2010 को पहला राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया गया था। यह विशेष दिन पंचायती राज व्यवस्था की शुरुआत का प्रतीक है, जिसे 73वें संविधान संशोधन अधिनियम 1992 के माध्यम से संवैधानिक दर्जा दिया गया था। 73वें संशोधन के द्वारा संविधान में 11वीं अनुसूची जोड़ी गई। इसमें पंचायत के 29 विषयों को शामिल किया गया था। पंचायती राज व्यवस्था भारत की त्रिस्तरीय स्थानीय स्वशासन संरचना है जो गांवों, ब्लॉकों और जिलों को अपने विकास का प्रबंधन करने की शक्ति देती है। हिमाचल प्रदेश में कुल पंचायतों की संख्या 3572 है। आज पंचायती राज प्रणाली के कार्यक्षेत्र का विस्तार हो चुका है और इनके दायरे में समावेशी विकास, स्थानीय समस्याओं के समाधान, जलवायु परिवर्तन और गांवों से शहरों की ओर पलायन जैसे मुद्दों को जोड़ा गया है। अब पंचायतें देश भर में ग्रामीण विकास, डिजिटल पहल और सतत विकास लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ रही हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाने का उद्देश्य ग्रामीण विकास, जन भागीदारी और जमीनी स्तर पर निर्णय लेने में सुधार लाने में मजबूत स्थानीय निकायों के महत्व को सम्मानित करना भी होता है। राष्ट्रीय स्तर पर पंचायतों के उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता प्रदान करने के लिए प्रति वर्ष राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार भी दिए जाते हैं। यह पुरस्कार गांवों को बेहतर नियोजन, सामुदायिक कल्याण और संसाधनों के कुशल उपयोग पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करते हैं। हिमाचल प्रदेश में पंचायती राज व्यवस्था 1952 के हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम के द्वारा स्थापित की गई थी, जिसके तहत 1954 में 466 ग्राम पंचायतों की स्थापना हुई थी। इस अधिनियम के लागू होने से पहले, राज्य में केवल 280 ग्राम पंचायतें थीं। 1966 में पंजाब के पहाड़ी क्षेत्रों को हिमाचल प्रदेश में मिला दिया गया, जिससे ग्राम पंचायतों की संख्या बढक़र 1695 हो गई। भारत की 65 से 70 फीसदी आबादी गांवों में निवास करती है। जनसंख्या के अंतिम नागरिक तक पहुंच रखने वाली इस प्रणाली के सशक्तिकरण को लेकर अभी भी काफी सुधारों की गुंजाईश है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में तुच्छ राजनीति ने अब अपनी गहरी जड़ें जमा ली हैं और पंचायती राज प्रणाली भी इससे अछूती नहीं है। चूंकि बीते वर्षों में राज्य एवं केंद्र सरकारों द्वारा गांवों के विकास के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करवाई जा रही है, लिहाजा ऐसा भी देखने में आ रहा है कि कई लोगों के लिए पंचायती राज संस्थाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव लडऩा कमाई करने का औजार बन चुका है। इसलिए आम वोटर को ऐसे मौकापरस्त और स्वार्थी प्रवृत्ति वाले उम्मीदवारों के पक्ष में खड़ा होने से बचने की जरूरत है। लगभग 75 लाख की आबादी वाले हिमाचल प्रदेश के गांवों एवं कस्बों का निरंतर विस्तार हो रहा है। इसी के साथ पक्के संपर्क मार्गों, पक्की चौड़ी गलियों, सीवरेज व्यवस्था, स्ट्रीट लाइटों, पेयजल एवं विद्युत की निर्बाध आपूर्ति, निकटतम स्थानों पर स्वास्थ्य सुविधाएं और भ्रष्टाचार रहित स्वच्छ पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन ग्रामीण आबादी को बिना मांगे मिलें, इसके लिए भी व्यापक सुधारों की जरूरत है। अफसरशाही को जमीन पर जाकर सरकार द्वारा उपलब्ध करवाई गई धनराशि के समुचित उपयोग और विकास कार्यों की जमीनी पड़ताल करने की भी आवश्यकता है। हिमाचल प्रदेश सरकार 'व्यवस्था परिवर्तन' के नारे के साथ आगे बढ़ रही है। पंचायती राज के अंतर्गत विकासात्मक गतिविधियों के लिए केंद्र सरकार से भी पर्याप्त धन इन संस्थाओं को मिल रहा है। पर्वतीय परिस्थितियों वाले इस राज्य के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के नागरिकों की कुछ रोजमर्रा की समस्याओं को युद्ध स्तर पर हल किए जाने की आवश्यकता है। आज कुछ लोगों द्वारा अपनी स्वार्थपूर्ति के चलते संपर्क मार्गों और गलियों में किया गया कब्जा और अतिक्रमण अक्सर राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बन चुका है।

कुछ अलग

ठेके पर जिंदगी

लगता है, आज जिंदगी ठेके पर चली गई है। लेखन से कलाकृतियों तक का सृजन ठेके पर होता है। जिंदगी से प्यार खत्म करवाने का ठेका पहले कुछ लोगों ने ले रखा था। इस पर न जाने कितनी दर्दनाक फिल्में लिखी गईं, न जाने कितनी प्रेम कहानियां बनीं, जिनके प्रेम त्रिकोण में तीसरा कोना खलनायक का होता था। ठेके पर काम करते ये लोग प्रेमी से लेकर रस्मो रिवाज और परंपराओं की दुहाई देकर शादी तुड़वाने वाले बड़े-बूढ़ों और समाज के मीर मुंशियों का काम कर जाते। रिश्ता टूट जाता। यूं खलनायकों का ठेका व्यवसाय इतना सफल हो गया कि लोगों ने उसकी भयावहता से डर कर अपने बच्चों के नाम इन खलनायकों के नाम पर रखने बंद कर दिए। तब एक तरफ मशहूर खलनायक थे प्राण साहिब। लोगों ने तो एक-दो पीढ़ी तक किसी नवजात बच्चे का नाम प्राण ही नहीं रखा। लेकिन अब जमाना बदल रहा है, साहिब। हमारे समाज के आधुनिक और व्यवसायी होते जाने के साथ-साथ यह ठेका व्यवसाय भी सफेदपोश और साफ-सुथरा हो गया है। अभी देखिए न, अपने देश के किसान कानूनों से कायाकल्प के नाम पर इस देश के मूल नागरिकों धरती पुत्रों या किसानों की जिंदगी संवारने के लिए किसानों की खेती धनिक घरानों को ठेके पर देने, उनकी फसलों के खरीद ठेके लेने का अधिकार ऊंची अटारियों वालों को दे दिया गया था। वैसे तो इस देश के किसानों की शोषित बहुसंख्या इसी प्रकार सूदखोर महाजनों और धनी जमींदारों के पास ठेके पर, अर्ध बंटाई या खेत में खड़ी फसलों के औने-पौने दाम बिक कर सदियों से किसानों का दुख हरती रही है। लेकिन यह दुख हरा गया या एक शोषित प्रक्रिया के रूप में तबदील हो गया, यह तो केवल भुक्तभोगी ही जानते हैं। हां, पिछले साल इतना अवश्य हुआ कि इन गरीब अभागे किसानों की जमीन धनियों को ठेके पर देने की वैधानिक मान्यता मिल गई। फसलों को संपन्न घरानों में गोदामों के लौह द्वारों के पीछे कैद करने की कानूनी इजाजत मिल गई। लेकिन ठेके पर जिंदगियां रख उन्हें संवारने के नाम पर बिगाडऩे के न जाने अभी कितने और ठेके खुल गए हैं। शिक्षालयों की ओर जाते हैं, तो वहां शिक्षा परमो धर्म का सूत्र वाक्य अपना चेहरा बिगाड़ ठेके पर उठ गया लगता है। फालिज न केवल पुस्तक और अध्यापन-अध्ययन संस्कृति पर गिरा, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था ही जैसे सेवानिवृत्ति झेलने लगी है। गए दिनों में गुरु द्रोण की मूर्ति सजा शिष्य एकलव्य ने शस्त्र साधना की थी। अब तो देश के जीते जागते अध्यापकों को कोई नहीं पूछता। अब तो बरसों उन्हें नाममात्र वेतन पर ठेके पर रह जिंदगी में किसी स्थायित्व को देने की मांग करते हैं, तो उन्हें कच्चे मुलाजिम कह कर अपने बजट से निकाल दिया जाता है। शिक्षालयों के भवन आज भी खड़े हैं, लेकिन लगता है उनसे विद्या और प्रेरणा रूठती जा रही है। हर लक्ष्य तक पहुंचने के लिए चोर दरवाजे और शार्टकट खुलने लगे हैं। आजकल तप और साधना से पूर्ण शिक्षा प्राप्त करने की बात कौन करता है? विद्या के गुलाबों की खुशबू की जगह कुकुरमुत्तों ने ले ली है। हथेली पर सरसों जमाने की ठेका विधियां दनदनाने लगी हैं। युग बीत गए जब इन संस्थानों में पक्की भर्ती थी। अब तो यहां दिहाड़ीदार शिक्षा की वहंगी ढोते हैं। शिक्षालय खाली हो रहे हैं। अकादमियां ठेके पर नौकरीवान डिग्रियों, डाक्टर, इंजीनियर या जनसम्पर्क और प्रचारक की डिजिटल संस्थानों के ठेके दिलवाने लगीं। डिग्री प्राप्त करके निकलोगे तो बाहर ठेके पर मिलने वाली नौकरी तुम्हारा इंतजार कर रही होगी, वे कहते हैं। हमें नहीं चाहिए ऐसा देश, ऐसा जीवनयापन करने की नौकरियां। हमें विदेश भिजवा दो।

देश दुनिया से

त्रिभाषा फार्मूले में विरोध हिंदी का ही क्यों

जब हम आज़ाद हो गये तो यह बात एक स्वीकृत सत्य की तरह मान ली गयी थी कि अब देश का काम देश की भाषा–हिंदी में होगा। पर इसी बीच दक्षिण और उत्तर के नाम पर हिंदी को लेकर विवादास्पद बातें भी होने लगीं। दक्षिण में, विशेष कर तमिलनाडु में, यह भावना उठने लगी कि हिंदी के माध्यम से उत्तर भारत दक्षिण भारत पर अपना वर्चस्व स्थापित कर लेगा। बात भले ही सांस्कृतिक आधिपत्य के रूप में की जा रही थी, पर यह भी सत्य है कि कथित 'हिंदी साम्राज्यवाद' की आशंका के पीछे कहीं न कहीं राजनीतिक वर्चस्व की आशंका भी थी। हालांकि ऐसा कुछ था नहीं। हिंदी की स्वीकार्यता की बात का आधार यही तथ्य था कि देश में हिंदी बोलने-समझने वालों की संख्या सर्वाधिक थी। हिंदी को राजभाषा बनाने का कदापि यह अर्थ नहीं था कि हिंदी देश की अन्य भाषाओं से कहीं बेहतर या ऊंची भाषा है। आज भी यदि ऐसी कोई भावना किसी में है, तो वह ग़लत है। हिंदी देश की, विशेष कर दक्षिण भारत की, भाषाओं से तुलना में कहीं कम समृद्ध है। हिंदी को तो मुख्यतः इसलिए स्वीकारा गया कि इससे देश भर में संवाद कुछ आसान हो जायेगा। हिंदी वालों को, और गैर-हिंदी भाषियों को यह बात समझनी ही होगी कि हिंदी देश की बाकी भाषाओं की बड़ी बहन नहीं, एक सखी है। दोस्ती में कोई छोटा या बड़ा नहीं होता। सब बराबर होते हैं। इसी भावना के साथ यह माना गया कि देश के लोगों को तीन भाषा तो सीखनी ही चाहिए- एक अपनी मातृभाषा, दूसरी अंग्रेजी, और तीसरी देश की कोई अन्य भाषा। हमारी नयी शिक्षा-नीति में भी यही सोचकर तीन भाषाओं की बात कही गयी। आशा और अपेक्षा यह थी कि दक्षिण वाले हिंदी सीख लेंगे, और उत्तर वाले कोई भारतीय भाषा। पर हिंदी वालों से यहां जानबूझकर या अनायास ही एक चूक हो गयी-उन्होंने तमिल या मलयालम या बांग्ला या कन्नड़ आदि भारतीय भाषाओं में से किसी एक को सीखने के बजाय संस्कृत को सीखना ज़्यादा पसंद कर लिया। संस्कृत पढ़ने में कुछ ग़लत नहीं है, पर यह उस अपेक्षा के अनुरूप नहीं था जिसे आधार बनाकर त्रिभाषा फार्मूला लागू किया गया था। इसी अपेक्षा की पूर्ति के लिए नयी शिक्षा–नीति में त्रिभाषा फार्मूला स्वीकारा गया। पर, दुर्भाग्य से अब भी दक्षिण, पूर्व या पश्चिम भारत वालों में से कुछ लोगों को इसमें 'हिंदी साम्राज्यवाद' की गंध आ रही है। इस सोच का नवीनतम उदाहरण महाराष्ट्र में दिख रहा है। महाराष्ट्र सरकार ने नयी शिक्षा- नीति में किये गये प्रावधान को स्वीकारते हुए स्कूली स्तर पर मातृभाषा, अंग्रेजी और हिंदी को अनिवार्य बनाया है। यह अनिवार्यता कुछ तत्वों को खल रही थी। यह तत्व अब भी इस गलतफ़हमी के शिकार हैं कि इस शिक्षा-नीति से उनकी मातृभाषा को नुकसान पहुंचाने का कोई षड्यंत्र रचा जा रहा है! हैरानी की बात तो यह है कि हिंदी सीखने-सिखाने का विरोध करने वाले यह तत्व अंग्रेजी को त्रिभाषा फार्मूले का हिस्सा बनने पर चुप हैं। बिना किसी ठोस आधार के उन्होंने एक विदेशी भाषा, अंग्रेजी, को तो सहज स्वीकार लिया है, पर अपने ही देश की एक भाषा, हिंदी, को स्वीकारने को वे 'थोपा जाना' मान रहे हैं। हकीकत यह है कि कल भी हिंदी का विरोध करने के पीछे राजनीतिक स्वार्थ थे, और आज भी राजनीतिक स्वार्थ ही महाराष्ट्र समेत देश के कुछ हिस्सों में हिंदी का विरोध करवा रहे हैं। अंग्रेजी विश्व की एक प्रमुख भाषा है, इसमें कोई संदेह नहीं। अंतर्राष्ट्रीय संपर्कों की दृष्टि से सीखना-समझना कहीं ग़लत नहीं है। पर इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, या नहीं किया जाना चाहिए, कि अंग्रेजी सारी दुनिया की नहीं, दुनिया के कुछ ही देश की भाषा है। जापान, जर्मनी, फ्रांस, चीन, रूस जैसे न जाने कितने ही देश हैं जिन्होंने अंग्रेजी की अनिवार्यता को अनुचित माना है। अपनी भाषा में काम-काज करने की उनकी जिद से उन्हें कहीं कोई नुकसान नहीं पहुंचा। उल्टे उन्होंने इस ज़िद को अपनी अस्मिता के संदर्भ में समझा है। होना यह चाहिए था कि महाराष्ट्र में अंग्रेजी की अनिवार्यता पर सवाल किया जाता। विश्व-व्यापार के लिए अथवा अंतर्राष्ट्रीय संपर्कों की दृष्टि से यदि अंग्रेजी सीखने की ज़रूरत है तो उनसे जुड़े लोग यह भाषा सीख लेंगे–हर भारतीय को इसे सीखने की विवशता क्यों? इसलिए, विरोध यदि ज़रूरी है तो वह अंग्रेजी की अनिवार्यता का होना चाहिए। हिंदी का नहीं। महाराष्ट्र में हिंदी सीखने-सिखाने के इस विरोध के पीछे बच्चों पर भाषाई-बोझ का तर्क भी दिया जा रहा है। मुख्य बात तो यह है कि भाषा बच्चों पर बोझ नहीं होतीं, बड़ों की तुलना में वह कहीं अधिक आसानी से भाषाएं सीख लेते हैं। फिर भी यदि किसी को तीन भाषाओं की अनिवार्यता बोझिल लग रही है तो विरोध एक विदेशी भाषा, अंग्रेजी, का होना चाहिए, अपने ही देश की सर्वाधिक बोली-समझी जाने वाली भाषा, हिंदी, का नहीं। भाषा की राजनीति से कुछ राजनीतिक स्वार्थ भले ही सध जाते हों, पर यह राजनीति हमें टुकड़ों में बांटने वाली है। हमें तो इस बात पर गर्व होना चाहिए कि हमारे पास इतनी सारी समृद्ध भाषाएं हैं। ये सारी भाषाएं हमारी पहचान हैं, हमारा गौरव हैं। हिंदी की अनिवार्यता से मराठी को नुकसान पहुंचाने के सोच वालों को यह समझना चाहिए कि हिंदी नहीं, अंग्रेजी से हमारी भाषाओं को खतरा है। आज देश के सब हिस्सों में अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की बाढ़-सी आ गयी है। पिछले कुछ सालों में मुंबई में मराठी और हिंदी माध्यम के सौ से अधिक स्कूल बंद हो चुके हैं। चिंता इस बात की होनी चाहिए कि ऐसा क्यों हो रहा है, और कैसे इस प्रवृत्ति को रोका जाये। हमारी भाषाएं हमारी पहचान हैं। चिंता इस पहचान को बचाये रखने की होनी चाहिए।

आप का नजरिया

कश्मीर में एक और नरसंहार

एक तस्वीर मीडिया के जरिए दुनिया के सामने आई है। सबसे त्रासद, दर्दनाक और नरसंहार को बयां करती तस्वीर... ! एक नवविवाहिता की कलाइयों पर लाल रंग का चूड़ा है, उंगली में अंगूठी है, लेकिन वह अपने पति के शव के पास गुमसुम बैठी है। उसके भीतर न जाने कितने अंधड़ उमड़ रहे होंगे! आतंकी हमले ने एक नवविवाहित जोड़े की जिंदगी ही काली कर दी। कश्मीर में पहलगाम जिले के बैसरन घसियाले मैदान में आतंकियों ने हमला किया है। यह हमला ही नहीं, बल्कि दानवी नरसंहार है, जिसमें 28 निहत्थे, निर्दोष, मासूम पर्यटकों को, मात्र 20 मिनट में ही, लाश बना दिया गया। बैसरन घाटी पहलगाम से करीब 7 किमी दूर है। एक बेहद खूबसूरत घास का मैदान, जिसे 'मिनी स्विट्जरलैंड' कहते हैं, लेकिन आतंकियों ने उसे भी खून से लथपथ कर बदनाम कर दिया। पहलगाम से अमरनाथ यात्रा का एक मुख्य मार्ग जाता है। धार्मिक यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण भी शुरू हो चुका है। आतंकियों ने तीर्थयात्रियों के लिए भी खौफ और दहशत के भाव पैदा कर दिए हैं। इस बार आतंकियों ने चुन-चुन कर 'हिंदू पर्यटकों' को ही निशाना बनाया है। उनका नाम और धर्म पूछा गया, कलाई में कलावा देखा और कलमा नहीं पढ़ पाए, तो उन्हें गोलियों से भून दिया। बताया गया है कि 4-5 आतंकी थे। उन्होंने 50-70 राउंड गोलीबारी की और 28 सैलानियों को मौत की नींद सुला दिया। अधिकतर पुरुष पर्यटकों को ही निशाना बनाया गया। कर्नाटक की एक महिला ने पति की मौत के बाद जब कहा कि उसे भी मार दें, तो आतंकियों ने जवाब दिया-'नहीं, तुम्हें नहीं मारेंगे। तुम जाओ, जाकर मोदी को बता दो।' इस जवाब से ही आतंकियों की सोच और मंशा समझी जा सकती है। बहरहाल कश्मीर में फरवरी, 2019 के पुलवामा आतंकी हमले के बाद यह नरसंहार सबसे बड़ा और वीभत्स है। पुलवामा में 40 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को आतंकियों ने 'शहीद' कर दिया था। पहलगाम में धर्म के आधार पर चिह्नित कर पर्यटकों पर पहली बार आतंकी हमला किया गया है। इस नरसंहार ने मार्च, 2000 के चित्तीसिंहपुरा आतंकी हमले की याद ताजा करा दी, जिसमें 35 ग्रामीण सिखों को उनके घरों से निकाल कर मार दिया गया था। तब अमरीका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन कश्मीर के प्रवास पर ही थे। इस बार अमरीका के उपराष्ट्रपति वेंस भारत के प्रवास पर हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी सऊदी अरब गए हुए थे। बहरहाल उन्हें तुरंत लौटना पड़ा। लौटने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने गृहमंत्री अमित शाह को फोन पर निर्देश दिए कि तुरंत श्रीनगर जाएं और हालात तथा सुरक्षा का जायजा लें। गृहमंत्री श्रीनगर में ही हैं। उन्होंने उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री और केंद्रीय गृह सचिव सहित सुरक्षा के शीर्ष अधिकारियों के साथ मंथन किया कि ऐसा क्यों हुआ? राष्ट्रीय जांच एजेंसी भी अब ऑपरेशन में शामिल हो सकती है। सरकार और सुरक्षा-तंत्र तुरंत सक्रिय हो गए हैं। पहाड़ी और जंगलात वाले उस इलाके की सेना और सुरक्षा-बलों ने घेराबंदी कर ली है।

डर्टी मैगजीन दिखा कर मशहूर रैपर ने बनाए अपने 6 साल के भाई से संबंध

लॉस एंजेलस,25 अप्रैल (एजेंसियां) ।

सोशल मीडिया पर मशहूर रैपर कान्ये वेस्ट ने यह खुलासा कर के सभी चौका दिया है कि उन्होंने अपने छह साल के चचेरे भाई के साथ शारीरिक संबंध बनाए थे। वेस्ट ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने चचेरे भाई के साथ बचपन में हुए शारीरिक संबंधों का जिक्र किया है। कान्ये वेस्ट ने यह खुलासा अपने नए गाने कजिन्स के म्यूजिक वीडियो के साथ किया।

उन्होंने बताया कि उनका वह चचेरा भाई, जिसके साथ यह घटना हुई थी, अब जेल में है और एक प्रेग्नेंट महिला की हत्या के आरोप में उम्रकैद की सजा काट रहा है। कान्ये ने अपने पोस्ट में लिखा कि जब वह किशोर उम्र में थे, तब उन्होंने अपनी मां की अलमारी में छिपी हुई कुछ एडल्ट मैगजीन्स देखी थीं। उन्होंने बताया कि उन्होंने वह मैगजीन्स अपने छोटे कजिन भाई को भी दिखाई थीं, जो उस वक्त सिर्फ 6 साल का था।

वेस्ट ने लिखा, शायद मेरी आत्मा ने महसूस किया कि ये मेरी गलती थी। मैंने उसे 6 साल की उम्र में डर्टी मैगजीन दिखाई, और फिर हमने वही सब किया जो उन तस्वीरों में देखा था। कान्ये वेस्ट ने इस पोस्ट में स्वीकार किया कि यह सब सिर्फ एक बार नहीं, बल्कि कई सालों तक चलता रहा।

उन्होंने लिखा कि उन्होंने 14 साल की उम्र तक अपने उस कजिन भाई के साथ शारीरिक संबंध बनाए। वेस्ट ने कहा, मेरे पापा के पास प्लेबॉय मैगजीन्स थीं, लेकिन जो मैगजीन्स मेरी मां की अलमारी में थीं, वो काफी अलग थीं। मैंने उन्हीं के जरिए सब सीखा और फिर वो सब अपने भाई के साथ दोहराया।

अपनी पोस्ट में वेस्ट ने यह भी कहा कि उन्हें उस समय यह बिल्कुल भी समझ नहीं था कि वे जो कर रहे हैं, उसका मतलब क्या है या वह सही है या गलत। उन्होंने बताया कि दोनों ने जो कुछ देखा, वही किया और उन्हें एहसास भी नहीं था कि इसका उन पर क्या असर होगा।

कान्ये वेस्ट ने यह भी बताया कि कुछ साल पहले उन्होंने अपने उस भाई से साफ कहा था कि अब वे ऐसी चीजें साथ में नहीं देखेंगे। यह भी साफ किया कि उन्हें इस बात का पछतावा है और शायद इस अनुभव ने उनके भाई के जीवन को भी प्रभावित किया।

कान्ये वेस्ट के इस खुलासे के बाद सोशल मीडिया पर लोग हैरान रह गए हैं। जहां कुछ लोग उनके ईमानदारी भरे कबूलनामे की सराहना कर रहे हैं, वहीं कई लोग उनके बचपन और मानसिक स्थिति को लेकर हैरानी जता रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका ने रूस को दी चेतावनी, ट्रंप ने कहा-यूक्रेन से शांति समझौता न करने पर करना पड़ेगा प्रतिबंधों का सामना

वाशिंगटन। अमेरिका ने रूस को यूक्रेन पर किए गए ताजा हमलों के बाद कड़ी चेतावनी दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि अगर यूक्रेन के साथ शांति समझौता नहीं हुआ तो रूस को प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि ट्रंप ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि उनका मानना है कि रूस, यूक्रेन पर हमले रोकने की उनकी अपील को गंभीरता से लेगा। दोनों देशों के बीच समझौता अभी भी संभव है। राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका लगातार रूस पर यूक्रेन पर हमले रोकने के लिए दबाव डाल रहा है। ट्रंप ने दावा किया, आपको पता नहीं है कि हम रूस पर कितना दबाव डाल रहे हैं। ट्रंप से पूछा गया कि यूक्रेन के साथ शांति योजना पर पहुंचने के लिए रूसी सरकार ने क्या रियायतें दी हैं उन्होंने इसका स्पष्ट जवाब नहीं दिया।ट्रंप ने कहा कि वह गुरुवार को द अटलांटिक अखबार के प्रधान संपादक जेफरी गोल्डबर्ग से मिलने जा रहे हैं, जिन्हें अनजाने में सिग्नल चैट में शामिल कर लिया गया था। उल्लेखनीय है कि इस चैट में रक्षा सचिव पीट हेगसेथ सहित अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने यमन में हूथी विद्रोहियों पर हमले की योजनाओं पर चर्चा की थी।

ब्रिटेन की संसद में पहलगाम आतंकी हमले की गूंज

लंदन। ब्रिटेन की संसद में भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले की गूंज गुरुवार को सुनाई दी। स्लॉ से सांसद तनमनजीत सिंह धेसी ने अपने भाषण में नागरिकों पर हुए आतंकी हमले पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि वह पीड़ितों के परिवारों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हुई है। सांसद धेसी ने अपने भाषण को एक्स पर साझा किया है। उन्होंने कहा कि हम इस सप्ताह पोप फ्रांसिस के निधन का शोक मना रहे हैं, लेकिन मैं इस सप्ताह जम्मू-कश्मीर में निर्दोष पर्यटकों पर कायरतापूर्ण, घातक, चौंकाने वाले आतंकवादी हमले से भी बहुत दुखी हूं। पीड़ितों के परिवार मेरी प्रार्थनाओं में हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि अपराधियों को जल्द ही न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। सांसद धेसी ने इस मौके पर गाजा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि गाजा में इजराइली भयावहता और पीड़ा का तत्काल अंत चाहिए। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, हाउस ऑफ कॉमन्स की नेता लूसी पॉवेल ने भी पहलगाम हमले का जिक्र किया। उन्होंने इसे कायरतापूर्ण कृत्य बताया और कहा कि ब्रिटेन सरकार की संवेदनाएं प्रभावित लोगों के साथ हैं। इसके अलावा ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग ने पहलगाम हमले के पीड़ितों को याद किया। भारतीय उच्चायोग ने इंडिया हाउस में स्मृति समारोह आयोजित किया।

वर्जीनिया में एयरशो से पहले विमान क्रैश पायलट रॉब हॉलैंड की मौत

हैम्पटन। वर्जीनिया के लैंगली एयर फ़ोर्स बेस पर गुरुवार को विमान क्रैश होने से एयरोबैटिक पायलट रॉब हॉलैंड की मौत हो गई। वह इस सप्ताहांत एयरशो में हिस्सा लेने वाले थे। रॉब हॉलैंड के इंस्टाग्राम अकाउंट पर उनकी मृत्यु की पुष्टि की गई है। इंस्टाग्राम अकाउंट पोस्ट में लिखा गया, रॉब हॉलैंड विमानन इतिहास में सबसे सम्मानित और प्रेरणादायक एरोबैटिक पायलटों में से एक थे। वह विनम्र स्वभाव के व्यक्ति थे। उनका एकमात्र लक्ष्य बस कल की तुलना में और बेहतर करना था। संघीय विमानन प्रशासन के अनुसार, दुर्घटना गुरुवार दोपहर से कुछ पहले हुई। वन सीटर प्रायोगिक एमएक्स एयरक्राफ्ट एमएक्सएस उस समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया जब रॉब बेस पर उतरने का प्रयास कर रहे थे। हादसे की जांच की जा रही है। हॉलैंड को शनिवार और रविवार को बेस पर होने वाले एयर पावर ओवर हैम्पटन रोड्स एयरशो में हिस्सा लेना था। हॉलैंड की वेबसाइट के अनुसार, वह 13 बार यूएस नेशनल एरोबैटिक चैंपियन रहे। शो के आयोजनकर्ता इंटरनेशनल एरोबैटिक क्लब के अध्यक्ष जिम बॉर्के ने बयान में कहा, रॉब को एक दोस्त, एक मार्गदर्शक, एक नेता और एक नवप्रवर्तक के रूप में याद किया जाएगा। रॉब के परिवार के दुख को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

पोप फ्रांसिस के ताबूत को सील करने की रस्म की तैयारी शुरू, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु करेंगी दर्शन, अंतिम संस्कार आज

वेटिकन सिटी,25 अप्रैल (एजेंसियां) ।

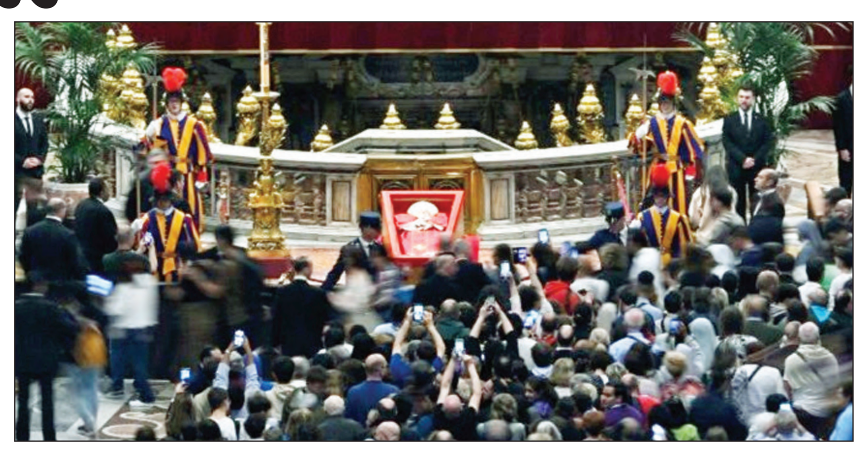

पोप फ्रांसिस के शनिवार को होने वाले राजकीय अंतिम संस्कार से पहले उनके ताबूत को सील करने की रस्म की तैयारी शुरू कर दी गई है। रोमन चर्च के कैमरलेंगो कार्डिनल केविन फैरेल दिवंगत पोप फ्रांसिस के ताबूत को सील करने की रस्म की अध्यक्षता करेंगे। इस धार्मिक रस्म में कई कार्डिनल और होली सी कार्यालय के अधिकारी शामिल होंगे। यह रस्म सेंट पीटर बेसिलिका में आज पूरी की जाएगी। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु भी अंतिम संस्कार के समय मौजूद रहेंगी। वेटिकन बेसिलिका को श्रद्धालुओं के लिए खोला गया। इसके बाद से 24 घंटों में 50,000 से अधिक लोग पोप के अंतिम दर्शन के लिए कन्फेशन की वेदी के सामने से गुजरे। सेंट पीटर बेसिलिका गुरुवार सुबह 5:30 बजे तक खुली रही। डेढ़ घंटे बाद इसे दोबारा खोला गया। ताबूत को सील करने के अनुष्ठान के दौरान कार्डिनल जियोवानी बतिस्ता रे, पिएत्रो पारोलिन, रोजर महोनी, डोमिनिक मैम्बर्टी, मौरो गैम्बेटी, बाल्डासारे रीना और कोनराड क्रेजवेस्की भी मौजूद रहेंगे। इनके अलावा आर्कबिशप एडगर पेना पारा, आर्कबिशप इल्सन डी जीसस मोंटानारी, मोनसिग्नोर लियोनार्डो सैपिएन्ज़ा, वेटिकन चैप्टर के कैनन, वेटिकन के साधारण माइनर पेनिटेंटियरीज, दिवंगत पोप के सचिव और पोंटिफिकल लिटर्जिकल समारोह के मास्टर और आर्कबिशप डिएगो रवेली इस रस्म के दौरान मदद करेंगे।

भारत की राष्ट्रपति दो दिन रहेंगी वेटिकन सिटी में

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पोप फ्रांसिस के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए 25 और 26 अप्रैल को वेटिकन सिटी में रहेंगी। भारत के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को आधिकारिक बयान में यह घोषणा की। राष्ट्रपति मुर्मु पोप के अंतिम संस्कार में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी और सरकार और भारत के लोगों की ओर से संवेदना व्यक्त करेंगी। 25 अप्रैल को राष्ट्रपति वेटिकन सिटी में सेंट पीटर्स बेसिलिका में दिवंगत पोप को श्रद्धांजलि देंगी। 26 अप्रैल को वेटिकन सिटी के सेंट पीटर्स स्क्वायर में अंतिम संस्कार में शामिल होंगी। अंतिम संस्कार में कई वैश्विक नेताओं और गणमान्य व्यक्तियों के शामिल होने की उम्मीद है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी रहेंगे मौजूद

वेटिकन ने गुरुवार को कहा कि कम से कम 130 विदेशी प्रतिनिधिमंडलों ने पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने की पुष्टि की है। इनमें 50 राष्ट्राध्यक्ष और 10 सम्राट शामिल हैं, जिनमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, ब्रिटेन के प्रिंस विलियम, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, स्पेन के राजा फेलिप (षष्ठम) और रानी लेटिजिया और ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा प्रमुख हैं।

भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने शोक व्यक्त किया

पोप फ्रांसिस के निधन पर भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शोक व्यक्त किया था। उन्होंने कहा था कि भारत के लोगों के प्रति पोप का स्नेह हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा, पोप फ्रांसिस के निधन से बहुत दुख हुआ है। दुख और स्मरण की इस घड़ी में, वैश्विक कैथोलिक समुदाय के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं। उन्होंने कहा था कि पोप फ्रांसिस को दुनिया भर में लाखों लोग हमेशा करुणा, विनम्रता और आध्यात्मिक साहस के प्रतीक के रूप में याद रखेंगे। छोटी उम्र से ही उन्होंने प्रभु ईसा मसीह के आदर्शों को साकार करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया। उन्होंने गरीबों और वंचितों की लगन से सेवा की। जो लोग पीड़ित थे, उनके लिए उन्होंने आशा की भावना जगाई।

भारत में शनिवार को अंतिम संस्कार के सम्मान में राजकीय शोक

प्रधानमंत्री ने कहा था, भारत के लोगों के प्रति उनका स्नेह हमेशा संजोकर रखा जाएगा। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को विदेश और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर करने के लिए नई दिल्ली स्थित अपोस्टोलिक नन्सिएचर का दौरा किया। इससे पहले भारत ने पोप के निधन पर तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया। भारत ने गुरुवार को घोषणा की कि 26 अप्रैल को पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के सम्मान में राजकीय शोक मनाया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि पूरे भारत में उन सभी भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा, जहां इसे नियमित रूप से फहराया जाता है और कोई आधिकारिक मनोरंजन नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि पोप फ्रांसिस 13 मार्च, 2013 को पोप बेनेडिक्ट (सोलहवें) से पदभार ग्रहण करने के बाद रोमन कैथोलिक चर्च का नेतृत्व करने वाले पहले लैटिन अमेरिकी पोप थे।

अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध समूह दुनियाभर में अपने स्कैम का फैला रहा जाल

जेनेवा,25 अप्रैल (एजेंसियां) ।

स्कैम दुनिया में कई नए इलाकों तक भी पहुंच गए हैं। अफ्रीका और यहां तक कि लैटिन अमेरिका से भी ऐसी धोखाधड़ियों की खबरें आ रही हैं जहां स्कैमरों ने किसी को झूठे प्यार के जाल में फंसा लिया, या कोई झूठा निवेश और व्यापार का वादा कर के पैसे ऐंठ लिए या फिर गैरकानूनी सट्टेबाजी में लोगों को फंसा दिया हो।संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण पूर्वी एशिया में दिन-पर-दिन साइबरस्कैम सेंटर बढ़ रहे हैं और ये दुनियाभर में भी फैल रहे हैं।गैंग के लोग कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए लगातार जगह बदलते रहते हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी एशिया में अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध समूह दुनियाभर में अपने स्कैम का जाल फैला रहे हैं।ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि जहां ये स्कैम सेंटर मौजूद थे, वहां सरकार और अधिकारी इन पर लगाम कसने के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू कर रहे हैं। इससे बचने के लिए वे इलाके तलाश रहे हैं।ऐसे स्कैम सेंटर दक्षिण पूर्वी एशिया में कई सालों से चल रहे हैं।कंबोडिया,लाओस और म्यांमार, साथ ही फिलीपीन्स, इनका गढ़ माने जाते हैं और इसे अंजाम देने वाली अलग अलग गैंग एक बॉर्डर से दूसरे बॉर्डर घूमती रहते हैं ताकि वो किसी एक देश के कानून की गिरफ्त में ना आ सकें।यह स्कैम दुनिया में कई नए इलाकों तक भी पहुंच गए हैं।अफ्रीका और यहां तक कि लैटिन अमेरिका से भी ऐसी धोखाधड़ियों की खबरें आ रही हैं जहां स्कैमरों ने किसी को झूठे प्यार के जाल में फंसा लिया, या कोई झूठा निवेश और व्यापार का वादा कर के पैसे ऐंठ लिए या फिर गैरकानूनी सट्टेबाजी में लोगों को फंसा दिया हो।इन सभी मामलों में धोखाधड़ी करने वाले पैसे लेकर फरार हो गए।संयुक्त राष्ट्र ने क्या कहासोमवार को संयुक्त राष्ट्र के ऑफिस ऑन ड्रग्स एंड क्राइम (यूएनओडीसी) द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, एशियाई अपराध सिंडिकेट ऐसे दूरदराज के इलाकों में काम कर रहे हैं, जहां कानून लागू करने वाली संस्थाएं कमजोर हैं और ऐसे स्कैमों की भरमार से तंग आ चुकी हैं।

अमेरिकी रिपोर्ट में दावा, अब हुई जंग....तबाह हो जाएगी पाकिस्तानी आर्मी

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पूरे भारत में गुस्सा है। इस बीच पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की सुरक्षा समिति की मीटिंग हुई, जिसमें फैसला हुआ कि सिंधु जल समझौते को रोका जाए। पाकिस्तान भारत के इसी एक्शन के बाद से ही खौफ में आ गया है। वहां कई नेता लगातार कह रहे हैं कि भारत की ओर से कुछ भी एक्शन हो सकता है। इस बीच अमेरिका की सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी का एक डॉक्युमेंट आंतकी हमले के बाद चर्चा में है। यह 1993 की सीक्रेट रिपोर्ट थी, इस रिपोर्ट को अब जारी किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तानी सेना से जुड़े लोग मानते हैं कि यदि भारत से एक और बड़ी जंग हुई , तब पाकिस्तानी आर्मी तबाह हो जाएगी। अमेरिकी एजेंसी की रिपोर्ट में भारत और पाकिस्तान की सैन्य और आर्थिक ताकत की तुलना हुई थी। इसके अलावा दोनों देशों के राजनीतिक माहौल पर भी बात हुई थी। अमेरिकी एजेंसी ने रिपोर्ट में कहा था कि दोनों देशों के बीच ऑल आउट वॉर की संभावना 20 फीसदी ही है।

5 हजार चीटियों के साथ दबोचे गए दो युवा, एयरपोर्ट पर लगाई गई अदालत

नैरोबी,25 अप्रैल (एजेंसियां) ।

केन्या में चीटियों की तस्करी से जुड़ा एक मामला सामने आया है। यहां पुलिस ने बेल्जियम के दो युवाओं को हजारों चीटियों के साथ गिरफ्तार किया है, इन चीटियों की कीमत करीब 9,200 डॉलर बताई जा रही है। कथित तौर पर इनको तस्करी करके यूरोपीय और एशियाई बाजारों में ले जाया जाना था। पुलिस ने इन युवाओं को गिरफ्तार करके जज के सामने पेश किया।केन्या के मुख्य एयरपोर्ट पर बैठी कोर्ट में जज नजेरी थुकू ने कहा कि वह इस मामले में कोई जल्दबाजी नहीं करेंगी, लेकिन 7 मई को सजा सुनाने के पहले इसके पर्यावरणीय प्रभाव और लड़कों की साइक्लॉजिकल स्थितियों की रिपोर्ट देखेंगीं।

रिपोर्ट के मुताबिक बेल्जियम के दो 19 बर्षीय लोनॉर्य डेविड और सेप्पे लोडेविज्क्स को 5 अप्रैल को एक गेस्ट हाउस में 5 हजार चीटियों के साथ गिरफ्तार किया गया था। 15 अप्रैल को इन दोनों पर केन्या के वन्य जीव संरक्षण कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया। जज के सामने अपने बचाव को रखते हुए दोनों ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि चीटियों को रखना अवैध है, वह तो बस मौज-मस्ती के लिए ऐसा कर रहे थे। इस मामले को लेकर केन्या वन्यजीव सेवा समिति ने कहा कि यह मामला तस्करी के रुझान में बदलाव को दर्शाता है। पहले बड़े स्तनधारियों की तस्करी की जाती थी लेकिन अब छोटे लेकिन पारिस्थिति रूप से महत्वपूर्ण प्रजातियों की तस्करी की जाती है। पुलिस ने बताया कि दोनों युवा बेल्जियम से पर्यटक वीजा पर केन्या आए थे। यहाँ पर वह पश्चिमी शहर नेवाशा में एक गेस्ट हाउस में रुके हुए थे। यह शहर पशु पार्क और झीलों के लिए लोकप्रिय है।

ब्रिटिश सांसद का ऐलानः पाकिस्तान में घुसकर मारो, हम हर हाल में भारत का साथ देंगे

लंदन,25 अप्रैल (एजेंसियां) ।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए ब्रिटेन स्थित भारतीय उच्चायोग में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस दौरान ब्रिटेन के कई सांसद और बड़ी हस्तियां भी शामिल हुईं।

सभा में बोलते हुए ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन ने भारत के समर्थन में एक सशक्त और भावनात्मक बयान दिया। उन्होंने कहा कि जो भी कदम भारत सरकार इस हमले के बाद उठाना उचित समझे – चाहे वह सैन्य कार्रवाई ही क्यों न हो – उन्हें उसका पूरा समर्थन है। उन्होंने कहा कि भारत अगर पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों के खिलाफ कोई सैन्य कार्रवाई करता है तो भी पूरा समर्थन रहेगा।

ब्लैकमैन ने कहा, हम यहां दुख साझा करने आए हैं। जब आतंकी हमला करता है, तो वह पूरी मानवता के दिलों पर हमला करता है। यह हमला धार्मिक आधार पर नफरत को दर्शाता है, और इसे कतई सहन नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि उन्होंने इस मुद्दे को ब्रिटिश संसद (हाउस ऑफ कॉमन्स) में उठाया और सरकार से आग्रह किया कि वह भारत के प्रति अपना समर्थन स्पष्ट रूप से जताए। उन्होंने जोर देते हुए कहा, मेरी व्यक्तिगत राय में, भारत जो भी कदम आतंकियों और उनके समर्थकों के

खिलाफ उठाएगा, हमें उसका समर्थन करना चाहिए। अगर आतंकियों को न्याय के कटघरे में नहीं खड़ा किया जा सकता, तो उन्हें खत्म कर दिया जाना चाहिए। मेरी उम्मीद है कि ब्रिटेन के सभी राजनीतिक दल भारत के साथ खड़े होंगे, चाहे वह कार्रवाई एलओसी के पार सैन्य रूप में ही क्यों न हो।

भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने अपने संबोधन में कहा कि यह हमला भारत में सामान्य स्थिति को रोकने, पर्यटन को बाधित करने और स्थानीय लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को डर के साए में लाने के लिए किया गया था। उन्होंने कहा, यह आजाद भारत के इतिहास में मुंबई हमलों के बाद नागरिकों की सबसे बड़ी हत्या है। पीड़ितों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर चुनकर मारा गया। यह सिर्फ और सिर्फ आतंक फैलाने की कोशिश थी। उन्होंने आगे कहा, हमारे प्रधानमंत्री ने साफ कहा है – हम न भूलेंगे, न माफ करेंगे। जो लोग इस हमले के पीछे हैं, उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी – चाहे वे कहीं भी हों। भारत की एकता को तोड़ने की कोशिश कभी सफल नहीं हो सकती। हम भाषा, जाति, धर्म से परे एकजुट राष्ट्र हैं।

कश्मीर की खूबसूरती और आतंकियों की मंशा

बॉब ब्लैकमैन इंग्लैंड के हैरो ईस्ट से कंजर्वेटिव सांसद हैं। वे भारत के पद्मश्री पुरस्कार से भी सम्मानित हैं। ब्लैकमैन ने अपने कश्मीर दौरे को याद करते हुए कहा कि उन्होंने 9 साल पहले कश्मीर घाटी की यात्रा की थी और घाटी की सुंदरता उनके मन में आज भी बसी हुई है। उन्होंने कहा, आतंकी चाहते हैं कि घाटी में पर्यटन न हो, लेकिन हम उन्हें ऐसा करने नहीं देंगे। केथरीन वेस्ट ने कहा – ब्रिटेन भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है।

अरशद को आमंत्रण मामले में नीरज ने दी सफाई

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा क्लासिक जेवलिन थ्रो इवेंट में पाकिस्तान के स्टार भाला फेंक एथलीट अरशद नदीम को दिये आमंत्रण के कारण प्रशंसकों के निशाने पर आ गये हैं। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद कुछ लोगों ने नीरज के इस आमंत्रण पर सवाल उठाये हैं।

नीरज ने हालांकि ये आमंत्रण आतंकी हमले की घटना के पहले दिया था। इस मामले में आलोचना के बाद अब नीरज ने सोशल मीडिया के जरिये अपना जवाब दिया है। नीरज ने सोशल मीडिया में एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें उन्होंने लिखा, मैं आमतौर पर कम बोलने वाला व्यक्ति हूं पर इसका मतलब यह नहीं है कि मैं जो गलत समझता हूं उसके खिलाफ नहीं बोलूंगा। खासकर तब जब बात हमारे देश के प्रति मेरे प्यार और मेरे परिवार के सम्मान और प्रतिष्ठा पर सवाल उठाने की हो।

अरशद को क्लासिक प्रतियोगित में प्रतिस्पर्धा करने के लिए आमंत्रित करने के मेरे फैसले के बारे में बहुत चर्चा हुई है, और इसमें अधिकांश में नफरत वाली बातें कही गयी हैं। उन्होंने मेरे परिवार को भी इससे बाहर नहीं छोड़ा। मैंने अरशद को जो निमंत्रण दिया वह एक एथलीट की ओर से दूसरे एथलीट को था।

इससे ज्यादा कुछ नहीं था। क्लासिक का उद्देश्य भारत में सर्वश्रेष्ठ एथलीटों को लाना और हमारे देश को विश्व स्तरीय खेल आयोजनों का घर बनाना था। ये आमंत्रण पहलगाम में आतंकवादी हमलों से दो दिन पहले ही भेजा गया था।

वहीं पिछले 48 घंटों में जो कुछ भी हुआ है, उसके बाद इस प्रतियोगिता में अरशद के भाग लेने का सवाल ही नहीं उठता है। मेरा देश और उसके हित हमेशा मेरे लिए सबसे पहले रहेंगे। जो लोग अपने लोगों के नुकसान से गुजर रहे हैं, मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं।

पूरे देश के साथ-साथ, मैं भी जो कुछ हुआ है, उससे आहत और क्रोधित हूं। मुझे विश्वास है कि हमारे देश की प्रतिक्रिया एक राष्ट्र के रूप में हमारी ताकत दिखाएगी और न्याय मिलेगा।

मैंने इतने सालों तक अपने देश को गर्व के साथ संभाला है, इसलिए मेरी ईमानदारी पर सवाल उठते देखना दुखद है। मुझे दुख होता है कि मुझे उन लोगों के सामने खुद को स्पष्ट करना पड़ रहा है जो बिना किसी ठोस कारण के मुझे और मेरे परिवार को निशाना बना रहे हैं। हम साधारण लोग हैं, कृपया हमें कुछ और न समझाएं। मीडिया के कुछ वर्गों ने मेरे बारे में बहुत सी झूठी कहानियां गढ़ी हैं केवल इसलिए कि मैं नहीं बोलता पर इसका मतलब यह नहीं है कि वे सभी सच हैं।

न्यूज ब्रीफ

पाक के साथ क्रिकेट संबंधों को लेकर सरकार की सलाह मानेगा बीसीसीआई : राजीव शुक्ला

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा है कि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट संबंधों को लेकर जो भी सरकार का फैसला होगा वह उसे मानेगा। पहलगाम में आतंकियों के हमले के बाद से ही दोनो देशों के बीच तनाव बढ़ गया है और ऐसे में मांग की जा रही है कि पाक के साथ किसी भी स्तर पर न खेला जाये। अभी दोनो देश केवल आईसीसी इवेंट्स में ही खेलते हैं। बीसीसीआई उपाध्यक्ष शुक्ला ने कहा है कि बोर्ड सरकार की सलाह मानेगा हालांकि उन्होंने कहा कि आईसीसी और एसीसी इवेंट में भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखने को लेकर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। गौरतलब है कि एशिया कप और महिला एकदिवसीय विश्वकप कप में दोनो देशों के खेलने को लेकर भी अब सवाल उठ रहे है। वहीं एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) इस मामले में क्या फैसला करती है देखना होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण अब हालात बदल गये हैं। इसी कारण माना जा रहा है कि बीसीसीआई ने आईसीसी से अपील की है कि वे भारत और पाकिस्तान को आगे होने वाले बड़े टूर्नामेंट्स में एक ही ग्रुप में न रखा जाए। गौरतब है कि किसी भी बड़े इवेंट में भारत-पाकिस्तान के मैच से क्रिकेट बोर्ड को बहुत फायदा होता है। ऐसे में अगर ये दोनों टीमें एक ग्रुप में नहीं रहे तो आयोजकों को नुकसान होता है। हालांकि दोनो को एक ही ग्रुप में नहीं रखने को लेकर आ रही रिपोर्टों को लेकर शुक्ला ने अपना पक्ष रखा है। उन्होंने कहा कि बोर्ड इस मामले में सरकार की सलाह पर ही चलेगा। इसका मतलब साफ है कि जो सरकार का निर्णय होगा वही बीसीसीआई करेगा। वहीं एक अधिकारी ने कहा है उन्हें भारत-पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में नहीं रखने की कोई जानकारी नहीं है। इसका मतलब है कि अभी तक यह तय नहीं है कि भारत और पाक को एक ही ग्रुप में रखा जाएगा या नहीं।

पुरुष हॉकी एशिया कप के लिए अब पाक खिलाड़ियों को वीजा मिलना संभव नहीं

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद अब बिहार के राजगीर में होने वाले पुरुष हॉकी एशिया कप के लिए पाकिस्तान के खिलाड़ियों को वीजा मिलने की कोई संभावना नहीं है। भारत सरकार ने हमले के तत्काल बाद ही पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर उन्हें देश छोड़ने के आदेश दिये है। ऐसे में अब पाक खिलाड़ी 2026 एफआईएच विशकप क्वालिफायर में भाग नहीं ले सेकेंगे। इस महीने की शुरुआत में हॉकी इंडिया ने कहा था कि पाक भी दक्षिण कोरिया, मलेशिया, चीन और जापान के साथ कॉन्टिनेंटल चैम्पयिनशिप के लिए भारत आएगा पर अब हालात बदल गये हैं। हॉकी इंडिया के अनुसार पाक के मैचों के तटस्थ स्थल पर आयोजन को लेकर अभी कोई बात नहीं हुई है। साथ ही कहा कि इस मामले में सरकार की नीति का पालन किया जाएगा। गौरतलब है कि एशिया कप का महत्व बहुत अधिक है क्योंकि यह विश्व कप क्वालीफार जिसके विजेता को अगले साल के मेगा-इवेंट के लिए सीधा प्रवेश मिलना है, जिसकी सह-मेजबानी नीदरलैंड और बेल्जियम करेंगे। इसमें भारत का मुकाबला गत विजेता दक्षिया कोरिया से होना है। इसके अलावा पाक की अंडर-23 टीम को एफआईएच जूनियर विश्व कप में भी भाग लेना है, जो कि साल के अंत में चेन्नई और मदुरै में होना है। इसमें भी अब उसके अवसर नहीं मिलेगा।

एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट के लिए ओलंपिक की तरह : स्टीव वॉ

सिडनी। टी20 क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के बाद पिछले कुछ साल में एक दिवसीय क्रिकेट का आकर्षण घटा है। ऐसे में एकदिवसीय क्रिकेट के भविष्य पर भी सवाल उठने लगे है। जहां कई दिग्गजों का मानना है की आने वाले समय में एकदिवसीय क्रिकेट प्रासंगिक नहीं रहेगा। वहीं दूसरी ओर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव वॉ का मानना है कि एकदिवसीय प्रारुप का महत्व आगे भी बना रहेगा। उन्होंने कहा कि एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट के लिए ओलंपिक के समान है। वॉ ने माना है कि छोटे प्रारूपों के बढ़ते दबाव से इसपर प्रभाव पड़ा है लेकिन इसके बाद भी 2023 विश्व कप भारी तादाद में लोगों ने देखा था। आगे भी इस प्रारुप का महत्व बना रहेगा उन्होंने कहा कि हर किसी को लगता है कि एकदिवसीय क्रिकेट नहीं बचेगा पर सच ये है कि इसकी रेटिंग काफी ऊंची है और उसे लोग पसंद करते हैं। विश्व कप के बाद फिर इसमें रूचि कम हो जाती है और फिर बढ़ती है। यही हालात बने रहते हैं। वॉ ने कहा कि हम इस समय तीनों प्रारूपों में जैसे तैसे संतुलन देख रहे हैं। फिर टी10 का भी दबाव है जिससे चार प्रारूप हो सकते हैं।

हैदराबाद ने चेन्नई को घर में घुसकर पीटा

चेन्नई, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। पैट कमिंस की कप्तानी वाली सनराइजर्स हैदराबाद ने चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल 2025 के 43वें मैच में 5 विकेट से हरा दिया। यह हैदरबाद की इस सीजन तीसरी जीत थी। हैदराबाद इस जीत के चलते अभी भी 16 अंक तक पहुंच सकती है। हालांकि, इस सीजन सीएसके का 16 पॉइंट्स तक पहुंचने का सपना, सपना ही रह जाएगा। इस हार के बाद, अगर अब सीएसके अपने सभी मैच भी जीतती है तो वह 14 अंक तक ही पहुंच पाएगी। चेन्नई लगभग प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई। उनका टॉप 4 में जगह बनाना बहुत मुश्किल है।सनराइजर्स हैदराबाद ने 18.4 ओवर में 155 रन का टारगेट 5 विकेट रहते चेज कर लिया। ईशान किशन ने एसआरएच के लिए सर्वाधिक 44 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 5 चौके और 1 छक्का भी लगाया। इसके बाद कामिंदु मेंडिस ने भी 32 रन की नाबाद पारी खेली। उन्होंने हैदराबाद के इस रनचेज में अहम भूमिका निभाई। मेंडिस ने तीन चौके अपनी पारी में लगाए। नीतीश रेड्डी 19 रन बनाकर नाबाद रहे। ट्रेविस हेड 19 रन बनाकर आउट हो गए थे। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सबसे ज्यादा 2 विकेट नूर अहमद ने लिए। हालांकि, नूर अहमद काफी महंगे साबित हुए। इसके अलावा खलील अहमद, अंशुल कंबोज और रविंद्र जडेजा ने 1-1 विकेट लिया।

हर्षल पटेल (28 रन पर चार विकेट) की घातक गेंदबाजी और कप्तान पैट कमिंस और जयदेव उनादकट के दो-दो विकेटों की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल मुकाबले में शुक्रवार को 19.5 ओवर में 154 रन पर निपटा दिया। हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का सही फैसला किया। चेन्नई ने शेख रशीद को पारी की पहली ही गेंद पर मोहम्मद शमी के हाथों गंवाया। आयुष म्हात्रे और सैम करन ने दूसरे विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी की। चेन्नई की पारी संभालती हुई दिखाई दे रही थी लेकिन हर्षल पटेल ने सैम करन को आउट कर दिया। करन ने नौ रन बनाये।

कमिंस ने छठे ओवर में म्हात्रे का विकेट लेकर चेन्नई को बड़ा झटका दिया। युवा म्हात्रे ने 19 गेंदों पर 30 रन में छह चौके लगाए। इसके बाद रवींद्र जडेजा और डेवाल्ड ब्रेविस ने चौथे विकेट के लिए 27 रन जोड़े। कामिंडु मेंडिस ने जडेजा को आउट कर चेन्नई को चौथा झटका दिया। जडेजा ने 17 गेंदों पर 21 रन में एक चौका और एक छक्का लगाया।ब्रेविस ने 25 गेंदों पर एक चौके और चार छक्कों की मदद से 42 रन ठोके लेकिन उनके 114 के स्कोर पर आउट होते ही चेन्नई की सम्मानजनक स्कोर बनाने की उम्मीदें समाप्त हो गयीं। ब्रेविस का विकेट हर्षल पटेल ने निकाला। दीपक हुड्डा ने निचले क्रम में 21 गेंदों पर एक चौके और एक छक्के की मदद से 22 रन बनाकर चेन्नई को 150 के पार पहुंचाया। कप्तान एम एस धोनी छह रन बनाकर एक बार फिर सस्ते में आउट हो गए। धोनी का विकेट भी पटेल ने निकाला।

चेन्नई ने एक बार फिर शुरुआत में लगातार विकेट गंवाए, हालांकि बीच में जडेजा और ब्रेविस के बीच साझेदारी पनपी और दुबे के क्रीज पर आगमन के बाद ब्रेविस ने दो ओवर के अंतराल में चार छक्के जड़कर चेन्नई की रन गति को बरकरार रखा लेकिन ब्रेविस के आउट होने के बाद एक बार फिर चेन्नई की पारी लड़खड़ा गई जिसके चलते चेन्नई पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाई। हालांकि दीपक हुड्डा ने 22 रनों की पारी खेलकर चेन्नई को 150 के आंकड़े के पार पहुंचाया लेकिन मैदान में ओस भी काफी पड़ रही थी।

सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज 2025 कार्लसन की गैरमौजूदगी में प्रज्ञानानंद खिताब के प्रबल दावेदार

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा सुपरबेट रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट शनिवार से शुरू हो रहा है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में इस बार नॉर्वे के स्टार खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन हिस्सा नहीं ले रहे हैं, जिससे भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद खिताब के सबसे बड़े दावेदारों में शुमार हो गए हैं।

इस टूर्नामेंट में भारत की ओर से आर. प्रज्ञानानंद और अरविंद चिथंबरम भाग ले रहे हैं। कार्लसन की गैरमौजूदगी ने मुकाबले को पूरी तरह खुला बना दिया है और ऐसे में प्रज्ञानानंद की तेजी से खेले जाने वाले फॉर्मेट में सटीकता उन्हें बेहद खतरनाक खिलाड़ी बनाती है। उन्होंने इस साल टाटा स्टील मास्टर्स में विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हराकर खिताब जीता था, जिससे उनके आत्मविश्वास में जबरदस्त इजाफा हुआ है। अरविंद चिथंबरम ने प्राग मास्टर्स में शानदार प्रदर्शन कर यह वाइल्ड कार्ड एंट्री हासिल की है। यह टूर्नामेंट उनके लिए बड़ी परीक्षा की तरह होगा, जहां उन्हें विश्व स्तरीय खिलाड़ियों का सामना करना है।

फ्रांस के अलीरेजा फिरूज़जा को भी खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। वहीं उनके हमवतन मैक्सीम वाचिए-लाग्रेव भी पिछले दशक में फ्रेंच खिलाड़ियों की छवि को आगे बढ़ाने की उम्मीदों के साथ उतरेंगे। पोलैंड के डूडा और अमेरिका के लेवोन अरोनियन भी खिताब की रेस में रह सकते हैं।

विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन ने क्लासिकल फॉर्मेट में अपनी रुचि कम होने की बात स्वीकार करते हुए इस टूर्नामेंट से दूरी बना ली है। वे अब 'फ्रीस्टाइल चेस' की ओर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और हाल ही में लगातार दो टूर्नामेंट जीत चुके हैं।

इस टूर्नामेंट में कुल पुरस्कार राशि 1,75,000 अमेरिकी डॉलर है, और इसके साथ-साथ पूरे सीजन के अंत में ग्रैंड प्राइज का हिस्सा बनने का मौका भी मिलेगा। हर टूर्नामेंट में प्रदर्शन के आधार पर अंक मिलते हैं, जो अंत में ग्रैंड चेस टूर के विजेता का फैसला करेंगे।

विराट से बात कर उत्साहित हैं निहाल

पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज निहाल वढेरा ने इस आईपीएल में सत्र में अब तक अच्छा प्रदर्शन कर सभी का ध्यान खींचा है। निहाल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ जीत में भी अहम भूमिका निभाई थी। वहीं निहाल इस बात से बेहद उत्साहित हैं कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली उन्हें नाम से जानते हैं। निहाल के अनुसार विराट ने जब उन्हें बातचीत के दौरान खेल की बारीकियां बताये तो ये उनके लिए सबसे बड़ा अनुभव था। वढेरा ने कहा, 'जब मैच से पहले विराट भाई श्रेयस अय्यर से बात कर रहे थे और उन्होंने पंजाबी में मुझसे पूछा 'की हाल चाल, निहाल तो मैं हैरान रहा गया था। मुझे उम्मीद नहीं थी कि उन्हें मेरा नाम याद होगा। इससे मुझे बहुत खुशी हुई। वढेरा ने कहा कि उसी पल से उन्हें विराट के साथ बात करने का अवसर मिला। जिसका वह लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'पिछले साल में सभी से कहता था कि मुझे एक बार विराट भाई से बात करनी है।

युवराज ट्रेनिंग दें तो गेल की तरह बन सकते हैं अर्जुन तेंदुलकर : योगराज

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

पूर्व क्रिकेटर से कोच बने योगराज सिंह ने अब दावा किया है कि सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर क्रिस गेल जैसे खिलाड़ी बन सकते हैं। अपने बयानों के कारण विवादों में रहने वाले योगराज ने कहा, अर्जुन को लेकर मैंने कहा है कि उन्हें अपनी गेंदबाजी पर कम और बल्लेबाजी पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

साथ ही कहा कि अगर युवराज सचिन के बेटे को तीन महीने के लिए भी ट्रेनिंग देते हैं तो मुझे भरोसा है कि वह अगले क्रिस गेल बन जाएंगे। साथ ही कहा कि अगर कोई तेज गेंदबाज स्ट्रेस फ्रैक्चर से गुजरता है, तो वह प्रभावी ढंग से गेंदबाजी नहीं कर पाता। ऐसे में मुझे लगता है कि अर्जुन को कुछ समय के लिए युवराज को सौंप दिया जाना चाहिए।

अर्जुन ने 2022 में रणजी ट्रॉफी की शुरुआत से पहले 12 दिनों के लिए योगराज सिंह से प्रशिक्षण लिया था। इसके बाद पोरवोरिम में गोवा के लिए खेलते हुए अर्जुन ने रणजी ट्रॉफी में अपने डेब्यू पर शतक बनाया था। योगराज ने कहा, सचिन का बेटा, अगर 12 दिनों के लिए यहां आता है और 100 रन बनाता है। जब उसने डेब्यू पर शतक बनाया और फिर आईपीएल में वापस लौटा, तो लोग डर गए, क्या होगा अगर उसका (अर्जुन का) नाम मेरे साथ जुड़ गया क्या आप समझ रहे हैं कि मेरा क्या मतलब है इसलिए लोग अपने नाम के पीछे टैग लगने से डरते हैं। मैंने युवराज से कहा कि सचिन को बोलो उसे एक साल के लिए मेरे पास छोड़ दो और फिर परिणाम देखो।

आईपीएलः सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंचे विराट कोहली

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल) में गुरुवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और राजस्थान रॉयल्स के बीच हुए मुक़ाबले के बाद सर्वाधिक रन बनाने वालों और विकेट लेने वालों की सूची में कई बदलाव हुए।

साई सुदर्शन शीर्ष पर कायम, कोहली दूसरे स्थान पर पहुंचे

गुजरात टाइटंस के युवा बल्लेबाज बी. साई सुदर्शन 417 रन बनाकर अब भी पहले स्थान पर बने हुए हैं। उन्होंने आठ मैचों में 52.12 की औसत और 152.18 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं।

वहीं, विराट कोहली ने लगातार दूसरा अर्धशतक जमाते हुए ऑरेंज कैप की दौड़ में लंबी छलांग लगाई है। राजस्थान के खिलाफ उन्होंने 42 गेंदों में 70 रन बनाए और अब उनके नाम नौ पारियों में 392 रन हो गए हैं।

निकोलस पूरन खिसके, सूर्यकुमार चौथे नंबर पर

लखनऊ सुपर जायंट्स के निकोलस पूरन ने प्रतियोगिता की शुरुआत धमाकेदार अंदाज़ में की थी और काफी मैचों तक सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने रहे। लेकिन हाल के मुकाबलों में खराब फॉर्म की वजह से अब वह तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। उनके नाम 377 रन हैं।

मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव इस सत्र में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने हर मैच में उपयोगी योगदान दिया है और अब 373 रनों के साथ चौथे स्थान पर हैं।

पर्पल कैप की दौड़: हेज़लवुड ने पकड़ी रफ्तार

गुजरात टाइटंस के तेज़ गेंदबाज़ प्रसिद्ध कृष्णा अब भी सर्वाधिक विकेट लेकर पर्पल कैप धारक हैं। उन्होंने आठ मैचों में 16 विकेट लिए हैं। लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के जोश हेज़लवुड ने राजस्थान के खिलाफ 4 विकेट लेकर 16 विकेट पूरे कर लिए हैं। हालांकि उनकी रनगति (इकोनॉमी रेट) अधिक होने के कारण वह दूसरे स्थान पर हैं।

12 विकेट लेने वाले गेंदबाजों की होड़

प्रसिद्ध कृष्णा और जोश हेज़लवुड के बाद सात गेंदबाज ऐसे हैं जिनके नाम 12-12 विकेट हैं। इनमें आरसीबी के क्रुणाल पांड्या (2 विकेट बनाम राजस्थान) नया नाम हैं। अन्य गेंदबाजों में गुजरात टाइटंस के आर. साई किशोर और मोहम्मद सिराज, चेन्नई सुपर किंग्स के नूर अहमद, दिल्ली कैपिटल्स के कुलदीप यादव, मुंबई इंडियंस के हार्दिक पांड्या और लखनऊ सुपर जायंट्स के शार्दुल ठाकुर शामिल हैं।

इनमें सबसे किफायती गेंदबाज़ कुलदीप यादव हैं - 6.50 की रनगति के साथ, जबकि नूर अहमद 7.66 के रनगति के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

वैभव के सितारे उसे बनाएंगे विराट जैसा क्रिकेटर !

नई दिल्ली। 14 साल की उम्र में आईपीएल खेलने वाले वैभव सूर्यवंशी के भविष्य में विराट कोहली जैसा क्रिकेटर बनने की उम्मीद जतायी जा रही है। बिहार के समस्तीपुर में जन्मे वैभव ने केवल 12 साल की उम्र में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में डेब्यू किया और 14 साल 23 दिन की उम्र में आईपीएल में डेब्यू किया और अब राजस्थान रॉयल्स लिए वह खेला रहा है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार वैभव की कुंडली धनु लग्न की है जिसमें राहु-चंद्र युति बनी हुई है। धनु लग्न में राहु (3 डिग्री) और चंद्रमा (27 डिग्री): अत्यधिक महत्वाकांक्षा, रातोंरात प्रसिद्धि की संभावना पैदा कर रहा है। तीसरे भाव में शुक्र और नेपच्यून वैभव सूर्यवंशी को बेमिसाल टाइमिंग, एस्थेटिक बैटिंग स्टाइल दे रहा है. वहीं कुंडली के चतुर्थ भाव में सूर्य, बुध, गुरु और मंगल ग्रह का दुर्लभ योग क्रिकेट को लेकर स्थायित्व, तकनीक, और शारीरिक सामर्थ्य को दर्शा रहा है। दशम भाव में शनि देव मेहनत से उभरने वाला, बड़ा बनने की पूरी क्षमता प्रदान कर रहे हैं।वर्तमान में इस खिलाड़ी की कुंडली में चंद्रमा महादशा और राहु अंतरदशा (2023-2025) चल रही है. यह समय होता है जब कोई खिलाड़ी अचानक मीडिया की नजर में आता है, कोई रिकॉर्ड बनाता है या बड़े टूर्नामेंट्स में चुना जाता है।

खबरें जो सोच बदल दें
शुभ लाभ

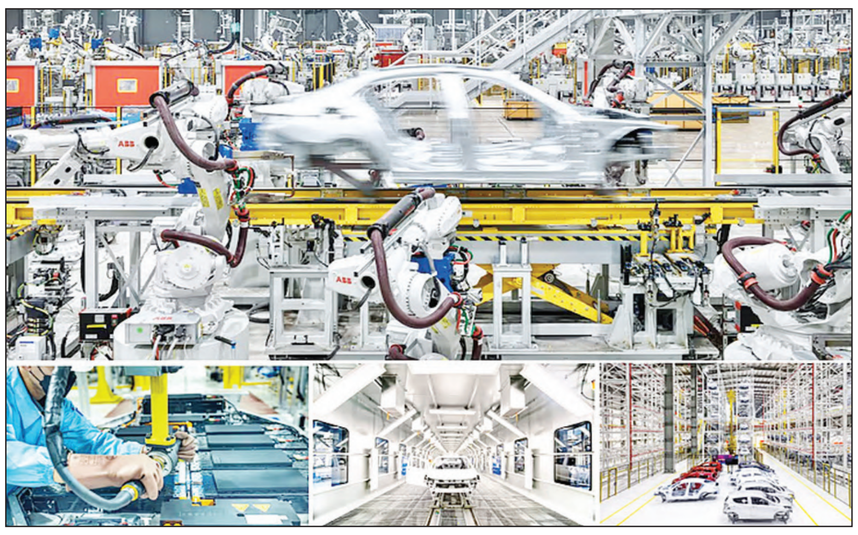

विनफास्ट तमिलनाडु के थूथुकुडी में जून तक अपना विनिर्माण प्लांट शुरू करेगी

चेन्नई, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

वियतनामी इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता विनफास्ट भारतीय बाजार में उतरने को तैयार है। कंपनी ने घोषणा की है कि वह तमिलनाडु के थूथुकुडी में जून के अंत तक अपना विनिर्माण प्लांट शुरू करेगी।

इसकी जानकारी कंपनी के सीईओ फाम सन्ह चाउ ने दी। विनफास्ट की मूल कंपनी विंगग्रुप के प्रमुख फाम न्हाट वुओंग ने बताया कि अब कंपनी वियतनाम के बाहर इंडोनेशिया, भारत और फिलीपींस जैसे बाजारों पर फोकस करेगी।

ईवी का उत्पादन 2026 में शुरू होने की संभावना

तमिलनाडु सरकार के साथ हुए करार के तहत विनफास्ट राज्य में 2 अरब डॉलर तक का निवेश करेगी। प्रोजेक्ट के पहले चरण में 500 मिलियन डॉलर खर्च होने हैं, और प्लांट की सालाना उत्पादन क्षमता 1.5 लाख वाहनों की होगी। इस यूनिट से ईवी का उत्पादन 2026 में शुरू होने की संभावना है। इसके अलावा कंपनी देशभर में चार्जिंग स्टेशनों का नेटवर्क तैयार करेगी। वी-ग्रीन नाम की समूह कंपनी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए सह-निवेशकों की तलाश में है।

थूथुकुडी को चुनने की वजह बताकर चाउ ने कहा कि यह पोर्ट और एयरपोर्ट के करीब है, जिससे निर्यात में सुविधा मिलेगी। कंपनी भारत को घरेलू बाजार के साथ-साथ पश्चिम एशिया और अफ्रीका के लिए भी एक अहम केंद्र के रूप में देख रही है। इस प्रोजेक्ट से स्थानीय स्तर पर 3,000 से ज्यादा रोजगार के मौके बनने की उम्मीद है। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में विनफास्ट ने वीएफ 6 और वीएफ 7 नाम की दो प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी की झलक दिखाई थी, जिन्हें इस साल के अंत तक लांच किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

भारत में पहली बार ईवी की बिक्री 20 लाख यूनिट के पार

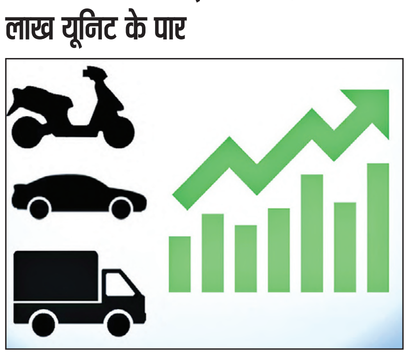

नई दिल्ली। भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) की बिक्री पहली बार 20 लाख यूनिट के पार पहुंच गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस वित्त वर्ष के दौरान देश में कुल 20,26,184 यूनिट इलेक्ट्रिक वाहन बिके, जो सालाना आधार पर 15.31 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दर्शाता है। इस उपलब्धि में सबसे बड़ा योगदान इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स का रहा, जिनकी कुल 12,03,223 यूनिट्स बिकीं। ईवी सेगमेंट में इनकी हिस्सेदारी 59.38 प्रतिशत रही। टू-व्हीलर बिक्री में 18.76 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गई। ओला इलेक्ट्रिक ने इस सेगमेंट में अपना दबदबा कायम रखते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि टीवीएस मोटर और बजाज ऑटो भी प्रमुख कंपनियों में शामिल रहीं। इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर्स बिक्री के मामले में दूसरे नंबर पर रहे। इस वर्ग में कुल 7,02,799 यूनिट्स बिकीं, जो ईवी मार्केट में 34.68 प्रतिशत की हिस्सेदारी को दर्शाता है। थ्री-व्हीलर बिक्री में 9.63 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई, और महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी ने इस श्रेणी में लीड किया। वहीं, इलेक्ट्रिक कारों की बात करें तो भारत में कुल 1,10,748 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई, जिसकी हिस्सेदारी ईवी मार्केट में 4.57 प्रतिशत रही। टाटा मोटर्स ने 53.10 प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ इस सेगमेंट में अग्रणी स्थान पाया, जबकि एमजी मोटर्स दूसरे नंबर पर रही।

ईएसआई योजना के तहत फरवरी में जोड़े गए 15.43 लाख नए कर्मचारी

नई दिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) योजना के तहत फरवरी में कुल 15.43 लाख नए कर्मचारी जोड़े गए हैं। इसके अलावा फरवरी, 2025 में 23,526 नए प्रतिष्ठानों को ईएसआई योजना के सामाजिक सुरक्षा दायरे में लाया गया है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि ईएसआईसी की जारी अनंतिम पेरोल आंकड़ों के मुताबिक फरवरी, 2025 में 15.43 लाख नए कर्मचारी जोड़े गए हैं। मुताबिक फरवरी, 2025 के महीने में 23,526 नए प्रतिष्ठानों को ईएसआई योजना के सामाजिक सुरक्षा दायरे में लाया गया है, जिससे अधिक श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। आंकड़ों के मुताबिक फरवरी माह के दौरान ईएसआईसी योजना के तहत जोड़े गए कुल 15.43 लाख कर्मचारियों में से 25 वर्ष तक की आयु वर्ग के 7.36 लाख कर्मचारी, जो कुल पंजीकरण का लगभग 47.7 फीसदी हैं। पेरोल आंकड़ों का लिंग-वार विश्लेषण यह दर्शाता है कि फरवरी, 2025 में महिला सदस्यों का शुद्ध नामांकन 3.35 लाख रहा है। इसके अलावा फरवरी, 2025 में ईएसआई योजना के तहत कुल 74 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों ने भी पंजीकरण कराया है, जो समाज के हर वर्ग को अपने लाभ पहुंचाने की कर्मचारी राज्य बीमा निगम की प्रतिबद्धता को प्रमाणित करता है।

ओपो ने ड्यूरेबिलिटी के साथ हाई-परफॉर्मेंस स्मार्टफोन ए5 प्रो लांच किया

मुंबई। ओपो ने भारत में अपना नया बजट 5जी स्मार्टफोन ओपो ए5 प्रो लांच किया है। यह ए-सीरीज का एक मजबूत और फीचर से भरपूर फोन है, जिसे खास तौर पर इसतरह के यूजर्स के लिए डिजाइन किया गया है जो ड्यूरेबिलिटी के साथ हाई-परफॉर्मेंस स्मार्टफोन चाहते हैं। फोन को दो वेरिएंट्स में लांच किया गया है 8जीबी रैम+ 128जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 17,999 रुपये और 8जीबी रैम+ 256 जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 19,999 रुपये रखी गई है। यह दो रंगों में मिलेगा। फोन की सबसे बड़ी खासियत इसकी मजबूती है। ओपो ए5 प्रो में 360 अरमर बॉडी दी गई है जो 14 मिलिट्री ग्रेड टेस्ट पास कर चुकी है। यह आईपी66, आईपी 68 और आईपी 69 रेटिंग्स के साथ आता है, जिससे यह फोन पानी, धूल और दुर्घटना स्पिल्स जैसे कॉफी या दूध से भी सुरक्षित रहता है। डिस्प्ले को गोरिल्ला गिलास 7आई की प्रोटेक्शन मिलती है जो फोन को स्क्रैच और ब्रेकेज से बचाती है। फोन में 6.67 इंच का एचडी+ एलसीडी डिस्प्ले है जो 120 एचजेड रिफ्रेश रेट और 1000 निट्स ब्राइटनेस के साथ आता है। इसमें 5800 एमएएच की बड़ी बैटरी दी गई है जो 45वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। सिक्योरिटी के लिए साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट स्कैनर मौजूद है। फोन में 6एनएम मीडिया टेक डाईमेनसिटी 6300 चिपसेट है, जो एंड्राइड 15 आधारित कलरओएस15 पर चलता है।

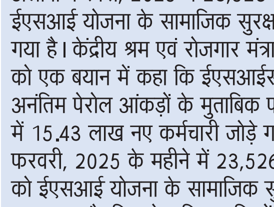

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आदिल राजा का...

सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने आईएसआई को अधिकृत कश्मीर के पहलगाम में घटना को अंजाम देने का आदेश दिया था। मुझे पता है कि इस जानकारी को शेयर करने के लिए हम भारतीय एजेंट कहलाएंगे, लेकिन यह एक तथ्य है।

असीम मुनीर का हिसाब कौन देगा? विशेष रूप से एक ऐसी प्रणाली में जहां वह सुपर किंग है!

हमें अतीत की कहानियों की तरह असत्यापित कहानियों पर विश्वास करने के बारे में सावधान रहना चाहिए। असीम मुनीर को जरूरत पड़े तो नेतृत्व से हटा दो क्योंकि जिनकी मानसिक स्थिति संदिग्ध हो उन्हें जरूरत नहीं क्योंकि बड़े लश्कर में ऐसे लोग चाहिए। नेतृत्व नहीं करना चाहिए, अन्यथा महाविपत्ति होगी।

बता दें कि इस हमले की जिम्मेदारी लेने वाला आतंकी संगठन टीआरएफ, जो पाकिस्तान में ही बनाया गया था, वह आईएसआई से सीधे फंडिंग पाता है। यही नहीं, इस संगठन के सरगना को पाकिस्तान सरकार द्वारा सुरक्षा और शरण दोनों प्रदान की जाती है।

टीआरएफ और आईएसआई जैसे संगठनों का लक्ष्य सिर्फ कश्मीर नहीं, पूरे भारत में खौफ और अस्थिरता फैलाना है। पहलगाम में हुए नरसंहार में 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या सिर्फ एक आतंकी हमला नहीं था- यह भारत की आत्मा पर हमला था। और इसकी स्क्रिप्ट रची गई रावलपिंडी के बंद कमरों में।

वहीं अब भारत के एक्शन मोड़ में आने के बाद इस्लामी कट्टरता को पालने और भेजने वाला पाकिस्तान अपने ही लोगों के क्रोध का शिकार बन रहा है। पाकिस्तान के भीतर भी लोग मान रहे हैं कि मुनीर और उसकी खुफिया मशीनरी आतंकवाद की जननी है। क्योंकि जहां एक तरफ पहले से ही पाकिस्तान की आम जनता भूखी मर रही है, महंगाई की मार झेल रही है, वहीं आईएसआई और पाक आर्मी आतंकियों को पालने पर अरबों खर्च कर रही है।

आने वाले समय में भारत द्वारा कई कड़े फैसले लेने के बाद पाकिस्तान की स्थिति और बिगड़ेगी। जिसके चलते पाकिस्तानी लोगों के अंदर सरकार और सेना के विरुद्ध असंतोष पनप रहा है। वहीं इमरान खान समर्थक भी पत्रकार आदिल राजा की पोस्ट को जमकर शेयर कर असीम मुनीर को हटाने की मांग कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में सेना ...

अल्पकालिक तथा दीर्घकालिक उपायों और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच एकीकरण और समन्वय की समीक्षा की गई। सेना प्रमुख जम्मू-कश्मीर स्थित विक्टर फोर्स और 15 कोर मुख्यालय भी गए। उन्हें मौजूदा स्थिति की जानकारी दी गई। सेना प्रमुख के इस दौरे में विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच एकीकरण और समन्वय की भी समीक्षा की गई। सेना प्रमुख ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भी मुलाकात की। वहीं, राज्य के पुलिस महानिदेशक से हालात की जानकारी ली।

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद सेना प्रमुख श्रीनगर पहुंचे हैं। यहां उन्होंने सेना की उत्तरी कमान के कमांडर के साथ सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा भी की।

सेना प्रमुख से बातचीत के दौरान उपराज्यपाल ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले का हर अपर-ाधी और समर्थक, चाहे वह किसी भी स्थान या संबद्धता का हो, पकड़ा जाना चाहिए। आतंकवादियों को हमारे नागरिकों के खिलाफ कायरतापूर्ण और नृशंस कृत्य की भारी कीमत चुकानी होगी। उन्होंने जनरल उपेंद्र द्विवेदी से कहा कि वह न केवल पहलगाम आतंकवादी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए प्रभावी कदम उठाएं, बल्कि आतंकवाद के बुनियादी ढांचे और उसके पारिस्थितिकी तंत्र को कुचलने के प्रयासों को भी तेज करें।

गौरतलब है कि शुक्रवार सुबह पाकिस्तान द्वारा नियंत्रण रेखा पर कुछ जगहों पर छोटे हथियारों से गोलीबारी की गई। भारतीय सेना ने इसका प्रभावी तरीके से जवाब दिया है।

अमेरिका का बड़ा ...

हम भारत के साथ एकजुट हैं, जिसमें पहलगाम में 26 हिंदुओं को निशाना बनाकर मार डाला गया। मेरी प्रार्थनाएं और गहरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया. हम आपके साथ हैं और इस जघन्य हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को दबोचने में आपका समर्थन करेंगे।

बता दें कि पहलगाम में हुआ यह आतंकी हमला कश्मीर में अब तक का सबसे बर्बर हमलों में से एक है, जिसमें 26 पर्यटकों को निशाना बनाकर मार डाला गया। भारत सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि हमले के जिम्मेदारों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। क्षेत्र में सुरक्षा और खुफिया तंत्र को अलर्ट पर रखा गया है। साथ ही आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान पर भी कई तरह की पाबंदियां भारत ने लगाई हैं।

उल्लेखनीय है कि यह घटना अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टैमी ब्रूस द्वारा पहलगाम आतंकी हमले के बारे में पूछने वाले एक पाकिस्तानी पत्रकार की बात सुनने से इनकार करने के कुछ घंटों बाद हुई है।

ब्रूस ने कहा था, राष्ट्रपति ट्रंप और सचिव रुबियो ने स्पष्ट कर दिया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका भारत के साथ खड़ा है और आतंकवाद के सभी कृत्यों की कड़ी निंदा करता है। हम मारे गए लोगों के जीवन के लिए प्रार्थना करते हैं और घायलों के स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं तथा इस जघन्य कृत्य के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान करते हैं।

पहलगाम हमले से...

रैली में जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर के भाई तल्हा सैफ और दोनों संगठनों के कई अन्य शीर्ष आतंकवादी कमांडर भी शामिल थे।

श्मीर एकजुटता और हमास ऑपरेशन अल अक्सा फ्लड शीर्षक वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य यह संदेश देना था कि कश्मीर और फिलिस्तीन दोनों ही पैन-इस्लामिक जिहाद के विषय हैं। इस दौरान भारत और इजरायल के खिलाफ एकजुट होने की अपील की गई।

इजराइली राजदूत ने भी क्षेत्र में अशांति को बढ़ावा देने के लिए आतंकवादी संगठनों के साथ पाकिस्तान की सांठगांठ पर अपनी चिंता व्यक्त की थी।

भारत में इजरायल के राजदूत रियुवेन अजार ने 26 फरवरी, 2025 को आईएएनएस को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा, दुर्भाग्य से, आतंकवादी संगठन नेटवर्क में काम करते हैं और कई बार वे एक-दूसरे को समर्थन देने के तरीके ढूंढ लेते हैं, जो न केवल हमारे क्षेत्र के लिए, बल्कि कई देशों के लिए हानिकारक होता है।अजार ने कहा, उदाहरण के लिए, कुछ सप्ताह पहले ही पीओके में हमास के नेताओं की एक बैठक हुई थी, जो यह बताती है कि किस तरह ये आतंकवादी संगठन एक-दूसरे को प्रेरित कर रहे हैं... जाहिर है, वे अपने साझा लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सहयोग कर रहे हैं, जो हमें और आपको आतंकित करना है। इसलिए, यह ऐसी चीज है जिस पर हमें ध्यान देना होगा।

अजार ने गुरुवार को कश्मीर में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले और 7 अक्टूबर को 2023 में हुए नरसंहार के बीच समानताएं बताते हुए कहा कि हमास के आतंकवादियों को पाकिस्तान में आमंत्रित किया जाना भविष्य के लिए एक बुरा संकेत है।

अजार ने कहा कि, यह एक क्रूर और बर्बर हमला है। यह चौंकाने वाला है। यह बिल्कुल अस्वीकार्य है। हम जो कुछ भी कर सकते हैं, वह करना चाहिए, न केवल अपराधियों को पकड़ने के लिए बल्कि ऐसी घटनाओं को फिर से होने से रोकने के लिए भी।

उन्होंने गुरुवार को कहा, आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता, उसे संदर्भों में नहीं रखा जा सकता, उसे उचित नहीं ठहराया जा सकता। यह तथ्य कि हमास के आतंकवादियों को पाकिस्तान में आमंत्रित किया गया, आने वाले समय के लिए एक बुरा संकेत है, क्योंकि ये आतंकवादी एक-दूसरे की नकल कर रहे हैं, एक-दूसरे को प्रेरित कर रहे हैं, और हमें उनके खिलाफ खुद का बचाव करना होगा।

इजरायली राजदूत ने कहा, स्थिति वही है जिसमें लोग संगीत समारोह में जा रहे थे और उनका नरसंहार किया गया, यहां लोग छुट्टी पर थे और उनका नरसंहार किया गया। यह मृत्यु पंथ है, धर्म की विकृत व्याख्या, वर्चस्ववादी विचार - लोग सोचते हैं कि मानवता के हर मानदंड का उल्लंघन करके, वे कुछ हासिल कर लेंगे। यह ऐसी चीज है जिसे पूरी तरह से खत्म किया जाना चाहिए। यही कारण है कि इजरायल ने हमास पर हमला करने का संकल्प लिया। हम अपने सिद्धांतों, अपने कानूनों और अपने मूल्यों की रक्षा करते हुए ऐसा करना जारी रखेंगे। और मुझे यकीन है कि भारत भी ऐसा ही करने जा रहा है।

पाकिस्तान बॉर्डर पर...

हरकत हो सकती है। जानकारी के अनुसार भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक स्थित गांव चक्क बाला दरिया में एक किसान के खेत से पंजाब पुलिस और बीएसएफ की 117 बटालियन की संयुक्त कार्रवाई में यह बरामदगी हुई है। गेहूं के खेत से दो बड़े पैकेटों में से 5 हैंड ग्रेनेड, 3 पिस्तौल, 8 मैगजीन, 220 जिंदा कारतूस, 4.5 किलो विस्फोटक (आरडीएक्स), 2 बैटरी चार्जर और 2 रिमोट बरामद हुए हैं। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। पंजाब पुलिस और सेना की कई टीमें मौके पर पहुंच चुकी हैं और जांच जारी है।

पुलिस अधिकारी का का कहना है कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर यह सर्च ऑपरेशन चलाया गया। खेत से मिली सामग्री इस ओर इशारा करती है कि इसका इस्तेमाल किसी बड़ी आतंकी साजिश में किया जा सकता था। फिलहाल जांच जारी है और सभी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया है।

केंद्र सरकार ने...

सरकार के अनुसार, 2016 से अब तक वक्फ संपत्ति में 116 गुना की वृद्धि दर्ज की गई है। केंद्र ने स्पष्ट किया कि वक्फ बोर्ड एक मुस्लिम धार्मिक संस्था नहीं है। इसमें किया गया संशोधन संविधान के अनुरूप है। इसमें मौलिक अधिकारों का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है।सरकार ने यह भी बताया कि वक्फ काउंसिल और वक्फ बोर्ड में 22 सदस्यों में से अधिकतम दो गैर-मुस्लिम हो सकते हैं, जो समावेशी प्रतिनिधित्व का संकेत है।सरकार ने अपने जवाब में यह भी कहा कि पिछले 100 वर्षों से वक्फ बाय यूजर मौखिक नहीं, बल्कि रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के तहत ही होता रहा है। अदालत अब इस मामले की पूरी सुनवाई के बाद निर्णय लेगी।

हिंदू कभी धर्म...

सभी दुखी हैं, हमारे दिलों में गुस्सा है जैसा कि होना चाहिए, क्योंकि राक्षसों का नाश करने के लिए अपार शक्ति की आवश्यकता होती है। लेकिन कुछ लोग इस बात को समझने को तैयार नहीं हैं, और उनमें अब किसी भी तरह का बदलाव नहीं हो सकता।

भागवत ने कहा कि रावण भगवान शिव का भक्त था, वेदों का ज्ञाता था, एक अच्छा इंसान बनने के लिए जो कुछ भी चाहिए वो सब उसके पास था, लेकिन उसने जो मन और बुद्धि अपनाई थी वो बदलने को तैयार नहीं थी। रावण तब तक नहीं बदल सकता था जब तक वो मर कर दोबारा जन्म न ले। इसीलिए राम ने रावण को बदलने के लिए उसे मारा। बुरे लोगों का खात्मा होना चाहिए, यही अपेक्षा है। ये अपेक्षा पूरी होगी।

आपकी दादी भी...

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि क्या आपके मुवक्किल को पता है कि महात्मा गाँधी ने भी वायसराय को संबोधित करते समय 'आपका वफादार सेवक' शब्द का इस्तेमाल किया था? क्या आपके मुवक्किल को पता है कि उनकी दादी (इंदिरा गाँधी) जब प्रधानमंत्री थीं, तो उन्होंने भी स्वतंत्रता सेनानी सावरकर की प्रशंसा करते हुए एक पत्र भेजा था?

पीठ ने राहुल गाँधी के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से कहा, क्या उन्हें ये बातें पता हैं? उन्हें स्वतंत्रता सेनानियों के इतिहास और योगदान को समझे बिना इस तरह के गैर-जिम्मेदाराना बयान नहीं देने चाहिए। मामला उस याचिका से जुड़ा है जिसमें राहुल गाँधी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें मजिस्ट्रेट कोर्ट द्वारा जारी समन को रद्द करने से इनकार किया गया था।

हाईकोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए कहा था कि राहुल गाँधी को पहले दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 397 के तहत सत्र न्यायालय में अपील करनी चाहिए थी। अधिवक्ता नृपेंद्र पांडे ने नवंबर 2022 में राहुल गाँधी की टिप्पणी को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। अधिवक्ता ने आरोप लगाया कि गाँधी की टिप्पणियाँ समाज में नफरत फैलाने के इरादे से की गई थीं।

ट्रायल कोर्ट ने इन बयानों को प्रथम दृष्टया अपराध मानते हुए गाँधी को समन जारी किया था। बाद में कोर्ट ने गैर-हाजिर रहने पर उन पर 200 रुपए का जुर्माना भी लगाया। फिलहाल, सुप्रीम कोर्ट ने समन पर रोक लगाते हुए, यह भी स्पष्ट कर दिया कि भविष्य में स्वतंत्रता सेनानियों पर कोई भी गैर-जिम्मेदाराना बयान अदालत की नजर में आएगा।

तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (25 अप्रैल 2025) को कॉन्ग्रेस नेता राहुल गाँधी द्वारा स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर पर की गई टिप्पणी को लेकर कड़ी आपत्ति जताई। राहुल गाँधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कहा था कि सावरकर अंग्रेजों के सहयोगी थे और उन्हें उनसे पेंशन मिलती थी।

सरकार जो कदम...

परास्त कर सकें। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हर एक भारतीय एकजुट होकर खड़ा हो, साथ खड़ा हो, ताकि हम आतंकवादियों द्वारा की जा रही कोशिशों को परास्त कर सकें। यह देखकर दुख होता है कि कुछ लोग कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों से मेरे भाइयों और बहनों पर हमला कर रहे हैं और मुझे लगता है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम सभी एक साथ खड़े हों, एकजुट होकर इस घिनौनी कार्रवाई का मुकाबला करें और आतंकवाद को हमेशा के लिए परास्त करें।

कांग्रेस नेता ने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री और एलजी से भी मुलाकात की, और उन्होंने मुझे जो कुछ हुआ उसके बारे में जानकारी दी, और मैंने उन दोनों को आश्वासन दिया कि मेरी पार्टी और मैं उनका पूरा समर्थन करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं यहां यह जानने आया हूं कि क्या हो रहा है और मदद करने आया हूं। जम्मू-कश्मीर के सभी लोगों ने इस भयानक कार्रवाई की निंदा की है और उन्होंने राष्ट्र का पूरा समर्थन किया है। मैंने घायल हुए लोगों में से एक से मुलाकात की।

उन्होंने कहा कि मेरा प्यार और स्नेह उन सभी लोगों के प्रति है जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया है, और मैं चाहता हूँ कि सभी को पता चले कि पूरा देश एक साथ खड़ा है। कल हमने सरकार के साथ बैठक की, और संयुक्त विपक्ष ने इस कार्रवाई की निंदा की और कहा कि हम सरकार द्वारा की जाने वाली किसी भी कार्रवाई का समर्थन करने के लिए तैयार हैं। जो कुछ हुआ है उसके पीछे समाज को विभाजित करने, भाई को भाई से लड़ाने का विचार है। और यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हर एक भारतीय एकजुट हो, एक साथ खड़ा हो, ताकि हम आतंकवादियों द्वारा की जा रही कोशिशों को विफल कर सकें।

सिंधु जल...

के लोगों को परेशानियों के सिवा कुछ नहीं दिया है।सिंधु जल संधि समाप्त करने की मांग करने वालों में सबसे प्रमुख स्वर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला और मौजूदा सीएम उमर अब्दुल्ला का भी है। वे पिछले कई साल से यह मांग दोहरा रहे हैं। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जम्मू कश्मीर के दौरे के दौरान भी फारूक अब्दुल्ला ने यह मांग की थी। वाकई, यह अजीबोगरीब समझौता था जो अपनी ही जमीन से बहने वाले पानी का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं देता था।

सैन्य विशेषज्ञ भी कहते हैं कि सिंधु जल समझौता खत्म करने से पाकिस्तान के साथ युद्ध लड़ने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। पाकिस्तान में पानी के लिए हाहाकार मच जाएगा और बदले में भारत जम्मू कश्मीर से पाकिस्तान को अपना हाथ पीछे खिंचने के लिए मजबूर कर सकता है। कश्मीर के आम नागरिकों का भी मानना है कि अगर देश को पाकिस्तानी आतंकवाद से बचाना है तो उसे यह करना होगा और अंतरराष्ट्रीय दबाव के आगे झुकना स्वीकार नहीं करना होगा।अगर इस संधि को पूरी तरह से खत्म कर दिया जाए तो पाकिस्तान में सबसे बड़ा प्रभाव कृषि क्षेत्र पर होगा। पाकिस्तान की 47 मिलियन एकड़ कृषि भूमि इन नदियों पर निर्भर है। पानी की कमी से गेहूं, चावल, गन्ना और कपास की फसलों की पैदावार घटेगी, जिससे खाद्य सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। इससे खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ेंगी और आयात पर निर्भरता बढ़ेगी, जो पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार को और कमजोर करेगा। आर्थिक रूप से, कृषि क्षेत्र, जो पाकिस्तान के जीडीपी का 25 परसेंट हिस्सा है, प्रभावित होगा। कपड़ा और खाद्य प्रसंस्करण जैसे उद्योग भी ठप हो सकते हैं। जलविद्युत उत्पादन में कमी से बिजली संकट गहराएगा। इसके अलावा, पंजाब और सिंध में पेयजल की कमी से सामाजिक अस्थिरता बढ़ सकती है। यही कारण है कि पाकिस्तान ने विश्व बैंक में अपील की मांग की है, लेकिन भारत का यह कदम पड़ोसी देश को आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर कर सकता है। दरअसल इस जल संधि में विश्व बैंक गारंटर के तौर पर शामिल है।

पानी रोकने में...

स्पष्ट शब्दों में कहें तो यह संधि ही सारे फसाद की जड़ है। कश्मीर की बेरोजगारी तथा आर्थिक विकास न होने के लिए भी यही दोषी ठहराई जा सकती है। इस संधि के तहत कश्मीर सरकार अपने जहां बहने वाले तीनों नदियों का पानी एकत्र कर नहीं रख सकती।

अर्थात उसे ऐसा करने का कोई हक नहीं। साथ ही इन दरियाओं पर बनने वाले बांधों की अनुमति भी पाकिस्तान से लेनी पड़ती है। तभी तो चेनाब नदी पर बन रही बग्लिहार पनबिजली परियोजना में पाकिस्तान अड़ंगा लगाए है। इस परियोजना के डिजाइन पर पाकिस्तान को आपत्ति है कि यह परियोजना प्रतिदिन 7000 क्यूसेक पानी का बहाव प्रभावित करेगी।

पाकिस्तान की बात तो भारत सरकार सुनती रही है। तभी तो पाक विशेषज्ञों की टीम को बगलिहार परियोजना स्थल के निरीक्षण की अनुमति दे दी गई थी। लेकिन कश्मीर सरकार की बातों को भारत सरकार अनसुना करती रही है। इस जलसंधि के कारण प्रतिवर्ष राज्य को होने वाले 8000 करोड़ के घाटे की भरपाई कौन करेगा?

आज नीचभंग राजयोग से मेष समेत अन्य राशियों के जातक पाएंगे लाभ

आज शनिवार है जिसके स्वामी ग्रह शनि हैं जो गुरु की राशि में बैठे हैं और चंद्रमा एवं शुक्र बुध के साथ युति भी बना रहे हैं। साथ ही कल चैत्र मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि है जो भगवान शिव को समर्पित है और इस दिन मास शिवरात्रि व्रत भी है। जबकि कल चंद्रमा से तीसरे भाव में गुरु विराजमान होकर शुभ लाभदायक वसुमति योग बना रहे हैं। इन सबके बीच आज उत्तराभाद्रपद और रेवती नक्षत्र का भी संयोग बन रहा है। और इसके साथ ही साथ कल के दिन बुध का नीचभंग राजयोग भी बन रहा है, ऐसे में आज शनिवार का दिन भगवान भोलेनाथ की कृपा और नीचभंग राजयोग से मेष, मिथुन समेत अन्य राशियों के लिए भाग्यशाली रहेगा।

आज शनिवार है ऐसे में आज का दिन शनि ग्रह के प्रभाव में रहेगा। जबकि आज चैत्र मास की कृष्णपक्ष की चतुर्दशी तिथि होने से कल मासिक शिवरात्रि का भी संयोग बना है जो भगवान शिव को समर्पित है और ऐसे में कल के देवता भगवान शिव होंगे जबकि कल चंद्रमा मीन राशि में संचार करेंगे और चंद्रमा से तीसरे भाव में गुरु विराजमान होकर वसुमति योग बनाएंगे। इसके अलावा आज रेवती नक्षत्र और उत्तराभाद्रपद नक्षत्र का भी शुभ संयोग बन रहा है। और आज मीन राशि में स्थित बुध नीचभंग राजयोग भी बना रहे हैं, जिससे मेष, मिथुन, कर्क, तुला, मकर राशि के जातकों को शिवजी की कृपा से लाभ और उन्नति का अवसर मिलेगा।

मेष राशि – मेष राशि वालों के लिए आज शनिवार का दिन भाग्यशाली रहने वाला है। आयात-निर्यात से जुड़े जातकों को लाभ हो सकता है। उच्च शिक्षा या नौकरी के लिए विदेश जाने का प्रयास करने वाले जातकों के लिए हालात अनुकूल हो सकते हैं। यही नहीं आज आपके खर्चों पर भी नियंत्रण होगा। अस्पताल, मेडिकल क्षेत्रों से जुड़े जातकों के लिए आज का दिन राहत भरा रह सकता है। कारोबार में कल फंसा हुआ धन वापस मिलने के आसार हैं। इसके साथ ही संचित धन में भी इजाफा होगा। कोर्ट-कचहरी के मामलों में आज माहौल आपके पक्ष में हो सकता है। धार्मिक कार्यों में आपका मन लगेगा। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम के आयोजन को लेकर चर्चा हो सकती है। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में मधुरता रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ तालमेल बढ़ाना आपके लिए लाभकारी होगा।

उपाय : मेष राशि के जातक पीपल के पेड़ की जड़ में जल चढ़ाएं और तेल का दीया जलाएं। इसके साथ ही भगवान शिव और शनिदेव के मंत्रों का जप करें।

मिथुन राशि –मिथुन राशि के जातकों के लिए आज शनिवार का दिन भोलेनाथ की कृपा से खुशनुमा रहने वाला है। आज आपको सरकारी, शासन व्यवस्था आदि से जुड़े कार्यों में लाभ मिलेगा। किसी सरकारी काम का टेंडर मिल सकता है। आज मेहनत का अधिक से अधिक लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति के रास्ते खुलेंगे। नौकरीपेशा जातकों को नई जिम्मेदारी मिल सकती है, जो आपकी प्रगति का राह प्रशस्त करेगी। आज आपके प्रभुत्व में इजाफा होगा। सहकर्मी और आपके अधीनस्थ कर्मचारी आपकी बातों को मानेंगे। परिवार में किसी सदस्य से चली आ रही अनबन खत्म होगी। मान-सम्मान में इजाफा होगा। धार्मिक यात्रा पर जाने की योजना बना सकते हैं। सामाजिक रूप से आपकी कीर्ति में बढ़ोतरी होने से माता-पिता प्रसन्न होंगे। जीवनसाथी की तरफ से कोई उपहार मिल सकता है। लव लाइफ अच्छी रहेगी।

उपाय : जरूरतमंदों को सरसों के तेल या उड़द की दाल का दान करें। साथ ही शनि चालीसा का पाठ करें।

कर्क राशि – कर्क राशि वालों के लिए शनिवार का दिन अच्छा रहने वाला है। आज भाग्य आपका साथ देगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में आ रही कोई अड़चन खत्म होगी। कारोबार के सिलसिले में किसी यात्रा पर जा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। इस दौरान आपके प्रभावशाली व्यक्तियों से संपर्क बनेंगे जो आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगे। विद्यार्थी वर्ग के लिए आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। किसी खुशखबरी से मन रोमांचित होगा। पिता का सहयोग मिलेगा। उच्च अधिकारियों के मार्गदर्शन से आप कार्यक्षेत्र में अच्छा करेंगे। संपत्ति से जुड़े निवेश लाभप्रद होंगे। आध्यात्मिकता बढ़ेगी। धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। आपकी प्रतिष्ठा में इजाफा होगा। परिवार में भी माहौल अच्छा रहेगा। जीवनसाथी के साथ यात्रा पर जाने की योजना बना सकते हैं। सुख-सुविधाओं में इजाफा होगा।

उपाय : शनिवार को शिवलिंग पर तिल मिलाकर जल चढ़ाएं। इसके साथ ही शिव पञ्चाक्षर स्तोत्र का पाठ करें।

तुला राशि – तुला राशि वालों के लिए शनिवार का दिन उम्मीद से बेहतर रहने वाला है। आपको अपने प्रयासों का पूरा लाभ मिलेगा। कमाई के नए मौके मिलेंगे। सेहत से जुड़ी कोई परेशानी जो लंबे समय से परेशान कर रही थी आज उसमें आपको थोड़ी राहत मिल सकती है। कल व्यापार, कारोबार या घर आदि के लिए लोन लेने का विचार बना रहे हैं तो आपकी कोशिशें सफल हो सकती हैं। माता-पिता के स्वास्थ्य को लेकर आपकी चिंता कम हो सकती है। कल आपके शत्रु सक्रिय होने की कोशिश करेंगे, लेकिन आपकी विवेकशीलता और बुद्धिमत्ता की वजह से आपका कुछ बिगाड़ नहीं पाएंगे। जीवनसाथी की तरफ से आपको लाभ मिल सकता है। पार्टनरशिप में काम करने का फायदा होगा। लव लाइफ में रोमांच बना रहेगा।

उपाय : तुला राशि के जातक शनिदेव को शमी के पत्ते चढ़ाएं। इसके साथ ही कल ऊं नमः शिवाय मंत्र का 108 बार जप करें।

मकर राशि –मकर राशि वालों के लिए शनिवार का दिन बेहतर मौके लेकर आएगा। आज साहसिक निर्णयों का आपको फायदा मिलेगा। कारोबार में तेजी से आगे बढ़ेंगे, प्रतिद्वंद्वी आपको देखकर हैरान होंगे। भाई-बहनों की तरफ से आपको सहयोग और लाभ मिलेगा। मान-सम्मान में इजाफा होगा। लेखन, पब्लिकेशन, शोध, पत्रकारिता आदि से जुडे. जातकों को विशेष रूप से सफलता मिल सकती है। राजनीति और सामाजिक कार्यों से जुड़े लोग भी अतिरिक्त लाभ के मौके हासिल करेंगे। आज आप वाक्पटुता और थोड़ी चतुराई से लाभ कमाएंगे। कारोबार में छोटी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। यात्रा सफल रहेगी। परिवार में आज माहौल अच्छा रहेगा। बच्चों की तरफ से कोई अच्छी खबर मिल सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

उपाय : शनिवार को सुंदरकांड का पाठ करें और शिवलिंग पर जल चढ़ाएं। साथ ही शिव और शनि चालीसा का पाठ भी करें।

पूजा के बाद नहीं मिल रही मां लक्ष्मी की कृपा, तो हो सकती हैं ये वजहर

हिंदू धर्म में मां लक्ष्मी को धन और समृद्धि की देवी के रूप में पूजा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि जिस व्यक्ति पर मां लक्ष्मी की कृपा बरसती है, उसे कभी भी जीवन में दरिद्रता का सामना नहीं करना पड़ता। वहीं देवी की आराधना के लिए शुक्रवार का दिन सबसे बेहतर माना गया है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे काम बताने जा रहे हैं, जिन्हें करने से बचना चाहिए, ताकि लक्ष्मी जी की कृपा आपके ऊपर बनी रहे।

इन जगहों पर जरूर रखें सफाई

हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, मां लक्ष्मी केवल वहीं वास सकती हैं, जहां स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाए। ऐसे में साफ-सफाई और व्यवस्था की कमी के कारण भी आप मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्ति से वंचित रह सकते हैं। इसलिए घर में खासकर मुख्य द्वार और तुलसी के पास साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें, क्योंकि तुलसी को मां लक्ष्मी से जोड़कर देखा जाता है।

रसोई में रखें इन बातों का ध्यान

कई लोगों को आदत होती है कि वह रात के समय रसोई में गंदे बर्तन छोड़कर ही सो जाते हैं। ऐसा करने से आपको मां लक्ष्मी की

नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए कभी भी रसोई में गंदे बर्तन न छोड़े और हमेशा रसोई साफ करके ही सोएं। इसी के साथ कभी भी सूर्यास्त के बाद झाड़ू न लगाएं, वरना आप मां लक्ष्मी की कृपा से वंचित रह सकते हैं।

न करें ये काम

माना जाता है कि जिन लोगों को सुबह देर तक सोने की आदत होती है, उन्हें कभी भी धन की देवी की कृपा नहीं मिलती। इसी के साथ मां लक्ष्मी की कृपा कभी भी ऐसे घर पर भी नहीं बरसती जहां महिलाओं या बड़े-बुजुर्गों का अपमान किया जाता है।

कृपा प्राप्ति के लिए करें ये काम

रोजाना शाम के समय मुख्य द्वार और तुलसी के पास घी का दीपक जलाएं। ऐसा करने से साधक को मां लक्ष्मी की कृपा की प्राप्ति होती है और उसको धन संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

गर्मियों में कैसे करें लड्डू गोपाल की सेवा? जिससे पूजा का मिले पूरा फल

गर्मी का मौसम आते ही हमारे जीवनशैली में बदलाव आने लगता है। ऐसे में हमारे प्रिय लड्डू गोपाल की सेवा में भी कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना जरूरी है, जिससे उन्हें गर्मी से राहत मिले और साधकों को उनकी पूजा का पूरा फल प्राप्त हो। लड्डू गोपाल हमारे घर के सदस्य की तरह हैं और ऐसे में उनकी देखभाल में किसी तरह की कमी नहीं आनी चाहिए।

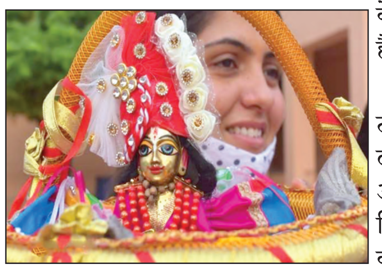

लड्डू गोपाल की सेवा के नियम

स्नान – गर्मियों में लड्डू गोपाल को रोजाना दो बार स्नान कराएं। सुबह ठंडे पानी से और दोपहर में गुलाब जल मिश्रित जल से स्नान कराना लाभकारी होता है। स्नान के बाद उन्हें मुलायम वस्त्र पहनाएं।

वस्त्र – बाल गोपाल को हल्के और आरामदायक सूती कपड़े पहनाएं। गहरे रंगों के कपड़ों की जगह हल्के और सफेद रंग के कपड़ों का उपयोग करें।

आसन – उन्हें सीधे धूप या गर्मी वाली जगह पर न रखें। उनका आसन ऐसी जगह पर लगाएं जहां वेंटिलेशन(हवा) अच्छी तरह से हो। आप उनके आसन के नीचे चंदन का लेप भी लगा सकते हैं, जिससे उन्हें शीतलता मिलेगी।

भोग – गोपाल जी को गर्मियों में ठंडे (शीतल) और ताजा भोग लगाएं। दही, मिश्री, फल, शरबत, लस्सी, और तुलसी दल मिश्रित जल उनके लिए अच्छा है। भारी और ज्यादा तेल वाले खाने से बचें। भोग लगाने के बाद तुरंत बर्तन साफ कर दें ताकि मक्खियां न आएं।

जल – उनके पास हमेशा ठंडा (शीतल) पानी भरकर रखें। पानी के लिए आप मिट्टी के बर्तन का उपयोग कर सकते हैं, जिससे पानी ठंडा रहेगा।

पंखी या कूलर – अगर संभव हो तो उनके पास छोटा पंखा या कूलर चलाएं। सीधी हवा न लगे, इस बात का ध्यान रखें। आप बीच-बीच में हाथ से भी उन्हें धीरे-धीरे हवा कर सकते हैं।

चंदन का लेप – गर्मियों में नियमित रूप से लड्डू गोपाल के शरीर पर चंदन का लेप लगाएं। चंदन की तासीर ठंडी होती है। इससे उन्हें गर्मी से राहत मिलेगी।

शांति रखें – दोपहर के समय बाल गोपाल को आराम करने दें। उनके बिस्तर को आरामदायक बनाएं और कमरे में शांति रखें।

घर में सांप का दिखना किसी अनहोनी का संकेत या होने वाला है धन लाभ

सांप से जुड़े शुभ-अशुभ संकेत

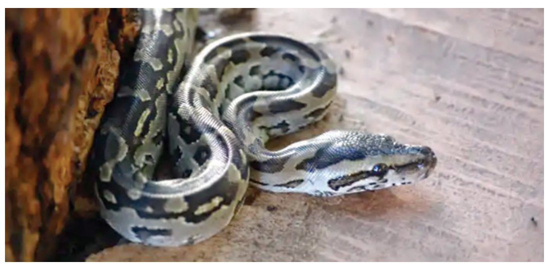

हिंदू धर्म के अनुसार हमारे आसपास कई ऐसी चीजें होती रहती हैं, जो हमें जीवन से जुड़े शुभ-अशुभ संकेत देते हैं। वहीं, सनातन धर्म में नाग देवता की पूजा करने का खास महत्व होता है। ऐसे में अगर हमारे घर में अचानक सांप दिख जाए, तो यह हमें कई प्रकार के संकेत दे सकता है। कुछ तरीकों से या कुछ विशेष स्थानों पर सांप का दिखना धन लाभ के संकेत भी माने जाते हैं। वहीं, कुछ स्थान या किसी विशेष परिस्थिति में सांप का दिखना आने वाले समय में कोई मुसीबत आने का भी संकेत हो सकता है। आइए विस्तार से जानें सांप से जुड़े शुभ-अशुभ संकेतों के बारे में।

दो मुंह वाला सांप का घर में दिखना

अगर आपके घर में अचानक से दो मुंह वाला सांप आ जाए या आपको काम करते समय कहीं नजर आ जाए, तो इसे बहुत शुभ संकेत माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि घर में दो मुंह वाले सांप का आना धन की देवी माता लक्ष्मी के घर में आने का संकेत हो सकता है। इसका अर्थ है कि आपको मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त हो सकती है और धन लाभ के योग भी बन सकते हैं। यह संकेत आपको भविष्य में धनवान बना सकता है।

घर में काला सांप दिखाई देना

माना जाता है कि अगर किसी व्यक्ति के घर में काला सांप आ जाए या किसी को नजर आ जाए, तो यह बहुत अच्छा संकेत होता है। इसका मतलब है कि आने वाले समय में आपको किसी जरूरी कार्य में सफलता हासिल हो सकती है। साथ ही, इसका अर्थ होता है कि आपके ऊपर भगवान शिव की कृपा बनी हुई है और आपके जीवन में खुशहाली आने वाली है।

घर के आसपास सांप का दिखना

ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी व्यक्ति को अपने घर के आसपास कहीं सांप नजर आ जाए, तो यह जीवन या परिवार में कोई बदलाव आने का संकेत हो सकता है। यह पुराने रिश्तों या आदतों को छोड़ने की तरफ भी इशारा हो सकता है। सांप दिखने का अर्थ है कि भविष्य में आपके निजी जीवन या घर-परिवार में कोई नई शुरुआत हो सकती है या बदलाव आ सकते हैं। ऐसे में कोई भी कदम सोच-समझकर रखना चाहिए और रिश्तों को मजबूत बनाए रखने के लिए उन पर ध्यान देना चाहिए।

सांप का जोड़े में नजर आना

अगर आपको घर में सांप का जोड़ा या नाग-नागिन एक साथ नजर आ जाएं, तो इसे अत्यंत शुभ संकेत माना जाता है। इसका मतलब होता है कि वहां रहने वाले हर सदस्य को जीवन में तरक्की हासिल होगी और जीवन के दुखों से भी निजात मिल सकती है। इसके अलावा, अगर आप कोई जमीन खरीदने जा रहे हैं और वहां आपको सांप को जोड़ा नजर आ जाए, तो बिना ज्यादा सोच-विचार किए उस स्थान को खरीद लेना चाहिए। ऐसी जगह को बहुत शुभ माना जाता है। वहां, आपको कोई दबा हुआ धन भी प्राप्त हो सकता है जो आपकी सारी समस्याएं दूर कर देगा।

घर में सफेद सांप का दिखना

ऐसे सांप आमतौर पर बहुत कम देखने को मिलते हैं। लेकिन अगर आपके घर में सफेद रंग का सांप नजर आ जाए, तो इसे भी बहुत अच्छा संकेत माना जाता है। सफेद रंग का सांप पवित्रता और नई शुरुआत का प्रतीक होता है। ऐसे में इसका अर्थ हो सकता है कि आप आने वाले समय में अपने जीवन में कोई नई शुरुआत कर सकते हैं, जो आपको अच्छे मुकाम पर लेकर जाएगा।

शनिवार को रेवती नक्षत्र में शनिदेव की कृपा से कन्या और धनु सहित अन्य राशियों को होगी रुके हुए धन की प्राप्ति

शनिवार 26 अप्रैल को रेवती नक्षत्र में शनिदेव के आशीर्वाद से कन्या और धनु सहित अन्य राशियों के लिए धन प्राप्ति के योग बने हैं। आपके सम्मान में वृद्धि होगी और कारोबार में आपको किस्मत का साथ मिलेगा। आपका दिन सफलता से भरा होगा और रुके कार्य पूर्ण होने से पूरे परिवार में काफी खुशी का माहौल रहेगा। आपको कहीं से अचानक से बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति हो सकती है।

मेष : संतान की उपलब्धियों से गर्व होगा

मेष राशि के लोगों के दिन प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला है। आपको अपने विचारों और कार्यों के लिए सम्मान प्राप्त हो सकता है। पिता या वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से भूमि या संपत्ति संबंधित कोई रुका कार्य पूर्ण हो सकता है। कार्यक्षेत्र में नेतृत्व क्षमता का परिचय देंगे और अधीनस्थ आपके कार्य से प्रभावित होंगे। संतान की उपलब्धियों से गर्व होगा। पारिवारिक वातावरण प्रफुल्लित रहेगा। शाम को परिवार में किसी सदस्य की तबीयत बिगड़ सकती है लेकिन देर रात तक स्थिति सामान्य हो जाएगी।

वृषभ : बड़ी धनराशि उधार देने से बचें

वृषभ राशि के लोगों का दिन मिलाजुला रहेगा और आपको किसी कारण से मानसिक तनाव हो सकता है। विशेषकर व्यापार से जुड़े लोगों को संभलकर काम करने की सलाह है। आपके ऊपर विरोधियों का प्रभाव बढ़ सकता है, इसलिए सतर्क होकर अपने काम को ईमानदारी से करें। किसी प्रकार की बड़ी धनराशि उधार देने से बचें, धोखे की संभावना है। संपत्ति के दस्तावेजों को अच्छी तरह जांचे। नौकरी में गुटबाजी से दूर रहें। जीवनसाथी का सहयोग बना रहेगा।

मिथुन : उच्च अधिकारियों से मतभेद हो सकते हैं

मिथुन राशि के लोगों के लिए दिन भागदौड़ वाला रहेगा। मीडिया, कम्युनिकेशन या मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए दिन चुनौतीपूर्ण रहेगा। उच्च अधिकारियों से मतभेद हो सकते हैं, इसलिए वाणी पर नियंत्रण रखें। धन का लेन-देन सोच समझ कर करें। पारिवारिक वातावरण में थोड़ी गरमाहट हो सकती है। अपने शब्दों पर संयम रखें। शाम का वक्त किसी मांगलिक आयोजन में बीतेगा, जो मानसिक संतोष देगा।

कर्क : कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ेगा

कर्क राशि के लोगों का दिन मिलाजुला रहेगा और आपका भाई-बहनों के साथ विवाद हो सकता है। धैर्य रखें। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ेगा, लेकिन आप अपनी मेहनत से परिस्थिति को संभाल लेंगे। कोई नया निवेश न करें। पुराने मित्र या आध्यात्मिक गुरु से मुलाकात हो सकती है जो मानसिक शांति देगा। जीवनसाथी का व्यवहार सहयोगी रहेगा। सेहत का ध्यान रखें और जरूरत हो तो

डॉक्टर से जरूर सलाह लें।

सिंह : नए अनुबंध मिलने की संभावना

सिंह राशि के लोगों का दिन भागदौड़ वाला रहेगा और आप दूसरों के काम के लिए पूरे दिन दौड़ते रहेंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी, मंदिर दर्शन या किसी पूजा आयोजन में शामिल हो सकते हैं। व्यवसाय में नए अनुबंध मिलने की संभावना है। रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात लाभदायक रहेगी। पारिवारिक जीवन में स्नेह और अपनापन महसूस होगा। संतान से संबंधित चिंता समाप्त होगी।

कन्या : दिन सौभाग्यवर्धक है

कन्या राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होगा। दिन सौभाग्यवर्धक है। सेहत में सुधार हागा और आप कोई जरूरी कार्य पूर्ण कर सकते हैं। घर में किसी मांगलिक कार्य की योजना बन सकती है। संतान से शुभ समाचार प्राप्त होगा। व्यापारिक कार्यों में लाभ होगा और नया सौदा सफलतापूर्वक पूरा हो सकता है। नौकरी में स्थानांतरण या पदोन्नति के योग बन रहे हैं। स्त्रियों को विशेष लाभ मिलेगा।

तुला : दिन तरक्की से भरा होगा

तुला राशि के लोगों का दिन तरक्की से भरा होगा। आपको गुरुजनों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। संतान के साथ समय बिताना सुखद रहेगा। जीवनसाथी का व्यवहार सकारात्मक रहेगा। हालांकि, संध्या के समय वाहन चलाते समय सतर्कता बरतें, चोट या दुर्घटना की संभावना है। आपको डॉक्टरों के पास बिना वजह के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं और इसमें आपका काफी पैसा खर्च हो सकता है।

वृश्चिक : करियर के मामले में लाभ होगा

वृश्चिक राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होगा और आपकी आमदनी बढ़ सकती है, परंतु खर्चे भी उसी अनुपात में अधिक होंगे। शेयर मार्केट या सट्टे से दूर रहें। संतान के अच्छे प्रदर्शन से समाज में मान-सम्मान मिलेगा। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संबंध मजबूत होंगे। प्रेम संबंधों में पारदर्शिता रखें वरना गलतफहमियों के कारण तनाव बढ़ सकता है। सायंकाल प्रियजनों के साथ समय बिताना मानसिक सुकून देगा। आप परिवार के लोगों के साथ सफलता की खुशियां मनाएंगे।

धनु : आपके सम्मान में वृद्धि होगी

धनु राशि के लोगों को लाभ होगा और आपको शासन-संबंधी कार्यों में सफलता मिलने के संकेत हैं। विद्या, ज्ञान और धर्म के मार्ग पर चलना लाभकारी रहेगा। कोई पुराना मित्र महत्वपूर्ण समाचार ला सकता है। अधिकारी वर्ग से लाभ मिलने की संभावना है। माता-पिता के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा, जो मानसिक रूप से सकारात्मक ऊर्जा देगा। आपके सम्मान में वृद्धि होगी और आपके रुके कार्य पूर्ण होने से मन काफी प्रसन्न होगा।

मकर : करियर में लाभ के योग बने हैं

मकर राशि के लोगों के लिए करियर में लाभ के योग बने हैं। आपको पैतृक संपत्ति या किसी उत्तराधिकार संबंधी विषय में लाभ हो सकता है। व्यवसाय में अचानक मुनाफा मिलने की संभावना है। आपका मन आकर्षित हो सकता है। संतान की शिक्षा को लेकर चिंता हो सकती है। आज दूसरों को अनचाही सलाह देने से बचें। रात्रि में कोई धार्मिक या पुण्य कार्य कर मन प्रसन्न होगा। आपको किसी के साथ पैसों का लेनदेन करने से बचने की सलाह है। अपने काम पर फोकस करें।

कुंभ : सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी

कुंभ राशि के लोगों को करियर और कारोबार के मामले में अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। धनागमन के लिए आपके प्रयास सफल होंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा और आपके कद्रदान बढ़ेंगे। नौकरी में प्रगति होगी। किसी नई परियोजना में सफलता प्राप्त हो सकती है। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। प्रेम संबंधों में भी नयापन आएगा।

मीन : आपके धन में वृद्धि के योग बन रहे हैं

मीन राशि के लोगों को संपत्ति के मामले में लाभ होगा। आपके धन में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिजनों की ओर से शुभ समाचारों से भरा रहेगा। कार्यस्थल पर गुप्त शत्रु आपकी छवि खराब करने का प्रयास कर सकते हैं, सजग रहें। संतान पक्ष की ओर से सुख मिलेगा। बिजनस में आपको धन लाभ मिलने के योग हैं और पुराने समय में किया गया निवेश आपको बड़ा लाभ देगा।

62 साल की हॉलीवुड स्टार डेमी मूर बनी दुनिया की सबसे सुंदर महिला

क्या आप यकीन कर सकते हैं कि 62 साल औरत भी सबसे खूबसूरत महिला का खिताब जीत सकती है! ये कारनामा कर दिखाया है एक हॉलीवुड स्टार ने। पीपुल मैगजीन ने अपने ताजा अंक में साल 2025 की मोस्ट ब्युटीफुल वुमन की लिस्ट जारी की है। इसमें जिस स्टार ने बाजी मारी है, वो ना तो जेनिफर लोपेज हैं और ना ही जूलिया रॉबर्ट्स। बल्कि इस 62 साल की एक्ट्रेस ने बियॉन्से और एंजेलिना जोली को भी मात दे दिया है। बिना देर किए आपको इस एक्ट्रेस का नाम बता देते हैं। ये और कोई नहीं, बल्कि हॉलीवुड स्टार डेमी मूर हैं। उन्होंने ये खिताब अपने नाम करके ये धारणा भी तोड़ दी है कि उम्रदराज महिला खूबसूरत नहीं हो सकती! मॉर्डन सोसाइटी में खूबसूरती को अक्सर युवाओं से जोड़कर देखा जाता है।लेकिन अपने ताजा अंक में पीपुल मैगजीन ने 62 साल की हॉलीवुड स्टार को 2025 की सबसे खूबसूरत महिला चुनकर इस धारणा को तोड़ने की कोशिश की है। 62 साल की डेमी इस खिताब को पाने वाली सबसे उम्रदराज महिलाओं में से एक हैं।कवर स्टोरी के लिए एक इंटरव्यू में डेमी मूर ने बॉडी इमेज इश्यू और अब अपने शरीर के साथ ज्यादा सहज रिश्ते के बारे में बात की।बीते बुधवार को पीपल मैगजीन ने अपने 5 मई के अंक की घोषणा की, जिसमें डिजिटल कवर शामिल था। डेमी ने कवर की शोभा बढ़ाई और यह भी खुलासा किया कि वह 2025 की सबसे खूबसूरत महिला के लिए मैगजीन की पसंद हैं।60 की उम्र में खूबसूरत कहलाने के बारे में बात करते हुए डेमी ने कहा, 'मेरे शरीर ने आज तक जो कुछ भी सहा है, उसके लिए मैं पहले से ज्यादा आभारी हूं।

वो आगे कहती हैं, इसका मतलब ये नहीं है कि कभी-कभी मैं शीशे में देखकर यह नहीं सोचती कि हे भगवान, मैं बूढ़ी दिख रही हूं या ओह, मेरा चेहरा खराब हो रहा है- मैं ऐसा सोचती हूं। लेकिन मैं यह स्वीकार कर सकती हूं कि आज मैं यहीं हूं और मैं जानती हूं कि आज का अंतर ये है कि यह मेरी कीमत या मैं कौन हूं, को परिभाषित नहीं करता है।

एक्ट्रेस ने स्वीकार किया कि जब वह छोटी थीं तो उन्होंने परफेक्ट बॉडी के लिए खुद को प्रताड़ित किया था और वास्तव में खुद को सजा दे रही थीं।

उन्होंने कहा, अब मेरा बॉडी के साथ ज्यादा सहज रिश्ता है। जब वो मुझसे कहता है कि उसे कुछ खाने की जरूरत है कि उसे प्यास लगी है तो मैं उसपर यकीन करती हूं। मैं आज अपनी बॉडी की सुनती हूं और मुझे बहुत कम डर लगता है। जब मैं छोटी थी तो मुझे लगता था कि मेरा शरीर मुझे धोखा दे रहा है। इसलिए मैंने बस उसे कंट्रोल करने की कोशिश की और अब मैं उस जगह से काम नहीं करती। ये बहुत ज्यादा एलाइन रिलेशनशिप है।

डेमी का जन्म साल 1962 में हुआ था। उन्होंने बतौर मॉडल अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद जनरल हॉस्पिटल से एक्टिंग शुरू किया। 1996 में स्ट्रिपटीज के साथ दुनिया की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एक्ट्रेस बनीं। इससे पहले घोस्ट, ए फ्यू गुड मेन और इंडिसेंट प्रपोजल से स्टारडम मिला। समय बीता तो सपोर्टिंग रोल्स में नजर आने लगीं। 2024 में 'द सब्सटेंस' से हॉलीवुड में मेन लीड में वापसी की। उसे ऑस्कर नॉमिनेशन और गोल्डन ग्लोब जीत दिलाई।

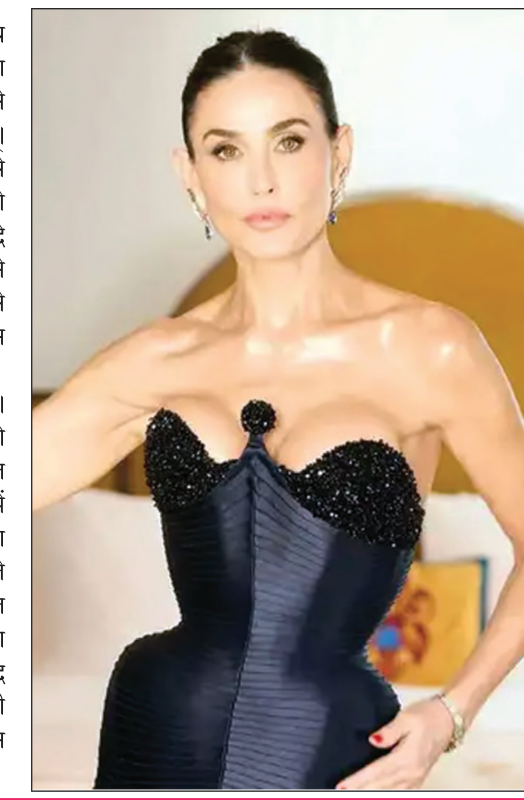

पहलगाम आतंकी हमले से आहत अरिजीत सिंह ने कैंसल किया चेन्नई म्यूजिक कॉन्सर्ट

जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर देश स्तब्ध और आहत है। हमले से आहत गायक अरिजीत सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर चेन्नई म्यूजिक

कॉन्सर्ट कैंसल होने की जानकारी दी। इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर उन्होंने एक तस्वीर शेयर की, जिसमें लिखा है, हाल की दुखद घटनाओं के मद्देनजर, आयोजकों और कलाकारों ने सामूहिक रूप से यह निर्णय लिया है कि इस रविवार 27 अप्रैल को चेन्नई में होने वाले अपकमिंग शो को रद्द कर दिया जाए। अरिजीत सिंह ने यह भी बताया कि कॉन्सर्ट का टिकट खरीदने वाले लोगों को जल्द ही रिफंड मिल जाएगा। उन्होंने लिखा, सभी टिकट खरीदने वाले लोगों को धनराशि वापस कर दी जाएगी, तथा धनराशि ऑटोमेटिक वापस कर दी जाएगी।

इसके साथ ही शो से जुड़े किसी भी तरह की समस्या और जानकारी के लिए उन्होंने एक वेबसाइट पर विजिट करने को कहा। इससे पहले पोस्ट शेयर कर अभिनेता अर्जुन रामपाल ने इसे कायरतापूर्ण और घिनौना कृत्य बताया। अभिनेता ने कहा कि कश्मीर भारत में है और भारत में ही रहेगा। इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए अभिनेता अर्जुन रामपाल ने आतंकी हमले को कायरतापूर्ण और घिनौना करार देते हुए लिखा, जो खुद का बचाव नहीं कर सकते थे, उन निर्दोष लोगों पर हमला कायरतापूर्ण और घिनौना कृत्य है।

अभिनेता ने आगे कहा, सोचिए कि आपके परिवार का कोई व्यक्ति खुशियां मनाने के लिए छुट्टी पर जाता है और कभी वापस नहीं आता, सिर्फ इसलिए क्योंकि वह धर्म विशेष से है! ऐसा नुकसान सहने वाले दुखी परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना। उन कायरों के लिए आइए रिकॉर्ड को फिर से ऑन करें, 'कश्मीर भारत में है और हमेशा रहेगा। इसमें कुछ भी बदलाव नहीं होगा।''

वहीं, पहलगाम आतंकी हमले पर दुख जाहिर करते हुए अभिनेत्री दीया मिर्जाने इंस्टाग्राम पर लिखा, घटना के बाद से हमारा दिल दर्द और दुख से भरा हुआ है। ऐसे समय में हमें एकजुट होकर खड़े होना चाहिए।

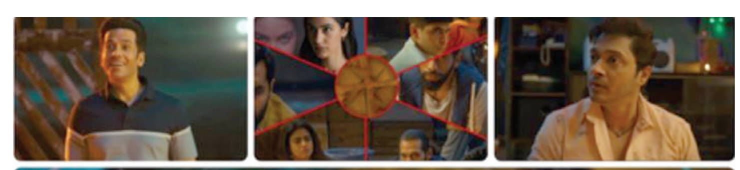

फिल्म कंपकंपी से हंसा-हंसाकर डराने को तैयार तुषार-श्रेयस

तुषार कपूर और श्रेयस तलपड़े स्टारर अपकमिंग हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'कंपकंपी' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। निर्माताओं ने फिल्म का टीजर शुक्रवार को जारी कर दिया है, जिसमें हंसी का डोज भरपूर है।

दिवंगत संगीत सिवन के निर्देशन में तैयार कंपकंपी में हंसी, डर और शरारतों को एक साथ पेश करने वाले कलाकारों की मजेदार टीम है। निर्देशक का निधन मई 2024 में हो गया था।टीजर में 'कंपकंपी' की विचित्र दुनिया की झलक सामने आई है, जिसमें दोस्तों की एक टीम ओइजा बोर्ड गेम खेलती है और भूतिया दुनिया में पहुंच जाती है। तुषार कपूर और श्रेयस तलपड़े के बीच की शानदार केमिस्ट्री फिल्म की कॉमेडी में एक तड़के की तरह है। ब्रावो ...रटेनमेंट ...के तहत जयेश पटेल और उमेश कुमार ने फिल्म का निर्माण जी स्टूडियो के साथ मिलकर किया है। कंपकंपी जीतू माधवन के निर्देशन में बनी मलयालम ब्लॉकबस्टर रोमांचम की हिंदी रीमेक है, जो साल 2023 में रिलीज हुई थी।फिल्म में तुषार कपूर और श्रेयस तलपड़े के साथ सोनिया राठी, सिद्धि इदनानी, अभिषेक कुमार, जय ठक्कर, वरुण पांडे, धीरेंद्र तिवारी और दिनकर शर्मा जैसे कई कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। 'कंपकंपी' इसी साल 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'कंपकंपी' के साथ ही बॉलीवुड में और भी हॉरर-कॉमेडी फिल्में हैं, जो रिलीज के लिए तैयार हैं। इस लिस्ट में संजय दत्त, मौनी रॉय, सनी सिंह, पलक तिवारी की फिल्म 'द भूतनी' है, जो 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके साथ ही अक्षय कुमार, राजपाल यादव, परेश रावल की 'भूत बंगला' भी है, जो अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस लिस्ट में प्रभास की फिल्म 'राजा साब' भी है, जो पहले 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी। हालांकि, रिलीज की नई तारीख अभी सामने नहीं आई है।

खूबसूरत गाउन में रूबीना दिलैक ने कराया फोटोशूट

टीवी एक्ट्रेस रूबीना दिलैक की खूबसूरती और फैशन का कोई जवाब नहीं है। वह सोशल मीडिया पर अपने नए लुक के फोटोज शेयर करती रहती हैं। एक्ट्रेस ने अपना लेटेस्ट फोटोशूट इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें वह किसी अप्सरा से कम नहीं लग रही हैं। उनके इस लुक पर फैंस दिल हार बैठे हैं। उनका यह फोटोशूट अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

लेटेस्ट फोटोशूट में रूबीना ब्राउन कलर के गाउन में कैमरे की ओर पोज दे रही हैं। उन्होंने अपने लुक को शानदार बनाने के लिए बालों को खुला छोड़ा है और कलाई पर एक ब्रेसलेट के साथ वॉच भी बांधी हुई है। नेट का दुपट्टा उनकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम कर रहा है।इन फोटोज को शेयर करते हुए रूबीना ने कैप्शन में लिखा, सुनहरी धूप ने कुछ इस तरह से छुआ..., फैंस उनकी इन तस्वीरों को बेहद पसंद कर रहे हैं और कमेंट्स में तारीफों के पुल बांध रहे हैं। एक यूजर ने लिखा - ब्यूटीफुल, वहीं दूसरे ने कहा- अप्सरा लग रही हो आप। बता दें कि रुबीना दिलैक ने मिस शिमला समेत कई ब्यूटी कॉन्टेस्ट में अवॉर्ड्स अपने नाम किए हैं। एक्ट्रेस बनने से पहले वह आईएएस अधिकारी बनना चाहती थीं। इसके लिए वह चंडीगढ़ में तैयारी भी कर रही थीं। इस दौरान अपनी एक फ्रेंड के कहने पर उन्होंने छोटी बहू सीरियल के लिए ऑडिशन दिया और सेलेक्ट हो गईं। यहां से उन्होंने एक्टिंग में जाने का फैसला किया और सीरियल में राधिका का रोल निभाया।

इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह सास बिना ससुराल, पुनर्विवाह : एक नई उम्मीद, जीनी और जूजू और शक्ति जैसे हिट शो का हिस्सा रही हैं। उन्होंने राजपाल यादव स्टारर फिल्म अर्ध से बॉलीवुड में डेब्यू किया। वह बिग बॉस 16 की विनर भी रही हैं।

गोविंदा की यह हिट फिल्में आज के समय में होती रिलीज तो खत्म हो जाता सनी देओल और सलमान खान का स्टारडम?

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता के तौर पर गोविंदा जाने जाते हैं। फिल्मी करियर में उन्होंने एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया है। कॉमेडी जॉनर और मोनोलोग का क्रेज सिनेमा लवर्स के बीच उनकी फिल्मों से ही शुरू हुआ था। साल 1986 में रिलीज हुई इल्जाम से गोविंदा ने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था और इसके बाद 90 के दशक में उनकी दीवानगी लोगों के सिर चढ़कर बोली। इन दिनों भी लोग उनकी पुरानी फिल्मों को ओटीटी पर देखना पसंद करते हैं। आज एक्टर की उन सुपरहिट फिल्मों की बात कर रहे हैं, जो आज रिलीज हो जाए तो बॉक्स ऑफिस पर कलेक्शन के मामले में कई बड़े रिकॉर्ड बन जाए।

इन दिनों बॉलीवुड फिल्मों के कलेक्शन की चर्चा खूब चल रही है। साल 2025 में कई फिल्में रिलीज हुई, जिन्होंने कमाई के मोर्चे पर बेहतरीन कलेक्शन किया, लेकिन गोविंदा की कुछ फिल्में अगर आज रिलीज हो जाए तो कमाई के मोर्चे पर कई बड़े रिकॉर्ड टूट सकते हैं।

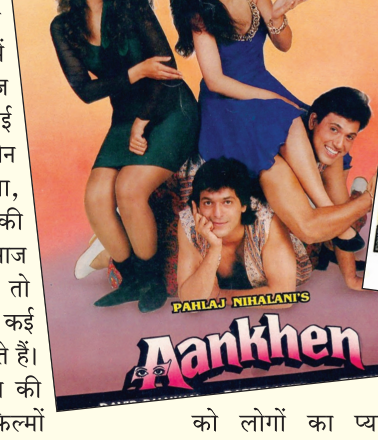

आंखें – गोविंदा की ज्यादातर सभी फिल्मों को लोगों का प्यार मिलता है। एक्टर की हिट फिल्मों की लिस्ट में 1993 में रिलीज हुई आंखें का नाम भी शामिल किया जाता है। एक्शन और कॉमेडी के लिए लोगों ने इस मूवी को खूब सराहा। डेविड धवन के निर्देशन में बनी यह फिल्म उस समय हिट साबित हुई थी। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, इसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 14 करोड़ रुपये हुआ था। आज की ऑडियंस भी इस फिल्म को खूब पसंद करती है।

राजा बाबू –साल 1994 में गोविंदा की एक और मोस्ट अवेटेड फिल्म रिलीज हुई थी, जिसका नाम राजा बाबू है। इसमें गोविंदा और कादर खान की जोड़ी को खूब पसंद किया गया। कॉमेडी से भरपूर इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर मोटी कमाई की। उस समय भारत में फिल्म का नेट कलेक्शन 8.24 करोड़ रुपये रहा था। अगर यह आज रिलीज होती, तो कॉमेडी जॉनर की फिल्मों के लिए खतरा बन जाती।

कुली नंबर 1– गोविंदा का नाम उन चुनिंदा एक्टर में से एक हैं, जिनकी एक्ट्रेस के साथ ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री को खूब पसंद किया जाता था। कुली नंबर 1 साल 1995 में रिलीज हुई। करिश्मा कपूर के साथ गोविंदा की इस फिल्म को आज भी याद किया जाता है। खासतौर पर फिल्म के गाने लोगों की जुबां पर रहते हैं। बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, मूवी ने 12.56 करोड़ का लाइफटाइम कलेक्शन किया। इस फिल्म का रीमेक भी आया, लेकिन गोविंदा वाली फिल्म का मुकाबला नहीं कर पाया।

मुकेश के गीतों ने भारत को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में दिलाई थी पहली जीत

अपने जमाने के मशहूर सिंगर रहे मुकेश चंद माथुर ने हिंदी सिनेमा को कई बेहतरीन गाने दिए हैं। म्यूजिक के लिए बचपन से ही उनका प्यार रहा है। उनके संगीत की विरासत को उनके बेटे नितिन मुकेश ने आगे बढ़ाया। दिग्गज सिंगर मुकेश ने जिंदगी ख्वाब है, ये मेरा दीवानापन है, हम तो तेरे आशिक हैं, एक प्यार का नगमा है... जैसे कई बेहतरीन और यादगार गानों को अपनी आवाज से सजाया। मुकेश के चाहने वालों में सिर्फ आम आदमी नहीं, बल्कि बड़ी-बड़ी हस्तियां भी रही थीं।

खासकर एक जमाने के मशहूर क्रिकेटर बी एस चंद्रशेखर उनके इतने बड़े फैन थे कि क्रिकेट फील्ड पर उनका गाना पूरी तरह से उनमें जोश भर देता था। क्या आप जानते हैं कि 'मुकेश' के गाने का भारत को इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट मैच जिताने में भी बहुत हाथ था? 27 अगस्त को दिग्गज सिंगर की डेथ एनिवर्सरी है। क्रिकेट से जुड़ा उनका ये मशहूर किस्सा

मुकेश के गाने थे बी एस चंद्रशेखर की प्रेरणा

एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 1971 में जब

क्रिकेटर अजीत वाडेकर की कैप्टेंसी में इंग्लैंड और भारत के बीच टेस्ट मैच खेला जा रहा था तो शुरुआती दो टेस्ट मैच तो ड्रॉ हो गए, लेकिन लंदन के ओवल में भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिन ट्रायो ने तीसरे मैच में आसानी से जीत दिलवा दी।भारत ने टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड को 173 रन की चुनौती दी। इंग्लैंड टीम जब बैटिंग करने आई तो भारतीय टीम ने उन्हें 101 रन पर ही ऑल आउट कर दिया और 71 रनों से जीत हासिल की। उस मैच में इंडियन क्रिकेटर टीम के स्पिनर रहे बी एस चंद्रशेखर ने 38 बॉल्स में छह विकेट चटकाये।

आपको बता दें कि इंग्लैंड के खिलाड़ियों के छह विकेट लेने से पहले चंद्रशेखर हमेशा की तरह अपने पसंदीदा सिंगर मुकेश के गाने सुन रहे थे, जिन्होंने क्रिकेट फील्ड में उनका हौसला बढ़ाया।

उनकी टीम भी सुनाती थी मुकेश के गाने

बी एस चंदशेखर को मैच से पहले उनके टीम मेट्स उन्हें प्रेरित करने के लिए सिंगर मुकेश के गाने सुनाते थे। जब चंद्रशेखर अपना काम करते रहते थे तो अन्य क्रिकेटर रेडियो पर मुकेश का गाना प्ले कर देते थे। कई सालों बाद जब क्रिकेटर से ये पूछा गया कि वह सिंगर के गाने सुनने के इतने बड़े शौकीन क्यों है, तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा था कि उनके गानों में एक फीलिंग होती है और वह श्रोताओं पर अपना प्रभाव छोड़ते हैं। आपको बता दें कि बीएस चंद्रशेखर ने अपने बेटे का नाम भी मुकेश के बेटे 'नितिन' के नाम पर ही रखा। सिंगर मुकेश के निधन से 10 साल पहले ही दोनों मिले और उनकी गहरी दोस्ती हो गई थी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज निवेश के जो नए अवसर आपकी ओर आएँ, उनपर विचार करें। लेकिन धन तभी लगाएँ जब आप उन योजनाओं का भली-भांति अध्ययन कर लें। पढ़ाई की क़ीमत पर घर से ज़्यादा देर तक बाहर रहना आपको माता-पिता के गुस्से का शिकार बना सकता है। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बिना किसी अनुभवी शख्स की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो। अपना नज़रिया दोस्तों और रिश्तेदारों पर थोपने की कोशिश न करें। क्योंकि न सिर्फ़ यह आपके लिए कुछ ख़ास फ़ायदेमंद साबित नहीं होगा अपना बायोडाटा भेजने या किसी इंटरव्यू में जाने के लिए अच्छा समय है। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल-खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। रात को ऑफिस से घर आते वक्त आज आपको सावधानी से वाहन चलाना चाहिए, नहीं तो दुर्घटना हो सकती है इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस-पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अत: बाहरी लोंगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मुश्किल घड़ी में रिश्तेदार भी काम आएंगे। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। परिवार के सदस्य आपके नज़रिए का समर्थन करेंगे। आप और आपका महबूब आज प्यार के समुन्दर में गोते लगाएंगे और प्यार की मदहोशी को महसूस करेंगे। काम के लिए समर्पित पेशेवर लोग रुपये-पैसे और करिअर के मोर्चे पर फ़ायदे में रहेंगे। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। समय, कामक-ाज, पैसा, यार-दोस्त, नाते-रिश्ते सब एक ओर और आपका प्यार एक तरफ़, दोनों आपस में खोए हुए – कुछ ऐसा मिज़ाज रहेगा आपका आज। आज आपकी कल-ात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्कतें हो सकती हैं। आपके नज़दीकी लोग निजी जीवन में परेशानियाँ खड़ी कर सकते हैं। आप अपने प्रिय की बांहों में आराम महसूस करेंगे। मशहूर लोगों से मेलजोल आपको नई योजनाएँ और आइडिया सुझाएगा। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। यह दिन आपके जीवन में वसंत-काल की तरह है ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे। अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। दोस्त मददगार और सहयोगी रहेंगे। आपके प्रिय का प्यारा बर्ताव आपको ख़ास होने का अनुभव कराएगा; इन लम्हों का पूरा लुत्फ़ उठाएँ। आपको महसूस होगा कि आपके परिवार का सहयोग ही कार्यक्षेत्र में आपके अच्छे प्रदर्शन के लिए ज़िम्मेदार है। आज जीवनसाथी के साथ थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। आपके जीवन-साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। साथ में अपना क़ीमती समय बिताएँ और मीठी यादों को फिर से ताज़ा करें, ताकि पुराने दिनों को फिर से वापस लाया जा सके। रोमांस के लिहाज़ से रोमांचक दिन है। दफ़्तर में अपनी ग़लती स्वीकार करना आपके पक्ष में जाएगा। लेकिन आपको इसे सुधारने के लिए विश्लेषण की ज़रूरत है। आपकी वजह से जिसे नुक़सान हुआ हो, उससे माफ़ी मांगने की ज़रूरत है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

बहुत ज़्यादा तनाव और चिंता करने की आदत सेहत को नुक़सान पहुँचा सकती है। आर्थिक जीवन में आज खुशहाली रहेगी। इसके साथ ही आप कर्जों से भी आज मुक्त हो सकते हैं। आपके माता-पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर-ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सार्थक कामों में लगाने के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखें। इस राशि के बड़े कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है। घरेलू ज़िंदगी सुकूनभरी और ख़ुशनुमा रहेगी। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे। जब आपका जीवनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जल्दी ही बीमारी से उबरने की संभावना है। परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। कोई पुराना परिचित आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। अपने साथी को यूँ ही हमेशा के लिए मिला न मानें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। यह दिन आपके जीवन में वसंत-काल की तरह है – रोमानी व प्यार से भरा; जहाँ सिर्फ़ आप और आपका जीवनसाथी साथ हों।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आप दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आपका प्रिय को आपसे भरोसे और वादे की ज़रूरत है। बेहतर कामकाज के चलते आपको तारीफ़ मिल सकती है। आपके घर का कोई करीबी शख्स आज आपके साथ वक्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आपको भी बुरा लगेगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 25 अप्रैल 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी प्रात: 11:47 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपदा प्रात: 08:54 तक
योग : ऐन्द्र दोपहर 12:30 तक
करण : तैतिल प्रात: 11:47 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:34 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:26 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:25 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत , श्रीसेन जयंती ,
पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शिवराज सिंह चौहान ने सेमलपानी के आग पीड़ितों को दी सांत्वना, नौ लाख की मदद दी

सीहोर,25 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार को सीहोर जिले के भेरुन्दा विकासखंड के सेमलपानी गांव पहुंचे। गांव में आग लगने से कई लोगों के घर जल गए थे। शिवराज सिंह चौहान ने जले हुए मकानों का जायजा लिया। उन्होंने पीड़ित लोगों को तत्काल सहायता के रूप में लगभग 9 लाख रुपये दिए। इसके साथ ही, अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीड़ितों को प्रधानमंत्री आवास और दूसरी जरूरी मदद तुरंत दी जाए।

इस दौरान शिवराज सिंह चौहान ने पीड़ित लोगों को सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि वे इस मुश्किल घड़ी में उनके साथ हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार के अलावा भी जो कुछ हो सकेगा, वे पीड़ितों की हर संभव मदद करेंगे। लोगों को अनाज, बर्तन और रोजमर्रा की चीजें मिलने पर उन्होंने शिवराज सिंह चौहान को धन्यवाद दिया।

शिवराज सिंह चौहान ने इस मौके पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वे अपने अग्नि पीड़ित भाई-बहनों के बीच आए हैं। आग लगने से कई गरीब लोगों के घर पूरी तरह से जल गए। इस हादसे में घर का सारा सामान नष्ट हो गया। लोगों की उम्मीदें भी टूट गई थीं। ऐसे मुश्किल समय में वे उनके साथ हैं। उन्होंने आगे बताया कि लगभग 9 लाख रुपये से ज्यादा की राशि मकान बनाने और घरेलू सामान खरीदने के लिए दी गई है।

शिवराज सिंह चौहान ने इस बारे में ट्वीट भी किया। उन्होंने लिखा कि वे अपने संसदीय क्षेत्र बुधनी विधानसभा के ग्राम सेमल पानी पहुंचे। वहां उन्होंने आग से प्रभावित लोगों से मुलाकात की और उनका दुख बांटा। उन्होंने कहा कि आग लगने से कई गरीब लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कई मकान पूरी तरह से जल गए हैं और गृहस्थी का सामान नष्ट हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों का जीवन पटरी पर आ सके, इसके लिए आर्थिक सहायता दी गई है।

पंजाब नेशनल बैंक से फ्रॉड करने वालों पर ईडी रेड

राजस्थान में 10 ठिकानों पर छापेमारी 25 करोड़ का फर्जीवाड़ा उजागर

जयपुर,25 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार सुबह पंजाब नेशनल बैंक से जुड़े 25 करोड़ रुपये के फ्रॉड मामले में बड़ी कार्रवाई की। जयपुर, बीकानेर, हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर सहित राजस्थान के 10 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की गई। यह कार्रवाई श्रीगंगानगर निवासी अमनदीप चौधरी और उसके साथियों के खिलाफ की जा रही है, जिन पर बैंक से धोखाधड़ी कर लोन लेने और फिर उस धन का दुरुपयोग करने का आरोप है।

ईडी सूत्रों के अनुसार अमनदीप चौधरी ने एक वेयरहाउस में रखे माल को गिरवी रखकर पीएनबी से 25 करोड़ रुपए का लोन लिया। लेकिन बाद में उसने बैंक को बिना जानकारी दिए वह माल बाजार में बेच दिया। इस फर्जीवाड़े में अमनदीप की पत्नी सुनीता चौधरी और एक अन्य आरोपी ओम प्रकाश भी शामिल हैं। आरोप है कि इन सभी ने मिलकर बैंक को नुकसान पहुंचाने की साजिश रची और लोन की राशि का गलत इस्तेमाल किया। इस मामले की एफआईआर वर्ष 2020 में एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा जोधपुर में दर्ज की गई थी। ईडी ने अब इस मामले को मनी लॉन्ड्रिंग की धारा के तहत जांच में लिया है। शुक्रवार को जयपुर में तीन, बीकानेर में दो और हनुमानगढ़ व श्रीगंगानगर में कुल पांच ठिकानों पर एक साथ रेड की गई। छापेमारी के दौरान ईडी की टीमों ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, बैंक रिकॉर्ड, डिजिटल उपकरण और संपत्तियों से संबंधित कागजात बरामद किए हैं। जांच एजेंसी अब इन सभी दस्तावेजों का विश्लेषण कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि फ्रॉड से प्राप्त धनराशि का कहां और कैसे इस्तेमाल किया गया। फिलहाल ईडी की जांच जारी है और एजेंसी की ओर से यह संकेत दिए गए हैं कि आने वाले दिनों में इस मामले में पूछताछ और संभवतः गिरफ्तारियों की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है। ईडी की यह कार्रवाई बैंकिंग फ्रॉड के मामलों में लगातार हो रही सख्ती को दर्शाती है।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में टोंक में उबाल

जलदाय मंत्री ने जलाया पाकिस्तानी झंडा

टोंक,25 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देशभर में रोष और आक्रोश का माहौल है। राजस्थान के टोंक जिले में यह गुस्सा गुरुवार की रात उस वक्त और मुखर हो गया जब राज्य के जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने टोड़ारायसिंह के मानक चौक बाजार में पाकिस्तान का झंडा जलाकर विरोध दर्ज कराया। रात करीब 8 बजे, हमले में मारे गए 28 लोगों की याद में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई, जहां दो मिनट का मौन रखकर सभी ने मृतकों को नमन किया। सभा समाप्त होते ही पाकिस्तानी झंडा जलाया गया और पाकिस्तान मुर्दाबाद, आतंकवाद मुर्दाबाद जैसे नारों से चौक गूंज उठा।मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने सभा में संबोधित करते हुए कहा- अब समय आ गया है कि भारत को इन आतंकी ताकतों को निर्णायक जवाब देना चाहिए। धर्म और जाति के नाम पर जो हत्याएं हो रही हैं, वह मानवता के खिलाफ अपराध है।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सिर्फ निंदा नहीं, अब कार्रवाई की ज़रूरत है, ताकि भविष्य में कोई ऐसी घिनौनी हरकत दोहराने की हिम्मत न करे।सभा में शामिल लोगों के चेहरे पर आक्रोश साफ झलक रहा था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संचालक पुरुषोत्तम शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील भारत और अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि और नागरिक बड़ी संख्या में पहुंचे थे।

मिलावटी दूध के खिलाफ खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई

1100 लीटर नकली दूध नष्ट

कोटपूतली,25 अप्रैल (एजेंसियां)। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग ने कोटपूतली-बहरोड़ क्षेत्र में मिलावटी दूध बनाने और वितरित करने के गोरखधंधे पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो नकली डेयरियों का भंडाफोड़ किया है। नागड़ीवास गांव में स्थित वासुदेव डेयरी और काव्या दूध डेयरी पर छापेमारी कर कुल 1100 लीटर मिलावटी दूध समेत 65 किलो मिल्क पाउडर, 40 किलो वनस्पति और 10 किलो सिंथेटिक पेस्ट मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

यह कार्रवाई आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रक, अतिरिक्त आयुक्त खाद्य सुरक्षा, कोटपूतली जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल, एडीएम डॉ. ओमप्रकाश सहारण और सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत के निर्देश पर की गई। जांच दल का नेतृत्व खाद्य सुरक्षा अधिकारी शशिकांत शर्मा और नेहा शर्मा ने किया। मौके पर बीसीएमओ पूरणमल गुर्जर भी उपस्थित रहे। गांव नागड़ीवास में स्थित वासुदेव डेयरी, जो अनिल गुर्जर पुत्र कैलाश गुर्जर के स्वामित्व में है, पर छापे के दौरान चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। टीम ने जब परिसर की तलाशी ली तो पाया कि: 40 किलो मिल्क पाउडर, 25 किलो वनस्पति, 10 किलो सिंथेटिक पेस्ट, 15 मिक्सी मशीनें, दो गैस सिलेंडर, और 56 खाली वनस्पति के पीपे मौजूद थे।

इन सामग्रियों की मदद से करीब 1000 लीटर मिलावटी दूध तैयार कर एक पिकअप गाड़ी में लोड किया जा चुका था, जिसे शाहपुरा स्थित लोटस डेयरी में सप्लाई किया जाना था।काव्या डेयरी भी लपेटे में इसी गांव की एक और डेयरी काव्या दूध डेयरी पर भी कार्रवाई की गई। यहां: 20 किलो मिल्क पाउडर, 15 किलो वनस्पति मौके से बरामद हुई, जिससे लगभग 100 लीटर नकली दूध तैयार किया गया था।

टोंक में 29 लाख का डोडा पोस्त जब्त

टोंक,25 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर-कोटा नेशनल हाइवे 52 पर मादक पदार्थ तस्करों की एक बड़ी साजिश को पुलिस ने नाकाम कर दिया। गुरुवार को घाड़ थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध कार से 194.555 किलो डोडा पोस्त बरामद किया, जिसकी बाज़ार में कीमत 29 लाख 18 हजार 355 रुपये से ज्यादा बताई जा रही है। तस्कर मौके से फरार हो गए, लेकिन पुलिस ने कार को सरोली मोड़ के पास पकड़ लिया।

घाड़ थाना प्रभारी हरिराम वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि एसपी विकास सांगवान के निर्देश पर जिले में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत सरोली गांव के पास नाकाबंदी की गई थी। देवली की तरफ से आ रही कार को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक ने कार नहीं रोकी और तेजी से जयपुर की ओर भाग निकला।

हरियाणा पुलिस को मिला हाईटेक गिफ्ट

चंडीगढ़,25 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा की कानून व्यवस्था अब और मजबूत होगी। हरियाणा पुलिस के पास न सिर्फ डंडा होगा बल्कि आधुनिक हथियार और स्मार्ट तकनीक भी होगी, क्योंकि उन्हें किसी भी अपराध की तह तक पहुंचना होगा। दरअसल, हरियाणा सरकार ने पुलिस बल के आधुनिकीकरण के लिए एक महत्वपूर्ण और जरूरी प्रयास शुरू किया है। गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा के निर्देशन में एक अहम बैठक में पुलिस बल के आधुनिकीकरण के लिए 22.09 करोड़ रुपये की योजना को हरी झंडी देने का फैसला किया गया। इस पैसे से हरियाणा पुलिस अपराधियों से दो कदम आगे रह सकेगी; यह सिर्फ दिखावे के लिए नहीं बल्कि असल काम के लिए भी है। पूरे आधुनिकीकरण प्रोजेक्ट के लिए 150 करोड़ रुपये की योजना विकसित की गई है; यह पहली 22.09 करोड़ रुपये की किस्त है। इस योजना के तहत जिला पुलिस क्रमिक रूप से विकसित होगी। 13 जिलों में एनालॉग संचार प्रणालियों के डिजिटल संस्करण पाए गए हैं; बाकी को भी जल्द ही शामिल किया जाएगा।

डॉ. मिश्रा ने साफ कहा कि हमारी पुलिस को भविष्य के लिए तैयार करना होगा ताकि यह देश या विदेश की किसी भी समकालीन पुलिस से कम न हो। इसके अलावा दीर्घकालिक संरचनात्मक बदलावों को संबोधित करते हुए इसके लिए एक टास्क फोर्स की स्थापना की जाएगी। बैठक में फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं का विस्तार करने और कानून प्रवर्तन में डेटा एनालिटिक्स के उपयोग को बढ़ाने का भी निर्णय लिया गया। यानी अब डेटा और तकनीक अपराध की गुत्थी सुलझाने में मदद करेगी। हरियाणा सरकार की यह कार्रवाई पुलिस के आधुनिकीकरण से कहीं अधिक है; यह दर्शाती है कि अब सुरक्षा के मामले में कोई समझौता नहीं होगा। तकनीक की बदौलत हरियाणा पुलिस अब और अधिक तेज, सतर्क और पेशेवर होगी - ताकि हरियाणा के सभी नागरिक चैन की नींद सो सकें।

गलती से फिरोजपुर सेक्टर में बीएसएफ जवान ने पार की बॉर्डर

बीएसएफ जवान को छोड़ने से पाकिस्तान का इंकार

चंडीगढ़,25 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव साफ दिखा रहा है। इस बीच गलती से बॉर्डर पार गए बीएसएफ जवान को पाकिस्तान ने छोड़ने से मना कर दिया है। बीएसएफ के एक जवान को पाकिस्तान रेंजर्स ने गुरुवार को हिरासत में लिया था। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि 182वीं बटालियन के कांस्टेबल पीके सिंह किसानों के साथ थे। वह छाया में आराम करने के लिए आगे बढ़े, तभी पाकिस्तान रेंजर्स ने पकड़ लिया। पीके सिंह वर्दी में थे और उनके पास सर्विस राइफल भी थी।

अधिकारियों के अनुसार, दोनों देशों की सेना के बीच बातचीत जारी है। पाकिस्तानी रेंजर्स ने इडक्र जवान को वापस देने से मना कर दिया है। बीएसएफ की तरफ से फ्लैग मीटिंग के जरिए जवान को वापस लाने की कोशिश की जा रही है लेकिन खबर लिखे जाने तक इडक्र जवान को पाकिस्तानी रेंजर्स ने वापस नहीं भेजा था। अधिकारियों ने बताया कि पहले दोनों देशों के बीच अगर कोई जवान बॉर्डर पार कर लेता था तो उसे वापस लौटा दिया जाता था। यह सामान्य बात थी, लेकिन पहलगाम में आतंकी हमले के बाद बदले हालात में यह घटना असामान्य हो गई है। रिहाई के लिए दोनों देशों में बातचीत जारी है। पाकिस्तान ने बीएसएफ जवान को हिरासत में लेने के बाद आंखों पर पट्टी बांध दी। पाकिस्तान की तरफ जारी की गई तस्वीरों में यह जानकारी सामने आई है। बीएसएफ जवान को बॉर्डर पार किए 24 घंटे हो चुके हैं लेकिन अभी तक दोनों देशों के बीच सहमति नहीं बन पाई है। जीरो लाइन से पहले इस क्षेत्र में किसानों को विशेष परमिट के साथ खेती करने की इजाजत दी जाती है। फसल बोने और काटने के दौरान बीएसएफ के जवान उनके साथ तैनात रहते हैं। इन्हें किसान गार्ड भी कहा जाता है।

सैनी ने साइक्लोथॉन 2.0 ड्रग फ्री हरियाणा यात्रा को दिखाई हरी झंडी

जींद,25 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा को नशा मुक्त बनाने के लिए जींद में शुक्रवार को साइक्लोथॉन 2.0 ड्रग फ्री हरियाणा यात्रा का शानदार आगाज हुआ। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर हजारों युवा और आम लोग शामिल हुए। यह यात्रा पूरे राज्य में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने और हरियाणा को ड्रग फ्री बनाने के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निकाली गई।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने साइक्लोथॉन के उद्घाटन समारोह में कहा कि नशा समाज के लिए अभिशाप है और इसे जड़ से खत्म करने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहें और दूसरों को भी इसके खिलाफ जागरूक करें। साइक्लोथॉन जैसे आयोजन नशे के खिलाफ एकजुटता का प्रतीक हैं और इससे समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा।

इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिड्ढा, कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, स्थानीय विधायक और कई अन्य नेता मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में ड्रग फ्री हरियाणा के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। डॉ. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि युवा शक्ति इस अभियान की रीढ़ है और उनकी भागीदारी से हरियाणा नशा मुक्त बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। साइक्लोथॉन 2.0 में शामिल युवाओं ने नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया। यात्रा में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों ने नशा मुक्ति के नारे लगाए और पूरे उत्साह के साथ जींद की सड़कों पर साइकिल दौड़ाई। इस यात्रा का मकसद न केवल नशे के दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक करना है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली को भी बढ़ावा देना है।

आयोजकों ने बताया कि यह साइक्लोथॉन पूरे हरियाणा में विभिन्न शहरों और कस्बों से होकर गुजरेगी, ताकि नशा मुक्ति का संदेश हर कोने तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर सरकार की ओर से नशा मुक्ति के लिए चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन नशा तस्करी पर सख्ती से नकेल कस रहे हैं, जबकि जागरूकता अभियान समाज को नशे से मुक्त करने में मदद कर रहे हैं।

खापों के सहयोग से युवा नशे से हो सकता है मुक्त : सैनी

जींद,25 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि खापों का हमारे समाज में विशेष प्रभाव रहा है। युवा खापों से संस्कार सीखते रहे हैं, इसीलिए खाप युवाओं को नशे से मुक्ति में अहम योगदान दे सकती हैं। यह एक ऐसा गंभीर विषय है, जिसके पूरे समाज पर दुष्प्रभाव आ रहे हैं। नशे के खात्मे के लिए उनसे व सरकार से खापें जितना भी सहयोग चाहेंगी, वह दिया जाएगा। मुख्यमंत्री जींद में साइक्लोथॉन यात्रा को हरी झंडी दिखाने के बाद लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में हरियाणा के खाप प्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि खाप प्रतिनिधि एक मुहिम चलाएं और युवाओं को नशे से दूर रखें और नशामुक्त हरियाणा बनाने में सहयोग दें। उन्होंने कहा कि साइक्लोथॉन यात्रा एक जागरूकता का प्रयास है, लेकिन इसके पीछे एक बडा उद्देश्य नशे को खत्म करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें अपने युवा को नशे की बुरी लत से बचाना है हमने अधिक से अधिक युवाओं को खेलों से जोड़ना है ताकि वे खेलों में अधिक से अधिक पदक ला कर हरियाणा का नाम देश और विदेश में रोशन करें। खाप प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री द्वारा उन्हें बुलाने तथा मान-सम्मान देने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। साथ ही मुख्यमंत्री के सरल एवं हंसमुख स्वभाव की सराहना की। खाप प्रतिनिधियों ने कई विषयों पर एक-एक करके अपनी बात रखी।मुख्यमंत्री ने भी हर बात को ध्यान से सुना और उस पर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रतिनिधियों ने ग्राम पंचायतों की मांग पर अनेक सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में कैंडल मार्च

सरकार आतंकियों की पहचान कर उन्हें ढूंढकर मारे

सीवान (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान परस्त आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले में 26 लोगों की मौत और कई लोगों के घायल होने की घटना के बाद पूरे देश में आक्रोश है। गुरुवार को सीवान वासियों ने शहर के शिव व्रत साह छठ घाट धर्मशाला से बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद और सनातन संघर्ष समिति, सीवान के संयुक्त तत्वावधान में एक कैंडल मार्च निकाल कर शहर के विभिन्न मार्गो से गुजरते हुए जेपी चौक पर आकर पहलगाम में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम में शामिल लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पाकिस्तान विरोधी नारे लगाए गए और केंद्र सरकार से कार्रवाई की मांग की गई।

इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए बजरंग दल के बिहार-झारखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय संयोजक जन्मेजय कुमार ने कहा कि पाकिस्तान परस्त आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हिंदू पर्यटकों पर हमला कर भारत की आत्मा पर हमले का दुस्साहस किया है। ये हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है, देश के दुश्मनों ने भारत की आस्था पर हमला करने का दुस्साहस किया है। मैं भारत सरकार से मांग करता हूं कि पहलगाम में हमला करने वाले और उसकी साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा दी जाए। सरकार से आग्रह है कि अब आतंकियों की बची-कुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। सरकार आतंकियों की पहचान करे और उन्हें ढूंढकर मारे।

इस मौके पर नगर परिषद सभापति सैम्पी गुप्ता, उपसभापति किरण गुप्ता, प्रभात रंजन, गिरीश कुमार सिंह, बबलू साह, रंजीत शाही, विनोद, भाजपा जिला अध्यक्ष राहुल तिवारी, राजेश श्रीवास्तव, हरेंद्र कुशवाहा, प्रदीप कुमार रोज, कुंदन सिंह, त्रिलोकी पटेल, हैप्पी यादव, जयप्रकाश गुप्ता, नीरज पटेल, अनमोल कुमार, बादल व्याहुत, सनी कुमार, अर्जुन कुमार गुप्ता, देवेंद्र गुप्ता, राजन कुमार, रोशन कुमार, मुकेश कुमार जायसवाल, मुकेश कसेरा, चंदन चौरसिया, गणेश कसेरा, मनोज गुप्ता और सौरभ श्रीवास्तव मौजूद रहे।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के पीड़ितों के प्रति एकजुटता जताने के लिए सीवान में 'सीवान के नागरिक' के बैनर तले एक कैंडल मार्च निकाला गया। मार्च में डॉक्टर, वकील, शिक्षक, बुद्धिजीवी और संस्कृतिकर्मी शामिल हुए। हाथों में मोमबत्तियां और 'पहलगाम के दोषियों को सजा दो', 'साम्प्रदायिक एकता जिंदाबाद', 'दहशतगर्दों को सजा देना होगा' जैसे नारों की तख्तियां लिए लोग शहीद सराय तक पहुंचे, जहां शहीद स्मारक पर मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुशील कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पहलगाम की आतंकी घटना ने पूरे देश को शोक में डुबो दिया है। उन्होंने इस कायराना हमले की निंदा करते हुए पीड़ित परिवारों के साथ देश की एकजुटता जताई। सुशील कुमार ने अफसोस जताया कि कुछ लोग इस त्रासदी का फायदा उठाकर धर्म और पहचान के नाम पर नफरत, जातिवाद और भेदभाव की राजनीति कर रहे हैं।

कांग्रेस के प्रदेश प्रतिनिधि डॉ. के. एहतेशाम अहमद ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई की जरूरत है। उन्होंने सरकार से सवाल पूछने के बजाय विपक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू को दोषी ठहराने की प्रवृत्ति पर नाराजगी जताई। बिहार अराजपत्रित प्रारंभिक शिक्षक संघ के जिला सचिव अशोक कुमार प्रसाद ने कहा कि इस हमले ने मानवता, प्रेम, न्याय और शांति को गहरी चोट पहुंचाई है। उन्होंने आम लोगों के विश्वास को सबसे बड़ा नुकसान बताया।

मार्च में कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. विधु शेखर पाण्डेय, शिवधारी दुबे, शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह, गोरिया कोठी के पूर्व प्रमुख अशोक सिंह, डॉ. शाहनवाज आलम, मार्कण्डेय दीक्षित, प्रो. वीरेंद्र यादव, शशि भूषण कुमार, गणेश दत्त पाठक, सलमान सिद्दीकी, राम कृष्णा तरुण, जमशेद अहमद, रविंद्र कुमार सिंह, मो. हक, संस्कार यादव, संदीप शर्मा, गुफरान, नीरज यादव, अलाउद्दीन अहमद, अजय कुमार और आशुतोष यादव सहित दर्जनों लोग शामिल हुए।

पहलगाम हमले के खिलाफ लोगों का गुस्सा फूटा

पाकिस्तान में घुसकर कार्रवाई की मांग की

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए हमले और निर्दोष हिंदुओं व पर्यटकों की हत्या के विरोध में बिहार के मुजफ्फरपुर में लोगों का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है।

शुक्रवार को मक्खन शाह चौक के समीप बड़ी संख्या में युवाओं ने पाकिस्तान के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान का झंडा जलाया और उसे जूते-चप्पलों से पीटकर अपना विरोध दर्ज कराया। युवाओं का कहना था कि अब भारत को निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए। प्रदर्शन में शामिल विक्रम सर्राफ ने कहा कि जिस तरह पाकिस्तान के पोषित आतंकियों ने भारत में घुसकर 28 लोगों की हत्या की, अब हमें भी 28 के बदले 28 चाहिए। सरकार को चाहिए कि आतंकियों को उनके घर में घुसकर मारे।

प्रदर्शनकारी पंकज कुमार ने कहा कि पहले 1993, फिर 2000, मुंबई 2008 और अब 2025, क्या पाकिस्तान भूल गया है कि यह नया भारत है? अब हम सिर्फ शोक नहीं मनाएंगे, जवाब भी देंगे। पाकिस्तान के आतंकी कैंपों को तबाह करना जरूरी है, ताकि फिर कोई हमारे देश की तरफ आंख उठाकर न देख सके।

लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की कि वे सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट जैसी निर्णायक कार्रवाई दोहराएं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पोषित आतंकियों को या तो वहीं मार गिराया जाए या फिर उन्हें भारत लाकर जनता के हवाले किया जाए।

स्थानीय लोगों ने यह भी कहा कि अब भारत को कड़ा संदेश देना होगा कि मासूमों की हत्या बर्दाश्त नहीं की जाएगी और देश की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के साथ मजबूती से खड़े रहने की बात दोहराई और कहा कि हम भारत के लोग अब सिर्फ सहेंगे नहीं, हिसाब भी लेंगे।

नीट पेपरलीक केस का मास्टरमाइंड संजीव मुखिया गिरफ्तार

तीन लाख का इनाम था, एसटीएफ ने पकड़ा

पटना (एजेंसियां)।

नीट पेपर लीक केस में बिहार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। बिहार पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स की टीम ने पेपरलीक केस के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया को गिरफ्तार कर लिया है। वह पांच मई 2024 से फरार चल रहा था। पुलिस जब उसे नहीं खोज पाई तक उसपर तीन लाख का इनाम रख दिया था। शुक्रवार सुबह एसटीएफ ने उसे दानापुर इलाके के गिरफ्तार किया। संजीव मुखिया पर नीट समेत कई प्रतियोगी परीक्षाओं में फर्जीवाड़ा करने और पेपरलीक कराने का आरोप है। एसटीएफ की टीम संजीव मुखिया को जल्द ही कोर्ट में पेश करेगी। इसके बाद कोर्ट से आदेश मिलने पर उसे रिमांड पर लेगी।

इससे पहले चार मार्च को आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने फरार आरोपी संजीव मुखिया के विरुद्ध फिर कार्रवाई की थी। ईओयू की विशेष टीम ने नगरनौसा थाना क्षेत्र के शाहपुर बलबा गांव में संजीव कुमार के निवास स्थान पर कोर्ट से प्राप्त इश्तिहार को चिपकाया था। यह कार्रवाई ईओयू थाना पटना में दर्ज मामला संख्या 16/23 से संबंधित है, जिसने पूरे राज्य में एक बड़ी सनसनी मचा दी है।

नालंदा जिले के नूरसराय वानिकी कॉलेज में तकनीकी सहायक के पद पर कार्यरत संजीव कुमार उर्फ़ संजीव मुखिया बिहार पुलिस भर्ती परीक्षा घोटाले का मुख्य संचालक माना जा रहा है। उनपर अपने बेटे डॉ. शिव के साथ मिलकर परीक्षा प्रणाली में व्यापक स्तर पर धांधली करने का आरोप है। बता दें कि संजीव मुखिया के पुत्र डॉ. शिव पहले ही सिपाही भर्ती पेपर लीक मामले में जेल में बंद है।

पूर्व आईपीएस शिवदीप लांडे बोले-

60 लाख शिक्षित बेरोजगार युवा हैं, मैं उन्हें नेता बनाना चाहता हूं

पूर्णिया (एजेंसियां)।

बिहार के प्रशासनिक व्यवस्था में सुपर कॉप के रूप में चर्चित पूर्व आईपीएस शिवदीप लांडे अपनी हिंद सेना पार्टी बनाने के बाद पिछले 22 अप्रैल को अररिया जिले से पदयात्रा की शुरूआत की है। उसके बाद शिवदीप लांडे गुरुवार को कटिहार पहुंचे थे और शुक्रवार को वे किशनगंज पहुंचे हैं।

बता दें कि सबसे पहले वे किशनगंज सीमा के शीतलनगर चौक पहुंचे। उसके बाद वे डहुआबाड़ी में युवाओं संग मुलाकात कर संवाद किए, जिसके बाद पहलगाम में शहीद हुए लोगों के लिए वो बिशनपुर में मौन सभा करेंगे। वहां से कैरीबीरपुर पुस्तकालय में युवा साथियों से भेंटवार्ता करेंगे। सौंथा हाट में लोगों से मुलाकात करेंगे। सौंथा के बाद मोहरा में भी लोगों से मिलेंगे। शाम में वो किशनगंज अचण कैंपस दौरा करेंगे। साथ ही शहर में लोगों से मुलाकात भी करेंगे।

किशनगंज पहुंचते ही उनका शीतलनगर चौक में भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद डहुआबाड़ी में आयोजित कार्यकम को उन्होंने संबंधित किया है। जहां उन्होंने कहा, 60 लाख लड़के बिहार में हैं, जिनके पास डिग्री है, मगर नौकरी नहीं है। यहां युवाओं के बीच में व्यापार का को श्रोत नहीं है, इंडस्ट्री नहीं है। यहां इंडस्ट्री की काफी कमी है, जिससे लोगों को बिहार छोड़कर जाना पड़ रहा है।

आगे उन्होंने कहा कि शिक्षा में काम करना पड़ेगा, जिसके लिए सभी को जागरुक होना पड़ेगा। आगे उन्होंने कहा कि मैं नेता, विधायक या मंत्री बनने नहीं आया हूं, मैं युवाओं को नेता बनाने आया हूं।

आप लोगों ने इन्हीं लोगों को अपना नेता मान लिया है। मगर ये आपकी किस्मत नहीं हैं। आपको जागरुक होना पड़ेगा।

बिहार में 27 पाकिस्तानियों की मुश्किलें बढ़ी

48 घंटे के अंदर भारत नहीं छोड़ेंगे तो होगी गिरफ्तारी

पटना (एजेंसियां)।

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत सरकार एक्शन में हैं। केंद्र सरकार ने पाकिस्तानियों का वीजा रद्द कर दिया था और देश के अलग-अलग राज्यों में रह रहे पाकिस्तानियों को अपने फौरन देश लौटने का फरमान जारी किया था। पटना में इस वक्त 27 पाकिस्तानी नागरिक वीजा पर रह रहे हैं। इनमें 24 महिलाएं हैं। केंद्र सरकार के आदेश के बाद इनकी परेशानी बढ़ गई है। दरअसल, पटना के सब्जीबाग, समनपुरा, रुकनपुरा और फुलवारी शरीफ में यह सभी पाकिस्तानी एक्सटेंशन वीजा पर रह रहे थे। यह लोग तीन से सात दिन के लिए पटना आए थे लेकिन बाद में रिश्तेदार बीमार समेत अन्य कुछ कारण बता इनलोगों ने अपने रहने की अवधि बढ़ा ली थी। अब जब भारत सरकार ने इनका वीजा रद्द कर दिया तो बिहार पुलिस की स्पेशल ब्रांज और पासपोर्ट कार्यालय की टीम इसकी जांच में जुट गई है।

पुलिस के अनुसार, एक्सटेंशन वीजा पर रहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों को अपने वतन लौटना होगा। अगर वह नहीं जाते हैं तो उन्हें विदेशी घुसपैठियां घोषित कर दिया जाएगा। उन्हें गिरफ्तार भी किया जाए सकता है। पुलिस सूत्रों की मानें तो पाकिस्तानी नागरिकों ने भारतीय नागरिकता के लिए अपना पासपोर्ट सरेंडर कर दिया है। इनमें तीन महिलाएं भी हैं। वहीं तीन में से एक अन्य महिला पर पीरबहोर थाने में केस दर्ज है। हालांकि, कोर्ट ने महिला को जमानत दी है।

बिहार कांग्रेस को बड़ा झटका

चार बार विधायक रह चुके आलम अब असदुद्दीन ओवैसी के साथ

किशनगंज (एजेंसियां)।

वक्फ बिल पास होने के बाद से ही किशनगंज में राजनीतिक सरगर्मी तेज है। शुरूआती समय में जदयू के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पार्टी से त्यागपत्र दे दिया। अब 4 बार विधायक रह चुके कांग्रेस विधायक तौसीफ आलम ने कांग्रेस को अलविदा कहते हुए एआईएमआईएम पार्टी का दामन थाम लिया है। इस बात की जानकारी तौसीफ आलम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट जारी करते हुए दी है। तौसीफ आलम के पार्टी छोड़ने से कांग्रेस को लगा बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस विधायक तौसीफ आलम ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट किया है। उस तस्वीर में एआईएमआईएम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के साथ हाथ मिलाते हुए दिख रहे है। उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष अख्तरूल ईमान और राष्ट्रीय प्रवक्ता आदिल हसन भी शामिल भी दिख रहे हैं। जहां उन्होंने फेसबुक में पोस्ट करते हुए कहा कि देश के हालात देखते हुए एआईएमआईएम पार्टी जॉइन किया।

हालाकि उनके एआईएमआईएम पार्टी में शामिल होने के अनुमान पहले से लगाए जा रहे थे। हाल में उन्होंने अपने प्रेस वार्ताओं में कांग्रेस छोड़ने का इशारा किया था। दरअसल कई राजनीतिक जानकारों का यह मानना है कि बहादुरगंज विधानसभा में वर्तमान में अभी राजद के विधायक अंजार नईमी है, और पार्टी इस बार गठबंधन में विधानसभा चुनाव लड़ रही है।

पहलगाम हमले के बाद धन्यवाद कहने वाले शख्स के पड़ोसियों ने कहा-

नौशाद को कड़ी सजा मिलनी चाहिए

पटना (एजेंसियां)।

पहलगाम में आतंकी गतिविधियों के बाद धन्यवाद लिखने वाले नौशाद के दरभंगा स्थित घर सिमरी थाना क्षेत्र शोभन स्थित बिस्कुटिया टोला के लोग पुलिस की जांच से हैरान हैं। पुलिस जिले में आतंकी नेटवर्क को खंगालने में जुटी है। हालांकि, पुलिस की गतिविधियों को देखकर स्थानीय लोग परेशान दिख रहे और नौशाद के संबंध कुछ भी बता नहीं पा रहे। हालांकि, उसके इस कृत्य को लोग गलत ठहरा रहे है। पड़ोसियों का कहना कि जो मुसलमान होगा, वह मुकम्मल ईमान वाला होगा। वह कभी भी हत्या की सराहना नहीं करेगा। उसने जो किया वह बिल्कुल गलत किया। हमें हिंदुस्तान की मिट्टी से मोहब्बत है। हम पाकिस्तान जिंदाबाद नहीं कर सकते है। नौशाद का आतंकियों को धन्यवाद कहना घोर निंदनीय है। ऐसे लोगों को कठोर सजा मिलना चाहिए।

बता दें कि नौशाद ने झारखंड के बोकारो जिले के मिल्लतनगर मस्जिद में आठ वर्ष की आयु तक तालीम लेने के बाद चांदपुरा मदरसा से प्राथमिकी शिक्षा और धनबाद के पाथरडीह से इंटर करने के बाद उत्तरप्रदेश के सहारनपुर स्थित दारूल उलूम देवबंद वक्फ से हाफिज आलिम की पढ़ाई की। अब पुलिस इसके पूरे नेटवर्क को ही खंगालने में लगी है। नौशाद दुबई में रहने वाले अपने भाई के नाम से मोबाइल का सिम लेकर इंटरनेट मीडिया एक्स, इंस्टाग्राम और फेसबुक चलाता है।

ग्रामीण शमशेर ने कहा कि नौशाद का परिवार करीब साथ वर्षो से यहां नहीं आया है। उसका परिवार बोकारो में रहा करता है, वह बीएसएल में नौकरी किया करता है। उन्होंने कहा उसे इस तरह की बात नहीं करना चाहिए था। हिंदुस्तान में रहकर इस तरह बयान बिल्कुल देना गलत बात है। उसे कठोर सजा मिलना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com